केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

24 फरवरी 2025

सोमवार

मखाना खेती के लिए किसानों को दिया जाएगा प्रशिक्षण: शिवराज सिंह चौहान

2

पीएम मोदी बोले... अगले तीन साल में देश के हर जिले में खोले जाएंगे कैंसर डे केयर सेंटर

- पीएम नरेंद्र मोदी ने छतरपुर के ग्राम गढ़ा में बागेश्वर धाम मेडिकल साइंस एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट का किया भूमिपूजन
- पंडित धीरेंद्र शास्त्री की बारात में आने का किया वादा

एजेंसी/छतरपुर

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को छतरपुर के ग्राम गढ़ा (राजनगर) में बागेश्वर धाम मेडिकल साइंस एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट का भूमिपूजन किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर 218 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल का शिलान्यास किया। इसी के साथ उन्होंने पंडित धीरेंद्र शास्त्री द्वारा मंच से किए गए आग्रह को मानते हुए कहा कि वे इस अस्पताल के उद्घाटन में और उनकी बारात में दोनों अवसर पर यहां आएंगे। बागेश्वर धाम में 218 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले कैंसर अस्पताल के लिए 10.925 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की जा चुकी है और इसे अगले 36 महीनों में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पहले चरण में 100 बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध होगी, जिसमें अत्याधुनिक मशीनों और विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से गरीब कैंसर रोगियों का निशुल्क उपचार किया जाएगा। इस अवसर पर बागेश्वर धाम ने घोषणा की कि इस अस्पताल में प्रधानमंत्री जी की माताजी के नाम से एक वॉर्ड बनाया जाएगा।

सस्ती होंगी कैंसर की दवाएं: पीएम ने कहा कि बागेश्वर धाम में कैंसर मरीजों के लिए इतना बड़ा अस्पताल खुलने जा रहा है क्योंकि अब कैंसर बड़ी परेशानी बन रहा है इसलिए आज सरकार और संत समाज सब मिलकर कैंसर के खिलाफ लड़ाई में मिलकर प्रयास कर रहे हैं। इस साल जो बजट आया है उसमें भी कैंसर से लड़ने के लिए कई घोषणाएं की गई हैं। आने वाले समय में कैंसर की दवाओं को और सस्ता किया जाएगा। अगले तीन साल में देश के हर जिले में कैंसर डे केयर सेंटर खोले जाएंगे, जहां जांच और आराम करने की सुविधा होगी। आपके पास के जिला अस्पताल और चिकित्सा केंद्र में कैंसर क्लिनिक भी खोले जा रहे हैं। हम तीस साल से ज्यादा उम्र के लोगों की जांच के लिए एक अभियान चला रहे हैं। आप सबको इस अभियान का हिस्सा बनना चाहिए। कैंसर से सुरक्षा के लिए आपको भी सावधान जागरूक होना पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी आपका सेवक बनकर आपकी सेवा में जुटा है।

एक फिट और स्वस्थ राष्ट्र बनने के लिए हमें मोटापे की समस्या से निपटना होगा: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के जरिए देश को संबोधित किया। रविवार को 'मन की बात' के 119 वें एपिसड का प्रसारण किया गया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए इसरो की सफलता का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले महीने देश इसरो के 100 वें लॉन्चिंग का साक्षी बना। यह केवल एक नंबर नहीं है, बल्कि इससे स्पेस साइंस में नित नई ऊंचाईयों को छूने के हमारे संकल्प का भी पता चलता है। स्पेस विज्ञान में नारी शक्ति की भागीदारी बढ़ी। उन्होंने कहा कि इसरो की सफलताओं का दायरा काफी बड़ा रहा है। बीते 10 वर्षों में ही करीब 460 सैटेलाइट लॉन्च की गई हैं और इसमें दूसरे देशों की बहुत सारी सैटेलाइट्स शामिल हैं। हाल के वर्षों में स्पेस विज्ञान में हमारी टीम में नारी शक्ति की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, आने वाले कुछ ही दिनों में हम 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाने जा रहे हैं। हमारे बच्चों का, युवाओं की विज्ञान में दिलचस्पी और जुनून होना बहुत मायने रखता है। इसे लेकर मेरे पास एक विचार है, जिसे आप 'एक दिन वैज्ञानिक के रूप में' कह सकते हैं, यानि, आप अपना एक दिन एक वैज्ञानिक के रूप में, एक वैज्ञानिक के रूप में, बिताकर देखें।

एआई के क्षेत्र में भारत की प्रगति की सराहना: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हाल ही में, मैं एआई के एक बड़े सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पेरिस गया था। वहां दुनिया ने इस क्षेत्र में भारत की प्रगति की खूब सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि इस बार महिला दिवस पर मैं एक ऐसी पहल करने जा रहा हूं, जो हमारी नारी शक्ति को समर्पित होगी। इस विशेष अवसर पर मैं अपने सोशल मीडिया अकाउंट को एक दिन के लिए उनको सौंपने जा रहा हूं। ऐसी महिलाएं जिन्होंने उपलब्धियां हासिल की हैं, एक अलग पहचान बनाई है, 8 मार्च को वे अपने कार्य और अनुभवों को देशवासियों के साथ शेयर करेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा, एक फिट और स्वस्थ राष्ट्र बनने के लिए हमें मोटापे की समस्या से निपटना ही होगा। अध्ययन के मुताबिक आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है। खाने में तेल का कम उपयोग और मोटापे से निपटना यह केवल व्यक्तिगत पसंद नहीं है, बल्कि परिवार के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। खान-पान में तेल का अधिक इस्तेमाल दिल की बीमारी, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी ढ़ेर सारी बीमारियों की वजह बन सकता है।

कैमूर जिले के कुदरा थाना क्षेत्र के चिलबिली गांव के पास हुआ हादसा

सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई स्कॉर्पियो पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत

- महाकुंभ में स्नान के बौद घर लौटने के दौरान हुआ हादसा
- सभी मृतक एक ही परिवार के और लखीसराय जिले के रहनेवाले, चार की हालत गंभीर

केटी न्यूज/कैमूर

प्रयागराज महाकुंभ से स्नान कर लौट रहे तीन यात्रियों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। हादसा कैमूर के चीलबिली गांव के निकट हुई, जहां सड़क किनारे खड़े ट्रक में स्कॉर्पियो जा टकराई। इस हादसे में स्कॉर्पियो में सवार महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि हादसे में घायल चार लोगों को भभुआ सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार कैमूर जिले के कुदरा थाना क्षेत्र के चिलबिली गांव के पास एनएच-19 पर एक कंटेनर ट्रक खड़ा था। वहीं तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो के चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया। इस कारण स्कॉर्पियो सड़क पर खड़े ट्रक से जा टकराई। इस हादसे में स्कॉर्पियो पर सवार एक महिला समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस और एनएचएआई की टीम सभी चार घायलों को उपचार कराने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुदरा पहुंचाया, जहां से सभी को सदर अस्पताल भभुआ रेफर कर दिया गया। लोगों का कहना है कि स्कॉर्पियो चालक की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ।बताया गया है कि स्कॉर्पियो सवार सभी लोग महाकुंभ से स्नान कर अपने घर जा रहे थे। तभी यह रविवार की सुबह 5.30 बजे घटना हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रयागराज में महाकुंभ चल रहा है कुम्भ स्नान को लेकर लगातार एनएच 2 जाम रहता है। वहीं स्नान कर जल्द घर पहुंचने की होड़ में लगातार सड़क दुर्घटना हो रही है और मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है।

किसी ने यह सपने में भी नहीं सोचा था कि प्रयागराज महाकुंभ स्नान की यात्रा लखीसराय के डॉ. महेश कुमार राय और उसके परिवार के कुछ लोगों के लिए जीवन की अंतिम यात्रा बन जाएगी। जानकारी के अनुसार डा महेश कुमार राय अपनी पहली पत्नी, बहन, बहनोई, भांजा, पुत्र के साथ स्कॉर्पियो पर सवार होकर 22 फरवरी को धनबाद से कुंभ स्नान करने के लिए गए थे। कुंभ स्नान करके वापस के दौरान रविवार अहले सुबह उनकी स्कॉर्पियो कैमूर जिला के कुदरा थाना क्षेत्र के चिलबिली गांव के समीप सड़क किनारे खड़ी कंटेनर से अनियंत्रित होकर टकरा गई। जिससे मौके पर ही डा. महेश राय (55 वर्ष), लखीसराय जिला के मननपुर संग्रामपुर छोटी बहन मीरा देवी (45 वर्ष) और पुत्र सोनू कुमार (21 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बहनोई, भांजा, चालक और पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई।

गुजरात में भीषण सड़क हादसे में पश्चिम बंगाल के पांच पर्यटकों की मौत

गांधीनगर। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में रविवार को सड़क दुर्घटना में पश्चिम बंगाल के पांच पर्यटकों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। इस बीच कर्नाटक में धर्मस्थल जा रहे दो तीर्थयात्रियों को तेज रफ्तार बस ने कुचल दिया। पुलिस के मुताबिक, गुजरात की घटना हसन तालुक के हेग्गाडीहल्ली के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-75 पर हुई। जिले के चूड़ा पुलिस थाने के उपनिरीक्षक जेएन गमारा ने बताया कि दुर्घटना शाम करीब साढ़े चार बजे लिंबडी तालुका के नवी मोरवाड़ गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। उन्होंने बताया कि बंगाल के पर्यटकों का एक समूह एक टेंपो ट्रैवलर में यात्रा कर रहा था, तभी वाहन एक डंपर से टकरा गया। वे दीव और गिर जैसी जगहों से यात्रा करके लौट रहे थे और दो दिन बाद अहमदाबाद से उनकी उड़ान थी। उन्होंने बताया कि दो महिलाओं और तीन पुरुषों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य को उपचार के लिए जिले के सायला स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

पटना में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, दो आरोपी गिरफ्तार

पटना। पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल के रानी तालाब थाने क्षेत्र से रविवार को एक नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिस पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए गैंगरेप के तीन आरोपियों में से दो को 24 घंटे के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल क्षेत्र के रानी तालाब थाना क्षेत्र के जीतन छपरा गांव में शनिवार देर शाम एक 13 वर्षीय नाबालिग लड़की का गांव के ही तीन युवकों ने मोटर साइकिल से अपहरण कर लिया। उसके बाद सोन नदी के दियारे क्षेत्र में ले जाकर सामूहिक रूप से बारी-बारी दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। अपहरण तब हुआ जब युवती घर से गांव के ही एक किराने की दुकान में सामान लेने गई थी। इसी बीच देर शाम 7.30 बजे के करीब पहले से ही युवती का इंतजार कर रहे, गांव के तीन युवकों ने उसे जबरदस्ती मुंह में कपड़ा बांधकर बंधक बनाया और मोटरसाइकिल से उठा कर ले गए। इस बर्बर और अक्षम्य अपराधिक घटना के बाद पीड़िता के पिता ने अगले दिन स्थानीय रानीतालाब थाने में जाकर लिखित रूप से शिकायत करते हुए गांव के ही तीन युवकों पर सामूहिक दुष्यकर्म करने की प्राथमिकी दर्ज कराई।

समस्तीपुर में तीन बच्चों की गला घोंटकर हत्या, कुंए से मिला शव

- समस्तीपुर जिले के चकमेहसी थाना क्षेत्र के मालीनगर गांव की है यह हृदय विदारक घटना
- शक के आधार पर पुलिस ने बच्चों के मांता-पिता को लिया हिरासत में

केटी न्यूज/पटना

समस्तीपुर जिले के चकमेहसी थाना क्षेत्र के मालीनगर गांव में रविवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। बीती रात घर से लापता हुए तीन मासूम भाई-बहनों के शव घर से मात्र 15 गज की दूरी पर स्थित एक कुएं से बरामद किए गए। मृत बच्चों की पहचान चंदन कुमार के बेटे छह वर्षीय तरुण कुमार, चार वर्षीय तान्या कुमारी और दो वर्षीय तनिष्क कुमार के रूप में हुई है। इस मर्माहत कर देने वाली घटना से पूरे गांव में मातम पसर गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चों के शवों को कुएं से बाहर निकाला। इसके बाद एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शक के आधार पर मृत बच्चों की मां और पिता को हिरासत में ले लिया है और उनसे कड़ी पूछताछ की जा रही है।

पति-पत्नी के बीच चल रहा था विवादः घटनास्थल पर पहुंचे एसपी अशोक मिश्रा ने बताया कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से अनबन चल रही थी। बीते शनिवार की शाम भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था, जिसके बाद यह घटना सामने आई। गांव में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि मां ने ही तीनों बच्चों की गला घोंटकर हत्या कर दी और शवों को कुएं में फेंक दिया। हालांकि पुलिस अभी इस मामले की तहकीकात कर रही है और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गयाः पुलिस ने तीनों बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो सकेगी। फिलहाल पुलिस इस मामले में हर पहलू से जांच कर रही है, ताकि सच सामने आ सके। इस दर्दनाक घटना से पूरे इलाके में गम और गुस्से का माहौल बना हुआ है।

सेल्फी लेने के दौरान संतुलन बिगड़ने से पलटी नाव, छह बच्चे डूबे; दो की मौत

केटी न्यूज/पटना

वैशाली जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया। लालपुर गांधी मैदान पोखर में नाव पर सेल्फी लेने के दौरान संतुलन बिगड़ने से नाव पलट गई, जिससे छह बच्चे डूब गए। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य में जुट गए. वहीं, सूचना पाकर भगवानपुर थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से प्रतापटांड़ शेरपुर निवासी गोपाल शाह के 15 वर्षीय बेटे प्रियांशु कुमार और श्रवण शाह के 17 वर्षीय बेटे विकास कुमार को पानी से बाहर निकाला गया। दोनों को सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाकी चार बच्चों की तलाश के लिए पुलिस और प्रशासन ने विशेष टीम को लगाया है।

अगर पार्टी को मेरी सेवाओं की जरूरत नहीं है तो मेरे पास विकल्प मौजूद है: शशि थरूर

नई दिल्ली। केरल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पिनराई विजयन के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार की तारीफ करने और कांग्रेस से नाराजगी की अटकलों के बीच सांसद शशि थरूर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस पार्टी के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में यह भी कहा कि अगर पार्टी को उनकी सेवाओं की जरूरत नहीं है तो उनके पास विकल्प मौजूद हैं। एक पॉडकास्ट में बोलते हुए हालांकि, थरूर ने पार्टी बदलने की अफवाहों का खंडन किया।

उन्होंने कहा कि भले ही विचारों में अंतर हो, लेकिन उन्हें ऐसा नहीं लगता। शशि थरूर का बयान इसलिए अहम है, क्योंकि इससे पहले उन्होंने केरल सरकार की नीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की जमकर तारीफ की थी। यह कांग्रेस को कतई पसंद नहीं आई थी। पॉडकास्ट साक्षात्कार के दौरान कांग्रेस सांसद ने विवाद पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैंने कभी खुद को राजनेता नहीं माना। इसलिए मेरे संकीर्ण राजनीतिक विचार हैं। उन्होंने कांग्रेस से केरल में अपने आधार का विस्तार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नए मतदाताओं को पार्टी की ओर आकर्षित करने के लिए काम करने को कहा। उन्होंने पार्टी की राज्य इकाई से नेताओं की अनुपस्थिति का भी जिक्र किया।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के भारत-पाक मैच में टूटे कई रिकॉर्ड, सेमिफाइनल में पहुंचा भारत

कोहली का एक बार फिर विराट प्रदर्शन, पाक को धोया

केटी नयूज/नई दिल्ली

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में रविवार को विराट कोहली और श्रेयस अय्यर की दमदार बैटिंग के कारण भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हराया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने सेमीफाइनल में लगभग अपनी जगह पक्की कर ली है। मुकाबले में पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 241 रन का स्कोर खड़ा किया था।

इसके जवाब में टीम इंडिया ने 42.3 ओवर में रन बनाकर मुकाबले को अपना कर लिया। वहीं, दूसरी ओर विराट कोहली ने एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर का एक रिकॉर्ड तोड़ डाला। कोहली अब एक दिवसीय क्रिकेट में सबसे तेज 14 हजार रन बनाने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। पाकिस्तान के गेंदबाजों के लाख प्रयासों के बाद भी विराट कोहली के शानदार शतक ने भारत को चैंपियंस ट्रॉफी में लगातार दूसरी जीत दिला दी। टीम इंडिया ने रविवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेल गए मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को छह विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करने वाली पाकिस्तान की टीम 49.4 ओवरों में 241 रनों पर ढेर हो गई। भारत ने ये लक्ष्य 42.3 ओवरों में हासिल कर लिया।

पाक के लिए सउद शकील ने 76 गेंदों पर 62 रनों की पारी खेली, जिसमें पांच चौके शामिल रहे। वहीं भारत के लिए विराट कोहली ने नाबाद 100 रन बनाए। ये पाक की इस चैंपियंस ट्रॉफी में लगातार दूसरी हार है। इसी के साथ उसका सेमीफाइनल में जाना नामुमकिन हो गया है। पहले मैच में उसे न्यूजीलैंड ने मात दी थी। इस जीत के साथ भारत ने सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। उसे अब अपना तीसरा और आखिरी लीग मैच दो मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना है।

विराट को देश का प्रतिनिधित्व करना पसंद है

भारत-पाकिस्तान मैच के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि जिस तरह से हमने गेंदबाजी से शुरूआत की वह शानदार था। हम वैसा ही अपनी बल्लेबाजी में भी करना चाहते थे। इसका श्रेय मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों को जाता है। वो जानते हैं कि उन्हें क्या करना है। हम लंबे समय तक ग्राउंड पर बने रहना चाहते थे.... विराट को देश का प्रतिनिधित्व करना पसंद है, वो वही करते हैं जो वो सबसे अच्छा कर सकते हैं, जैसा कि उन्होंने आज किया।

उम्मीद: मुंगेर के जमालपुर रेल इंजन कारखाने को आधुनिक और विकसित बनाने की योजना

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पूर्वांचल और बिहार के विकास पर विशेष जोर है और इसी कारण से बिहार को कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं दी गई हैं।

केटी न्यूज/मुंगेर

केंद्रीय पंचायती राज, पशुपालन एवं मत्स्य मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने रविवार को जैन धर्मशाला, मुंगेर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इसी कड़ी में केंद्रीय बजट 2024-25 में बिहार के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने बताया कि मुंगेर के जमालपुर रेल इंजन कारखाने को आधुनिक और विकसित बनाने की योजना तैयार की जा रही है। संसद का बजट सत्र खत्म होने के बाद रेल मंत्री स्वयं जमालपुर आएंगे और संसाधनों की समीक्षा कर विकास कार्यों की घोषणा करेंगे।

पूर्वांचल के विकास पर विशेष ध्यान : ललन सिंह ने कहा कि बिहार के समग्र विकास के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है, और बजट में इसकी झलक साफ दिखाई देती है। उन्होंने बताया कि उत्तर बिहार में मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए मखाना बोर्ड के गठन की घोषणा की गई है। जिससे कोसी क्षेत्र के किसानों को विकास हो सके। उनकी उत्पाद विदेशों तक जा सके।

बिहार में पर्यटन को दिया जाएगा बढ़ावा

इसके अलावा पटना एयरपोर्ट के विस्तार और नए ग्रैंडफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण का भी प्रावधान किया गया है। साथ ही बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना और पटना आईआईटी के विस्तार का निर्णय भी लिया गया है। उन्होंने कहा कि मिथिलांचल क्षेत्र को बाढ़ से बचाने के लिए पश्चिमी कोसी नहर के सुदृढ़ीकरण का भी प्रावधान किया गया है। इससे 50,000 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधा मिलेगी। पर्यटन क्षेत्र में भी बिहार को विशेष सौगात मिली है, जिसके तहत ऐतिहासिक स्थलों को विकसित किया जाएगा। ललन सिंह ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह बजट सिर्फ चुनाव को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि बिहार के दीर्घकालिक विकास को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। उन्होंने बताया कि 2023 के केंद्रीय बजट में बक्सर से भागलपुर और पटना से पूर्णिया तक फोर लेन सड़क निर्माण की घोषणा की गई थी, जो अब कार्यान्वित की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पूर्वांचल और बिहार के विकास पर विशेष जोर है और इसी कारण से बिहार को कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं दी गई हैं।

प्रधानमंत्री भागलपुर में करेंगे बड़ी घोषणाएं

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सोमवार को भागलपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के दौरान बिहार के लिए कुछ नई घोषणाएं भी हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके तहत 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर बजट तैयार किया गया है। ललन सिंह ने कहा कि वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में पांचवें स्थान पर है। इसे 2029 तक तीसरे स्थान पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। आज दुनिया का हर देश भारत की आर्थिक प्रगति को देख रहा है, और यह सब प्रधानमंत्री के नेतृत्व में किए गए आर्थिक सुधारों के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ह्यविकसित भारतह्व के निर्माण के लिए पांच प्रमुख लक्ष्य निर्धारित किए हैं, जिन पर केंद्र सरकार तेजी से कार्य कर रही है। इस बजट में उन्हीं लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई गई हैं, ताकि भारत को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया जा सके। बजट में हर वर्ग को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह प्रयास किया गया है कि मध्यम वर्ग को आर्थिक रूप से मजबूत किया जाए।

राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र दरभंगा पहुंचे केंद्रीय मंत्री, किया निरीक्षण

मखाना खेती के लिए किसानों को दिया जाएगा प्रशिक्षण: चौहान

- केंद्रीय मंत्री चौहान ने मखाना अनुसंधान केंद्र के तालाब में उतर कर किसानों के साथ डाले मखाना के बीज
- मखाना पूरे देश के साथ विश्व के लिए एक महत्वपूर्ण सुपर फूड के रूप में शामिल

केटी न्यूज/दरभंगा

बिहार में मखाना खेती को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र दरभंगा पहुंचे। जहां उन्होंने न केवल किसानों के साथ संवाद किया बल्कि स्वयं मिथिला की पारंपरिक वेशभूषा धोती-कुर्ता पहनकर मखाना की बीज बोआई भी की।

इस दौरान किसानों की समस्याओं को सुना और समाधान का भरोसा भी दिलाया। केंद्रीय मंत्री चौहान ने मखाना अनुसंधान केंद्र के तालाब में उतरकर किसानों के साथ मखाना के बीज डाले और इसकी खेती के विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली। उन्होंने किसानों से उत्पादन, लागत, मेहनत और बाजार मूल्य को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने माना कि मखाना बिहार के लिए एक महत्वपूर्ण सुपर फूड है, जिसके उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार करने के लिए मखाना बोर्ड का गठन जरूरी है।

कृषि भवन में नहीं, किसानों के बीच बन रही नीतियां : किसान पंचायत के दौरान प्रेसवार्ता में मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हम किसानों की बेहतरी के लिए योजनाएं कृषि भवन में बैठकर नहीं, बल्कि खेतों में उतरकर बना रहे हैं। मखाना किसानों के लिए बोर्ड का गठन भी इसी सोच का हिस्सा है। बिहार के किसानों के बिना उनकी तकदीर और खेती से जुड़े फैसले नहीं लिए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मखाना उत्पादन से जुड़े किसानों की हर समस्या को दूर करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे ताकि उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, तकनीक, संसाधन और बाजार मिल सके। इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विकसित किया जाएगा।

महिला किसानों ने भी रखी अपनी मांग

केंद्रीय मंत्री के साथ आयोजित किसान संवाद में कटिहार जिले से आई संतोषी कुमारी ने महिलाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मैं 20 वर्षों से महिलाओं के साथ काम कर रही हूं। अगर प्रखंड और पंचायत स्तर पर महिला किसानों को मखाना खेती का प्रशिक्षण मिले, तो इसका उत्पादन कई गुना बढ़ सकता है। इसके साथ ही बाजार मूल्य निर्धारण को लेकर भी मांग उठी, ताकि किसानों को उनकी मेहनत का सही दाम मिल सके। मंत्री ने इस पर सहमति जताते हुए कहा कि मखाना किसानों को संगठित कर उनकी आय बढ़ाने की दिशा में सरकार ठोस रणनीति पर काम कर रही है।

मखाना बोर्ड के गठन पर जल्द होगा फैसला

शिवराज सिंह चौहान ने स्पष्ट किया कि मखाना बोर्ड का गठन पूरी तरह किसानों की राय और जरूरतों के अनुसार किया जाएगा। इसमें न केवल मखाना की खेती, बल्कि इसके प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) और वैश्विक बाजार तक पहुंच बढ़ाने पर भी जोर दिया जाएगा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री के साथ बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, अतिपिछड़ा कल्याण मंत्री हरि सहनी और विधायक जीवेश मिश्रा भी मौजूद रहे। उन्होंने भी किसानों की मांगों को ध्यान से सुना और आश्वासन दिया कि मखाना को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

66 हजार शिक्षक अभ्यर्थियों को होली से पहले सीएम देंगे बड़ा गिफ्ट

पटना। बिहार में तीसरे चरण की शिक्षक बहाली से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बीपीएससी टीआरई तीन के सफल अभ्यर्थियों को होली से पहले नियुक्ति पत्र मिलने की संभावना है। खबर है कि होली से पहले पटना के गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह मे सीएम नीतीश इन शिक्षक अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग लेटर सौंप देंगे। दरअसल, तीसरे चरण की शिक्षक बहाली परीक्षा में सफल हो चुके अभ्यर्थी नियुक्ति पत्र का इंतजार कर रहे हैं। खबर आ रही है कि होली से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार टीआरई तीन में सफल हुए शिक्षक अभ्यर्थियों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण करेंगे। कहा जा रहा है कि आगामी 9 मार्च को पटना के गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें सीएम शिक्षक अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र सौपेंगे। जानकारी के मुताबिक, नियुक्ति पत्र वितरण किए जाने से पहले री काउंसलिंग और बचे रिजल्ट की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। बीपीएससी टीआरई तीन में 66 हजार से अधिक अभ्यर्थी सफल हुए हैं। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ ने बिहार के सभी जिलों के डीएम को नियुक्ति पत्र वितरण करने के लिए तैयारी शुरू करने का निर्देश जारी किया है। बता दें कि कक्षा 1 से 5वीं तक के 21911 अभ्यर्थी, कक्षा 6 से 8 के लिए 16989 अभ्यर्थी, कक्षा 9 से 10वीं के लिए 15421 अभ्यर्थी और 11वीं-12वीं के लिए 12479 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा जाएगा।

विक्रमशीला, लोकमान्य तिलक व मगध एक्स समेत कई ट्रेनें हुई रद्द, कई ट्रेनों के रूट बदले

केटी न्यूज/ पटना

प्रयागराज में महाकुंभ मेला-2025 और आने वाले महाशिवरात्रि के दौरान प्रयागराज में आने-जाने वाले तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ रेलवे स्टेशनों पर न हो इसको देखते हुए रेलवे ने 24 से 28 फरवरी तक कई नियमित तथा स्पेशल गाड़ियों को रद्द तथा मार्ग में परिवर्तन करने का निर्णय लिया है। इसमें कई प्रमुख ट्रेनों का भी नाम शामिल है। दरअसल, 12367/68 भागलपुर आनंद विहार विक्रमशिला एक्सप्रेस 22 से 27 फरवरी तक भागलपुर तथा आनंद विहार से रद्द रहेगी। 19483/84 अहमदाबाद बरौनी सुपरफ ास्ट अहमदाबाद से 22 से 26 फरवरी, वही 24 से 28 फरवरी को बरौनी से रद्द रहेगी। इसके अलावा 12141/42 लोकमान्य तिलक पाटलिपुत्र सुपरफास्ट लोकमान्य तिलक से 25 व 27 फरवरी को वही पाटलिपुत्र से 26 व 28 फरवरी को रद्द रहेगी।

12149/50 पुणे दानापुर पुणे से 25 व 26 फरवरी वही 26 व 28 फरवरी को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 20801/02 मगध एक्सप्रेस इस्लामपुर से 24 व 25 फरवरी को वही नई दिल्ली से 25 व 26 फरवरी को रद्द रहेगी। गाड़ी 22465/66 आनंद विहार मधुपुर हमसफर एक्सप्रेस आनंद विहार से 26 फरवरी वही मधुपुर से 27 फरवरी को निरस्त रहेगी। महाशिवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं के सुविधा के लिए काशी स्टेशन पर 22 से 28 फरवरी तक कई गाड़ियों के दो मिनट का अस्थाई ठहराव दिया गया है। जिसमें 15733/34 व 15743/44 फरक्का एक्सप्रेस, 12391/92 श्रमजीवी एक्सप्रेस, 13237/38 व 13239/40 पटना कोटा एक्सप्रेस और 13257/58 दानापुर आनंद विहार जनसाधारण शामिल हैं। इधर, 12506 आनंद विहार कामाख्या नॉर्थईस्ट एक्सप्रेस, 15484 दिल्ली अलीपुरद्वार सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस तथा 15657 दिल्ली कामाख्या ब्रह्मपुत्र मेल 22 से 26 फरवरी वही 15483 सिक्किम महानंदा व 12505 नॉर्थईस्ट एक्सप्रेस 25 तथा 26 फरवरी को अपने पूर्ववर्त मार्ग कानपुर प्रयागराज प दीनदयाल उपाध्याय के बजाए बदले हुए मार्ग मुरादाबाद लखनऊ बनारस प दीनदयाल उपाध्याय होकर जाएगी।

बिहार के सात वरिष्ठ आईएएस 18 दिनों के लिए जा रहे मसूरी

पटना। बिहार के सात वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ट्रेनिंग में जाएंगे। इन अधिकारियों का लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में 7 से 25 अप्रैल तक प्रशिक्षण है। सामान्य प्रशासन विभाग ने संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दी है। इसमें गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी भी शामिल हैं। सेंथिल कुमार, निर्वाचन विभाग के प्रधान सचिव एच.आर. श्रीनिवास, जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार, राज्यपाल के प्रधान सचिव रॉबर्ट एल चोंगथू और खान विभाग के प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल शामिल हैं।

वैशाली में नाव हादसा: सेल्फी लेने के चक्कर में 6 बच्चे डूबे, दो की लाश बरामद; अन्य की तलाश जारी

केटी न्यूज/वैशाली

सेल्फी लेने के चक्कर में आधा दर्जन बच्चे पोखर में डूब गये। इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। स्थानीय लोगों की मदद से दो बच्चों बाहर निकाला गया। आनन-फानन में दोनों बच्चों को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों के बीच कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना वैशाली जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के लालपुर गांधी मैदान की है। बताया जाता है कि वहां के पोखर में 6 बच्चे नाव पर चढ़कर सेल्फी ले रहे थे। तभी नाव अनियंत्रित होकर पानी में डूब गया। जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। नाव डूबने की खबर आग की तरह फैल गयी जिसके बाद वहां मौजूद लोगों ने पोखर में डूबकी लगा दी और बच्चों को बाहर निकालने की कोशिश करने लगे। दो बच्चों को किसी तरह बाहर निकाला गया और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन दोनों की इलाज के दौरान मौत हो गयी। जबकि अन्य बच्चों को निकाला नहीं जा सका। घटना की सूचना मिलते ही भगवानपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोर को पोखर में डूबे बच्चों को बाहर निकालने में लगाया। जिसके बाद बच्चों की खोजबीन जारी है। अभी गोताखोर को सफलता नहीं मिल पाई है। पोखर में डुबे प्रताप टांड़ शेरपुर निवासी गोपाल शाह के 15 वर्षीय पुत्र प्रियांशु कुमार एवं सरवन शाह के 17 वर्षीय पुत्र विकास कुमार को बाहर निकला गया लेकिन सदर अस्पताल ले जाने के बाद डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रोते-रोते बुरा हाल है। परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है।

ज्योति सिंह के काराकाट विधानसभा चुनाव-2025 में उतरने की अटकले तेज

भोजपुर स्टार पवन सिंह की तस्वीर के साथ पत्नी ज्योति सिंह ने लगाई महाकुंभ में डुबकी

केटी न्यूज/पटना

लोक सभा के चुनाव के बाद भोजपुरी सिने स्टार पवन सिंह एक बार फिर उस समय चर्चा में आये। जब पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने पवन सिंह का नाम लेते हुए भाजपा पर जोरदार हमला किया। उस मामले के चार दिन बीत जाने के बाद भोजपुरी सिने स्टार पवन सिंह एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह राजनीति नहीं बल्कि पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह खुद हैं।

पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह प्रयागराज में लगे महाकुंभ स्नान करने पहुंची। ज्योति सिंह अपने पति पवन सिंह की तस्वीर को चिपका डुबकी लगा रही है। अब यह वीडियो भी ज्योति सिंह अपने इंस्टाग्राम पेज पर अपलोड कर दी है जो कि बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने महाकुंभ स्नान का वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है, जिसमें वो अपने पति की फोटो को हाथ में पकड़े हैं और संगम में डुबकी लगा रहीं हैं। चूकी पवन सिंह उनके साथ नहीं रह रहे हैं और फिलहाल दोनों अलग हैं। इसलिए ज्योति पति के फोटो के साथ ही डुबकी लगा रही हैं। पति को लेकर उनकी इस श्रद्धा की लोगों ने तारीफ भी की है। यूजर ने कामना की है कि अगले कुंभ स्नान ये दोनों साथ में स्नान करें। ज्योति सिंह के पोस्ट पर एक यूजर ने लिखा है। इस प्यार को क्या नाम दें। वहीं एक और यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है कि पवन भैया अब तो मन जाएंगे। एक यूजर ने तो काफी बहतरीन कामना की है और लिखा है कि हे गंगा मैया इनके पति अगली बार इनके साथ स्नान करें ऐसी कृपा करें मां। ज्योति सिंह के इस पोस्ट को हजारों लोगों ने लाइक किया है।

ज्योति सिंह की हो सकती है राजनीति में एंट्री : भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह की इन दिनों राजनीति में एंट्री करने की चर्चा भी तेज है। उन्होंने कुछ दिन पहले ही कहा था कि वह चुनाव जरूर लड़ेंगी। लेकिन अभी सीट का ऐलान नहीं हुआ है। इसके बाद वो पटना में पूर्व सांसद आनंद मोहन से भी मिलीं थीं, जिसके बाद उनके राजनीति में आने की चर्चा तेज हो गई। सूत्रों के मुताबिक ज्योति सिंह जेडीयू के टिकट पर काराकाट विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकती हैं। विदित हो कि लोकसभा चुनाव के दौरान ज्योति सिंह ने पवन सिंह का जमकर प्रचार किया था।

पीएम आवास योजना का नहीं मिल रहा लाभः आधे दर्जन गरीब परिवार प्लास्टिक की चादर में रहने को मजबूर

आवास सर्वे कर्मचारी गरीब और आवासहीन परिवारों को खोजने में अक्षम, प्रशासन बेफिक्र

केशव टाइम्स विशेष अभियान

♦ बोले जरूरतमंद... सरकार केवल नाम के लिए गरीबों की योजना बनाती है, जो उन तक नहीं पहुंचती

केटी न्यूज/केसठ

केंद्र व राज्य सरकार गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएं ला रही है। ताकि गरीब परिवारों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के साथ उन्हें शिक्षित किया जा सके। वहीं, स्थानीय अधिकारी इन योजनाओं पर कुंडली मारे बैठे है। जिससे गरीबों तक योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसी ही एक योजना प्रधानमंत्री आवास योजना है। जिसके के तहत आवास विहीन लाभुकों का चयन किया जाता है, जिनको रहने का छत नहीं है। लेकिन, ये योजना कितने गरीब लोगों को मिल रही है जब इसकी पड़ताल केवश टाइम्स ने की तो मामला पूरा साफ हो गया।

बताते चलें कि अभी प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभुकों का नाम जोड़ने के लिए सर्वेक्षण का कार्य चल रहा है। जिसके लिए एक टीम का गठन किया गया है। इस टीम के द्वारा प्रत्येक पंचायत के प्रत्येक गांव के गलियों में घूम-घूम कर वैसे गरीब परिवार का चिन्हित करना है जिनको रहने का घर नहीं है। केसठ प्रखंड के डिहरा गांव का जब केशव टाइम्स की टीमये जाने के लिए पहुंची कि गांवों में इस योजना का लाभ कितने गरीब परिवार को मिल रहा है, तो कई चौकाने वाली बाते सामने आई।

जब टीम गांव के वार्ड 14 में पहुंची को पूरा मामला हैरानी करने वाला सामने आया। उक्त वार्ड के मोहल्ले में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ गरीबों तक नहीं पहुंच पा रहा है। यहां लगभग आधा दर्जन से अधिक परिवार प्लास्टिक की चादर के नीचे जीवन बिताने को मजबूर हैं।

परिवार में कमाने वाला कोई नहीं है : इसी कड़ी में उक्त वार्ड में ही एक ऐसे गरीब परिवार मिला जिसकी स्थिति नरकीय है। जिसमें कमाने वाला कोई नहीं है। परिवार की महिला इंदु देवी ने बताया कि उनके पति की मौत करीब दो साल पहले हो गई थी। जिसके बाद उनका पूरा बिखर गया। इंदु देवी पीएम आवास योजना से वंचित है। उनके पास घर तो है लेकिन बारिश के दिनों में छत से पानी टपकता है। वहीं गर्मी के दिनों में घर के छत के चादर गर्म हो कर तपता है। जैसे तैसे वो एक बेटे और एक बेटी के साथ जीवन गुजर रही है। इनका कहना है कि सरकार केवल नाम के लिए ही गरीबों कीा योजना बनाती है, लेकिन ये गरीबों तक नहीं पहुंच रही है।

दो वर्ष पहले ही पति की हो गई मृत्यु

वहीं, इंदु देवी की सास सीमा देवी ने बताया कि मेरे पुत्र गोविंद शाह की दो वर्ष पहले ही मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद पूरा घर अनाथ हो गया। घर की दो वक्त की रोटी के लिए मजदूरी का काम करते हैं। जब केशव टाइम्स की टीम ने उनके घर का जायजा लिया तो घर मिट्टी और ईंट की बनी हुई थी या नहीं पूरी तरह पूरा मकान कच्चा था। पूरी तरह अगर देखा जाए तो प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए यह परिवार पात्र है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि उनके पास प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे कर्मी अभी तक आवास में नाम जोड़ने के लिए नहीं पहुंचे। इंदु देवी का कहना है कि मुझे किसी भी सरकारी योजनाओं का लाभ अभी तक नहीं मिल सका।

पक्का मकान बनवाने की नहीं है क्षमता

दूसरी ओर, कुछ स्थानीय महिलाओं ने बताया कि आवास योजना के लिए कई बार आवेदन किया है, लेकिन अब तक किसी को भी योजना का लाभ नहीं मिला। मजदूरी से जीवन चलाने वाले इन परिवारों के पास पक्का मकान बनवाने की क्षमता नहीं है। घर न होने से उनके बच्चों की शादी में भी परेशानियां आ रही हैं। स्वच्छता की स्थिति भी चिंताजनक है। महिलाओं का कहना है कि नालियों की सफाई उन्हें खुद करनी पड़ती है। सफाई कर्मचारी कभी नहीं आते हैं। इससे आसपास गंदगी का माहौल बना रहता है। इंदु देवी का कहना है कि प्रखंड के अधिकारियों के पास आलीशान हवेली है। लेकिन गरीब ग्रामीण सरकारी योजनाओं से वंचित हैं।

उन्होंने कहा कि पति की मौत के बाद जैसे तैसे अपना जीवन चलाती है वही उनके पास इतनी क्षमता नहीं है कि पक्के मकान बना सके।

पात्र लाभुकों को खोजने में विफल है आवास सर्वे कर्मीः इस पूरे मामले को देखते हुए पूरा साफ हो गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे में लगे कर्मियों की टीम पात्र लाभुकों को खोजने में विफल है। वहीं अधिकारी अपने में मस्त है। अगर गहनता से जांच की जाए तो इस गांव में दर्जनों से अधिक वैसे गरीब परिवार मिलेंगे जो इस योजना के पात्र है लेकिन सर्वे कर्मी द्वारा उन्हें नजर अंदाज कर अपात्र लोगों का सर्वे कर रहे है। हालांकि, वार्ड 14 के वार्ड सदस्य बीरबल यादव ने बताया कि उक्त महिला के पास उनके पति का मनरेगा जॉब कार्ड। महिला का जॉब कार्ड बनवाने के लिए आवेदन दिया गया है, जॉब कार्ड बन जाने के बाद उक्त परिवार का आवास सर्वे में नाम जुट जाएगा। अब देखना है कि क्या इन गरीब परिवारों की आवाज प्रखंड के सक्षम अधिकारियों तक पहुंचती है या नहीं।

अभी तक कितने लोगों को किया गया चिन्हित : प्रखंड में चल से पीएम आवास सर्वे में अभी तक प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में 588 लोगों को चिन्हित किया गया है। जिसमें केसठ में कुल 159, रामपुर में कुल 154 वही कतिकनार में सबसे अधिक 275 लोगों को चिन्हित किया गया है। हैरानी की बात ये है कि जिस पंचायत में प्रखंड के अन्य पंचायतों में से अधिक लोगों को चिन्हित किया गया उसी पंचायत के कुछ गांवों में कुछ लोग पात्र होने के बावजूद भी चिन्हित नहीं किया गया है। सूत्रों के माने तो अगर गहनता से प्रखंड के कुल चिन्हित लोगों का जांच की जाए तो आधे से अधिक लोग अपात्र मिलेंगे।

एक नजर

पुलिस सप्ताह के दूसरे दिन रक्तदान शिविर का आयोजन, 15 ने किया रक्तदान

बक्सर। पुलिस सप्ताह के दूसरे दिन एसपी शुभम आर्य की अध्यक्षता में पुलिस केंद्र बक्सर एवं अनुमंडल अस्पताल डुमरांव में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस केंद्र में रक्तदान शिविर का उद्घाटन पुलिस लाइन के मेजर विमल कुमार, हेडक्वार्टर डीएसपी पंकज सिंह और रेडक्रॉस सचिव डॉ. श्रवण कुमार तिवारी के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। बक्सर पुलिस केंद्र में आयोजित रक्तदान शिविर में कुल आठ पुलिस कर्मी वअनुमंडल अस्पताल में कुल 7 लोगों के द्वारा रक्तदान किया गया। यह आयोजन बिहार सरकार के पुलिस विभाग द्वारा आम जनमानस एवं पुलिस की मैत्री व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यह आयोजन किया गया था। रेडक्रॉस सचिव डॉक्टर श्रवण कुमार तिवारी के द्वारा इस आयोजन के लिए पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य को धन्यवाद ज्ञापित किया। वही, रक्तदान करने वाले पुलिस पदाधिकारी और पुलिस जवानों को हौसला बढ़ाया गया। रक्तदान करने वाले में मुकेश कुमार, प्रकाश कुमार, विनोद कुमार सिंह, निशांत कुमार राज, मीरा कुमारी, अजय राय, सुभाष कुमार, दीपक कुमार, प्रिंस कुमार, रणधीर कुमार, अनिल कुमार और अमित कुमार इत्यादि लोगों ने रक्तदान किया।

प्रीति पटेल बक्सर महिला जदयू की चौथी बार जिलाध्यक्ष मनोनीत, जताया आभार

डुमरांव। डुमरांव विधानसभा की चर्चित महिला नेत्री प्रीति पटेल को जदयू महिला प्रकोष्ठ का चौथी बार जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। बिहार जदयू महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष डॉ भारती मेहता ने पटना स्थित पार्टी कार्यालय में उनको मनोनयन पत्र देते हुए कहा कि आपके अनुभव व पार्टी के प्रति निष्ठा को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। संगठन को मजबूत, धारदार एवं गतिशील बनाने में आपकी भूमिका बेहद सक्रिय रहती है। वहीं प्रीति पटेल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार,

प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने महिलाओं के उत्थान व सशक्तिकरण के लिए अद्वितीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं घर के बाहर कदम नहीं रखती थी वह आज घर की दहलीज को पार समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्ती भूमिका निभाने लगी। पहले घर में बेटा पैदा होने पर ही खुशी मनायी जाती थी और लड़की पैदा होने पर घर-समाज के लोग कहते थे विपति आ गयी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस संकीर्ण सोच को बदलने का काम किया। सीएम ने लड़की के जन्म से लेकर स्नातक शिक्षा तक आर्थिक मदद और निःशुल्क शिक्षा देने का प्रावधान किया। उसी का परिणाम है कि आज लड़कियां हर क्षेत्र में परचम लहरा रही है और लड़कों से कदमताल कर समाज में मजबूती से आगे बढ़ रही है। अब लड़की परिवार की बोझ नहीं शान है। इस दौरान महिला प्रकोष्ठ की सोनी देवी, कंचन देवी, कुसुम देवी, धर्मशीला देवी, इंदु, नीलम, पूनम, मीना, प्रियंका आदि ने उन्हें बधाई दी है।

बड़ी कार्रवाई : निलंबित किए गए पांच प्रभारी प्रधानाध्यापक

केटी न्यूज/बक्सर

शिक्षा विभाग ने एक साथ जिले के पांच विद्यालयों के प्रभारी प्रधानाध्यापकों को निलंबित कर दिया है। विभाग की इस कार्रवाई से शिक्षकों में हड़कंप मच गया है। यह कारवाई डीईओ अमरेन्द्र कुमार पांडेय के निर्देश पर स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय के द्वारा की गई है। उन्होंने इस संबंध में पत्र जारी कर दिया है।

जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई शिक्षकों से शिकायत व औचक निरीक्षण के दौरान पायी गई अनियमितता को लेकर स्पष्टीकरण पूछने के बाद की गई है। जिन प्रभारी प्रधानाध्यापकों को निलंबित किया गया है उनमें ब्रह्मपुर प्रखंड के मध्य

प्रतिकात्मक तस्वीर

विद्यालय पुरवा के दो प्रभारी प्रधानाध्यापक मो. शमीम व हरेन्द्र प्रसाद, इटाढ़ी प्रखंड के मध्य विद्यालय लोहंदी के प्रभारी प्रधानाध्यापक राजकुमार राम, चौगाईं प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय दंगौली के नित्यानंद सिंह व चक्की प्रखंड के चंदा पंचायत के प्राथमिक विद्यालय परसिया की पंचायत शिक्षिका सह प्रभारी प्रधानाध्यापक देवान्ति तिवारी शामिल है। सभी शिक्षकों को निलंबन अवधि में जीवन निर्वहन भत्ता दिया जाएगा। वहीं, अनुशासनिक कार्रवाई के लिए जांच प्रक्रिया जारी रहेगी।

शिक्षा विभाग की इस कार्रवाई से शिक्षकों में हड़कंप मच गया है। बताया जाता है कि सभी प्रधान शिक्षकों पर वरीय अधिकारियों के निरीक्षण में कमी पाए जाने, मेनू के हिसाब से मध्याह्न योजना का संचालन नहीं करने सहित कई अन्य आरोप लगे है। वहीं, निलंबन से पूर्व उनसे स्पष्टीकरण भी पूछा गया था, जिसका संतोषजनक जवाब नहीं मिला था। जिसके बाद विभाग द्वारा निलंबन की कार्रवाई की गई है।

सिकठी पैक्स का चुनाव प्रचार थमा, कड़ी सुरक्षा के बीच मंगलवार को होगा मतदान

राजपुर। सिकठी पैक्स के लिए मंगलवार को मतदान कराया जाएगा। रविवार को इस पैक्स के लिए चुनाव प्रचार का दौर थम गया है। अंतिम दिन दोनों प्रत्याशी मतदाताओं को गोलबंद करने के लिए पूरी ताकत झोंक दिए थे।

प्रत्याशियों द्वारा घर-घर मिलने का अभियान तेज कर दिया गया। अंतिम दिन प्रत्याशियों के द्वारा अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ जमकर नारेबाजी करते हुए घर घर तक पहुंच कर अपने पक्ष में वोट मांगने का काम किया गया। समर्थकों द्वारा मतदाताओं को अपने-अपने पक्ष में मतदान करने के लिए मतपत्रों के नमूनों के साथ समझाने का भी काम किया गया. इस चुनावी शोरगुल में सिकठी पंचायत पर नजर डालें तो इस पंचायत में दो प्रत्याशी अध्यक्ष पद के लिए चुनावी मैदान में है। पहले से पैठ जमाये पैक्स अध्यक्ष अपनी सीट बरकरार रखने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। इनके विपक्ष में खड़े राजीव रंजन सिंह अपने समर्थकों के साथ सभी मतदाताओं के यहां पहुंचकर अपने पक्ष में मतदान कर जीत हासिल करने की अपील की।

स्टेशन मार्ग सहित प्रखंड के दस सड़कों की मरम्मती की मिली मंजूरी

केटी न्यूज/चौसा

जिले के चौसा-बक्सर मार्ग पर बजरंग मोड़ से स्टेशन रोड जाने वाली बदरंग सड़क की सूरत बहुत जल्द सुधरने वाली है। इस मार्ग समेत प्रखंड के विभिन्न गांव में जाने वाली दस सड़कों की मरम्मती करने की मंजूरी मिल गई है। जिसका बहुत जल्द काया-कल्प बदल जायेगा।

बता दें कि विगत कई वर्षों से चौसा स्टेशन मार्ग की हालत खस्ता होने से सड़क पर छोटे-तिपहिया वाहन पलट जाते थे।हालांकि, स्थिति दयनीय पर नगर पंचायत द्वारा गड्ढों की भराई कराई गई थी। मगर, वह नाकाफी थी। इसके लिए ग्रामीण व गांव के नेताद्वय द्वारा आवाज उठाई गई। ग्रामीण पथ विभाग को आवेदन दिए गए। जिनकी आवाज राज्य तक पहुंच गई। जहा जिले के 293 ग्रामीण सड़कों को सुधारने के लिए 506.37437 करोड़ रुपये मंजूरी दी गई। जिसमें चौसा की दस सड़कों को सुदृढ करने की भी मंजूरी शामिल है। ये कार्य मुख्यमंत्री ग्रामीण उन्नयन योजना के तहत ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण योजना से किया जाएगा।

जिसमें मुख्य सड़क बारा मोड़ से शेरशाह गढ़ तक, एनएच 30 डिहरी उच्च विद्यालय से दुगार्मंदिर तक, चौसा बक्सर मार्ग स्थित बजरंग मोड़ से चौसा स्टेशन तक, एनएच 30 पर रामपुर से बालिका मध्य विद्यालय तक, पवनी में पीपल से पवनी कुम्हार टोली तक, बक्सर-चौसा मार्ग कठघरवा तक, चौसा स्टेशन मार्ग से न्यायीपुर हरिजन टोला तक, ईशापुर कामख्या पथ से सोनपा हरिजन टोला तक, चुन्नी कमरपुर रोड से महुवारी गांव तक व चौसा मोहनिया पथ से बनारपुर हरिजन टोला तक सड़कों का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा।

टुड़ीगंज में दो आभूषण दुकानों में लाखों की चोरी, प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के टुड़ीगंज स्टेशन रोड स्थित दो आभूषण दुकानों में चोरों ने एक ही रात चोरी कर जहां पुलिस को चुनौती दी है वहीं, व्यवसायियों व दुकानदारों में दहशत पैदा कर दिया है। इस दौरान चोरों ने दोनों दुकानों से लाखों रूपए मूल्य के सोने व चांदी के आभूषण के साथ नगदी चुरा लिए है। पीड़ित दुकानदारों ने अज्ञात चोरों के खिलाफ कृष्णाब्रह्म थाने में एफआईआर दर्ज कराया है।

मिली जानकारी के अनुसार टुड़ीगंज बाजार में स्थानीय थाना क्षेत्र के सोवां गांव निवासी प्रफ्फुल कुमार वर्मा तथा भोजपुर जिले के पीरो निवासी मोनू वर्मा आभूषण की दुकान चलाते है। शुक्रवार की रात दोनों आभूषण विक्रेता अपनी दुकान बंद कर घर चले गए थे। इस दौरान रात में चोरों ने दोनों दुकानों का ताला तोड़ उसमें रखे सोने चांदी के आभूषण के अलावे प्रफ्फूल की दुकान से नगद 20 हजार रूपए तथा मोनू की दुकान से 13 हजार 800 रूपए की चोरी कर ली। सुबह में जब आस पास के लोगों ने दुकान का ताला टूटा देखा तो उन्हें चोरी की बात समझ में आई। इसके बाद दुकानदारों को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दोनों आभूषण व्यवसायी दुकान पर पहुंचे तथा पुलिस को सूचना दी। पुलिस तत्काल मामले की पड़ताल में जुट गई है।

घटना के संबंध में कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दुकानदारों के बयान पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल अपराधियों की शिनाख्त की जा रही है। उन्हें जल्दी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रामरेखा घाट, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित कई सार्वजनिक जगहों की हुई सफाई

सद्गुरू बाबा हरदेव सिंह के जन्मदिन के अवसर पर सेवादारों ने चलाया वृहद् सफाई अभियान

केटी न्यूज/बक्सर

शनिवार को निरंकारी मिशन के चौथे सद्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के जन्मदिवस पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरे भारत में सफाई अभियान चलाया गया। इसके तहत मिशन के 150 से ऊपर सेवादारों ने रामरेखा घाट की सफाई किया। इसके पूर्व सदर अस्पताल रेलवे स्टेशन बस स्टैंड इत्यादि जगहों की साफ सफाई की गई। सफाई अभियान सुबह सात से 10 बजे तक चलाया गया।

बताते चलें कि छात्रशक्ति द्वारा भी हर रविवार को रामरेखा घाट पर तीन घंटे का श्रमदान पिछले 11 साल से लगातार किया जाता रहा है। जिसकी पूरे जिले में चर्चा रहती है।

वहीं, इस रविवार को सद्गुरू बाबा हरदेव के जन्मदिन पर भी सेवादारों तथा छात्रशक्ति द्वारा संयुक्त रूप से यह अभियान चलाया गया। इस दौरान रामरेखा घाट के किनारे गंगा तट पर बिखरे कूड़ा, कचरा व प्लास्टिक को चुन उसे गंगा से दूर किया गया।

बताया जाता है कि संत निरंकारी मिशन समाज में स्वच्छता का संदेश देने का कार्य करने वाली अखिल भारतीय संस्था है। जो जल संरक्षण के लिए विशेष कार्य कर रही है। इस क्रम में आज उनके द्वारा देश भर में जलस्श्रोतों तथा सार्वजनिक स्थलों की सफाई किया जा रहा है। इस क्रम में बक्सर में रामरेखा घाट पर 3 घंटे का श्रमदान करके घाट की स्वच्छता किया गया। इस अवसर पर उपस्थित बक्सर ब्रांच की मुख्य आरती केशरी, सेवादल इंचार्ज राधेश्याम चौधरी, महिला सेवादल इंचार्ज रीना, अजय वर्मा, सुजय सिंह, अमरेंद्र साह, आशुतोष राम, श्यामसुंदर, रणधीर सिंह राठौड़, दीपक केशरी, महाराज, मुन्ना, सोनी सिंह, सतेंद्र, विष्णु, चंदा, सुनीता, मीना, संजय, जदयू जिलाध्यक्ष अशोक कुमार यादव, प्रखंड अध्यक्ष अतिपिछड़ा विष्णु प्रजापति, छात्रशक्ति के आकाशदीप, ओमप्रकाश सिंह, रोहित मिश्रा, आशु राय, भास्कर सिंह, सोनू केशरी, महावीर गुप्ता समेत कई अन्य श्रद्धालु व कार्यकर्ताओं ने श्रमदान किया।

भोलेनाथ का पुष्प उत्सव मनाने के साथ भक्तों ने माता गौरी को लगाई मेहंदी

केटी न्यूज/बक्सर

रामरेखा घाट स्थित रामेश्वरनाथ मंदिर में महाशिवरात्री को लेकर शिव विवाह महोत्सव का आयोजन मंदिर की पूजा समिति के द्वारा किया जा रहा है। जिसके तहत पहले दिन हल्दी और मटकोड़ की परंपरा शिव-पार्वती के युगल जोड़ी की मनाई गई।

वहीं, रविवार को दूसरे भगवान भोलेनाथ के साथ भक्तों ने भस्म की होली खेली। इस क्रम में मंदिर परिसर में अल सुबह पांच परंपरारिक भस्म के चढ़ावे के साथ भगवान रामेश्वरनाथ पूजा अर्चना किया गया। जिसमें नगर के विभिन्न हिस्से से

भक्तों ने हिस्सा लिया। इस दौरान सभी ने साथ मिलकर भस्म की होली खेली। वहीं दोपहर में माता गौरी का श्रृंगार महिलाओं ने किया। इस दौरान मंदिर परिसर को साफ सफाई के साथ सजाया गया। माता के स्थान को फूलों से सुसज्जित किया गया। वहीं, माता को नये वस्त्रों के साथ विभिन्न प्रकार के आभूषणों और फूलों से सजाया गया। जिसमें शहर की महिलाओं ने हिस्सा लेकर परांपरिक गीतों से मंदिर को गौरवान्वित किया।

बताया जाता है कि सोमवार को भोलेनाथ का पुष्प उत्सव मनाने के साथ साथ माता गौरी की मेंहदी का कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वहीं, इस बार महाशिव रात्रि के अवसर पर बक्सर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस दौरान जय भोले नाथ ग्रुप के उमा शंकर गुप्ता, अरविंद वर्मा उर्फ बिंदा जी, ईश्वर चंद्र सोनी, रौशन वर्मा, सुजीत कुमार वर्मा, अभिषेक कुमार वर्मा, संजू जायसवाल, पप्पू शर्मा, गुड्डू जायसवाल, राकेश कुमार वर्मा समेत सैकड़ों श्रद्धालु शामिल रहे।

एक नजर

चौसठी मठ के महंत श्री प्रकाश जी महाराज का महायज्ञ में हुआ आगमन

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर तुलसी स्थान पर नवनिर्मित मंदिर प्रांगण में रविवार को महाकालेश्वर का जलाधिवास हुआ। 24 फरवरी को महाकालेश्वर का अनाधिवास पुष्पाधिवास फलाधिवास एवं नगर भ्रमण होगा। महाकालेश्वर प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के तीसरे दिन आज चौषठी मठ के मठाधीश श्री प्रकाश जी महाराज का आगमन हुआ। महाराज जी स्वागत श्रद्धालु भक्तों द्वारा पुष्प वर्षा कर की गई। महाराज जी के द्वारा कल शिवपुराण कथा सुनाई जायेगी। यज्ञाधीश राजू जी महाराज (बालक बाबा) ने आज शिवपुराण कथा के दौरान लिंगाष्टक और शिवशक्ति त्याग प्रसंग का उल्लेख किया गया जिसमें शिवजी ने सती का त्याग किया था क्योंकि उनको अपने अपने पति पर विश्वास नहीं था। गृहस्थ आश्रम में भी पति पत्नी पर परस्पर विश्वास होना चाहिए। वहीं प्रसिद्ध कथावाचक चिंताहरण महाराज के पुत्र और कथावाचक शिवजी उपाध्याय के द्वारा शिवविवाह प्रसंग सुनाया गया। यज्ञशाला परिक्रमा के लिए आज श्रद्धालु पुरुष महिलाओं का तांता लगा रहा। वहीं बच्चे और युवा मेले ओर झूले का खूब आनंद ले रहे है। तुलसी आश्रम का माहौल भक्तिमय बना हुआ है।

लोगों ने रोकी योजना, मजूदरों को भी भगाया

डुमरांव। नगर परिषद क्षेत्र के लगभग सभी वार्डों में नाली, गली और पीसीसी रोड बनाने का काम लगा हुआ है। कार्यों में गुणवत्ता की काफी कमी रह रही है। नगरवासियों को इस बात का पता नहीं चलता है कि जिस योजना पर काम चल रहा है, उसकी प्रक्कलन राशि क्या है। क्योंकि किसी भी योजना पर प्राक्कलन का बोर्ड नहीं लगा हुआ है। यही कारण है कि आए दिन साइट पर काम कर रहे मजदूरों व काम करा रहे संवेदक के लोगों को मोहल्लेवासियों का कोपभाजन बनना पड़ रहा है। रविवार को वार्ड 21 के वंशराज की गली में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। पीसीसी रोड बनाने के लिये पहले मिट्टी की भराई की गई थी। भरी गई मिट्टी को दबाया नहीं गया था और उसी के उपर ईंट सोलिंग कर दिया गया था। ईंट सोलिंग के पास जब मोहल्ले के लोग आना-जाना शुरू किये तो धंसने लगा, लिहाजा कई जगह गड्ढा बन गया। रविवार को जैसे ही मजदूर सुबह काम करने पहुंचे मोहल्ले के लोगों ने काम बंद करा दिया। फिर जदयू के नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता को लोगों ने बुलाया। उन्होंने भी भी सोलिंग के लिये भरेट ईंट बिछाए जाने पर आपत्ति जतायी, फिर काम करने वाले से पूछा तो उनलोगों ने बताया की हमलोगों को पीसीसी ढलाई के लिये भेजा गया है, इसके अलावे हमलोग कुछ नहीं जानते हैं। फिर ईओ को फोन कर सारी जानकारी दी गई, तो उन्होंने एक स्टाफ मंजर हुसैन को वहां भेजा। स्टाफ ने भी काम सही नहीं देखते हुए ईओ से बात किया, फिर ईओ ने काम बंद करने का आदेश दिया। स्थानीय लोगों में मनोज तिवारी, अनिल शर्मा, पांडेयजी सहित अन्य लोगों का कहना था कि जबतक प्राक्कलन का बोर्ड नहीं लगेगा और उसी के अनुसार काम नहीं होगा तो करने नहीं दिया जाएगा। इसके लिये उच्च अधिकारियों से शिकायत की जाएगी। जदयू नगर अध्यक्ष ने कहा कि हमारे नेता नीतीश कुमार सहर को सुंदर बनाने का कार्य कर रहे है और अधिकारी कमीशन के फेरे में गलत काम कर रहे हैं।

डुमरांव नगर के राजगोला रोड से चौक तक तथा स्टेशन रोड में सड़क किनारे सजती हैं दुकानें

सुपर मॉल साबित हो रहा डुमरांव का फुटपाथी बाजार, पूरे दिन खरीदारों से रहता हैं गुलजार

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव जैसे कस्बाई इलाकें में ग्राहकों को बड़े शहरों की तरह सुपर मॉल की सुविधा तो नहीं मिलती है, लेकिन शहर की सड़कों के किनारे सजने वाली फुटपाथी दुकानें उनके लिए सुपर मॉल साबित हो रही है। जहां, पूरे दिन खरीदाररों का जमावड़ा लगा रहता है। फुटपाथी दुकानदार भी अपने ग्राहकों को खास तरीके से आकर्षित करते है।

शहर की मुख्य मंडी राज गोला रोड, स्टेशन रोड और चौक रोड व चौक बाजार की फुटपाथ पर हर तरह की दुकानें सजती हैं, खास यह कि इन इन दुकानों पर सामानों की खरीदारी के लिए सुबह से ही गुलजार हो जाता है। जहां अलग अलग तरह की चीजें खरीदने वालों का तांता पूरे दिन लगा रहता है।

विक्रेता व खरीददार दोनों को मिलता है लाभ : फुटपाथी दुकानों में जहां सस्ते दर पर सामान खरीद ग्राहक बड़ी दुकानों द्वारा किए जाने वाले आर्थिक शोषण से बचते है, उन्हें कम दाम में मनचाहा सामान मिल जाता है, वहीं दुकानदारों को भी कम दाम में सामान बेंच कुछ फायदा मिल जाता है। जिससे यहां ग्राहक व दुकानदार दोनों फायदे में रहते है। जानकारों का कहना है कि डुमरांव की फुटपाथी दुकानों पर 400 में जींस-शर्ट, टीशर्ट और 300 रुपये में ट्राउजर, चार से पांच सौ में कुर्ता पजामा आदि आसानी से मिल जाता है। इसके अलावे जूता, चप्पल, श्रृंगार के सामान, तेल, परफ्यूम आदि भी बड़ी दुकानों की अपेक्षा सस्ते दाम पर मिलता है, जो सामान्य ब्रांड में भी इतनी कम कीमत में कपड़े नहीं मिलते। दुकानदार राहुल, विवेक और सलीम ने बताया कि एक ओर जहां गर्मी बढ़ रही हैं तो दूसरी ओर शादी-विवाह का भी मौसम हैं। जिस वजह से अच्छी-खासी बिक्री हो जाती हैं। दिल्ली और कोलकात्ता से रेडीमेड कपड़े और दिल्ली से जिंस, टीशर्ट, इलेक्ट्रानिक व कास्मेटिक सामानों की खरदीददारी की जाती हैं। जो ग्राहकों को काफी पसंद आ रहे हैं।

जिल्लत भरी जिंदगी जीने को मजबूर होते है फुटपाथी : एक तरफ डुमरांव का फुटपाथी दुकान जहां गरीबों के लिए वरदान साबित होता है तो दूसरी तरफ यहां हर दिन दुकान सजाने वालों को जिल्लत भरी जिंदगी जीने पर मजबूर होना पड़ता है। आए दिन उन्हें कभी वाहन चालकों तो कभी आम यात्रियों से फजीहत झेलनी पड़ती है तो कभी स्थायी दुकानदारों का कोप भाजन बनना पड़ता है। वहीं, समय समय पर नगर परिषद प्रशासन भी उन्हें सड़क से बेदखल कर देती है। हालांकि, नगर परिषद द्वारा अबतक शहर में वेंडिंग जोन का निर्माण नहीं कराया गया है। जिस कारण फुटपाथी दुकानदारों के लिए भी सड़क किनारे अपनी दुकानें लगाने की मजबूरी बनी है। फुटपाथी दुकानदारों का कहना है कि अगर नगर परिषद उन्हें वेंडिंग जोन बनाकर दे तो उन्हें रोजगार के साथ सम्मान भी मिलेगा। वहीं, यह वेंडिंग जोन शहर की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करेगी।

फुटपाथ पर सजती है सैकडों अस्थायी दुकानें

डुमरांव का फुटपाथी बाजार गरीबों के लिए सुपर मॉल की तरह हैं। फुटपाथ के जगहों पर फोल्डिंग, खाट और चौकी पर सजा कर रखे सामान, हेंगरो पर लटके कपड़े और अन्य सामग्री ग्राहकों को आकर्षित करते हैं। यह व्यवसाय करने वाले फुटपाथी माइकों के सहारे हरेक माल की आवाज लगाते हैं। यहां दुकान लगाने वाले कुछ ऐसे दुकानदार हैं, जो दूसरे शहरों के रहने वाले है तथा महानगरों से अलग-अलग सामानों की बड़ी मात्रा में खरीदारी कर फुटपाथ पर दुकान लगा उसे सस्ते दाम पर बिक्री करते हैं। ग्राहक भी ऐसे हैं जो महंगाई के कारण बड़े दुकानों और मॉल का रुख नहीं कर पाते और अपनी जरूरतों को फुटपाथों से खरीदारी कर पूरी करते है। फुटपाथी बाजार ऐसा हैं कि लोगों की हर जरूरतें पूरी हो जाती है। उलेन व ब्रांडेड कपड़े, जूते-चप्पल, खिलौना, कांच के कप-प्लेट, मोबाइल कवर, रेडीमेड कपड़े, घड़ी, श्रृंगार सामान, ट्रॉली-बैग, फल-फूल सब्जियों के साथ-साथ चाट-पकौड़े की भी दुकानें हैं। फुटपाथी दुकानदार लक्ष्मण प्रसाद, विकास कुमार ने बताया कि शहर ही नहीं बल्कि आसपास के गांवों से भी लोग खरीदारी करने पहुंचते हैं। उन्हें सस्ते दामों पर हर सामान मिल जाता हैं।

शराब की खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार

डुमरांव। नया भोजपुर थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर काली मंदिर के पास से गुप्त सूचना पर एक तस्कर को शराब की खेप के साथ गिरफ्तार किया है। उसके पास से एट पीएम ब्रांड की 76 पीस फूटी पैक शराब बरामद हुई है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान नया भोजपुर के चंदन कुमार के रूप में हुई है। नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने इस संबंध में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक शराब की खेप लेकर आ रहा है। इस सूचना पर काली मंदिर के पास पुलिस की एक टीम को तैनात किया गया। इस दौरान वह आते दिखाई पड़ा, पुलिस टीम ने उसे रोक जब तलाशी तो उसके पास से 76 पीस फूटी पैक शराब बरामद हुआ। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि उसके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

सदर अस्पताल में आईसीयू सेवा शुरू होने पर राज हाई स्कूल में मनाई गई खुशी

केटी न्यूज/डुमरांव

बक्सर सदर अस्पताल में आईसीयू खोलने के लिये डुमरांव में धरना-प्रदर्शन शुरू किया गया था। धरना की अगुआयी नंदन गांव निवासी हरेकृण यादव ने किया था। इस धरने को करने की अनुमति प्रखंड, अनुमंडल, पीएचसी में नहीं मिली। फिर इस धरने को नंदन गांव से शुरू किया गया था। धरने में गांव से लेकर शहर तक के लोगों ने साथ दिया। कुछ दिनों के बाद धरने को एसडीओ द्वारा आश्वासन के बाद तोड़ा गया। मिली उसी कामयाबी की खुशी में राज हाईस्कूल के खेल मैदान में चालू होने का उत्सव सह होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान मीडियाकर्मियों को भी सम्मानित किया गया।

बक्सर में आईसीयू सेवा शुरू करने के लिये सारे संसाधन मौजूद थे, केवल उसे चालू करना था। इधर मरीजों को आईसीयू व्यवस्था नहीं होने से रेफर कर दिया जाता था। ऐसे में मरीजों को निजी क्लीनिकों का सहारा लेना पड़ता था, जिससे उन्हें परेशानी के साथ ही काफी पैसा खर्च करना पड़ जाता था। गरीब परिवार की परेशानी बढ़ जाती थी। आईसीयू सेवा शुरू करने में हो रहे विलंब को लेकर धरना दिया गया था, जिसमें इन्हें कामयाबी मिली और आईसीयू सेवा शुरू हो गई। मौके पर बिपिन बिहारी सिंह, राजकुमार कुंवर, राम यत्न यादव, जिला परिषद सदस्य केदार यादव, ललन यादव, हरेन्द्र यादव, लाली यादव, रमेश रंजन, धर्मेन्द्र यादव, हवलदार यादव, अवधेश यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बिस्मिल्लाह खां संगीत एकेडमी में मनाई गई तानसेन जयंती सह होली मिलन समारोह

डुमरांव में कला संस्कृति की जड़े मजबूत करना हमारा पहला उदेश्यः डॉ. बीएल प्रवीण

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के हरि जी हाता स्थित बिस्मिल्लाह खां संगीत एकेडमी में रविवार को तानसेन जयन्ती सह होली मिलन समारोह धूम धाम से मनाया गया। एकेडमी के संचालक डॉ. बी एल प्रवीण ने सर्वप्रथम आरा और बक्सर से आए संगीत कलाकारों का स्वागत कर इस कार्यक्रम की शुरूआत की।

वहीं, अतिथियों का स्वागत एकेडमी के होनहार छात्र शौर्य कुमार ने शास्त्रीय गायन सुना कर किया। आरा से आए सिद्धहस्त तबला वादक बच्चा सिंह ने डुमरांव के हारमोनियम वादक के साथ बेहतरीन संगत बनाते हुए देर तक जो समां बांधा उसे देख कर एकेडमी के उद्घाटन कर्ता व उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के कनिष्ठ पुत्र उस्ताद नाजिम हुसैन की याद आ

गई। तारीफ में पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

एकेडमी की छात्रा ज्योति कुमारी ने ह्लपनिया लाले लाल, ए गउरा हमरो के चाही... होली गीत सुनाया जिस पर जम कर तालियां बजीं और वातावरण होली मय हो गया। बक्सर से आए शिक्षक कमलेश पांडेय ने कार्यक्रम का संचालन किया।

वहीं, एकेडमी के संचालक डॉ. बीएल प्रवीण के ने कहा कि डुमरांव में साहित्य, संगीत व संस्कृति को बचाए रखने के उदेश्य से इस एकेडमी का सांचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डुमरांव की धरती ने विस्मिल्लाह खां जैसे रत्न को पैदा किया है। यहां की धरती काफी उजार्वान है। हमें गर्व है कि हम डुमरांव में पैदा हुए है। उन्होंने कहा कि डुमरांव में कला संस्कृति की जड़े मजबूत करना हमारा पहला उदेश्य है।

कार्यक्रम में शामिल कलाकारों में क्रमशः आरा से राकेश कुमार मिश्रा संगीत शिक्षक, कमलेश पांडेय बक्सर, अभय मिश्रा आरा, बबन तिवारी, विनोद प्रसाद बक्सर, विमलेश कुमार, खुशी कुमारी, रूपा कुमारी, सृष्टि कुमारी ,धीरेन्द्र कुमार सिंह, अशोक कुमार सिंह, विमलेश पाण्डेय, शिशु कलाकार कमल नयन, मनोज जायसवाल आदि की लोग मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में सभी कलाकारों को अंग वस्त्र तथा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता राजीव रंजन सिंह ने इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन को लेकर खुशी व्यक्त की तथा डुमरांव में बिस्मिल्लाह खां संगीत एकेडमी के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

निंदनीय: यात्रियों ने संपूर्ण क्रांति के एसी बोगी को किया क्षतिग्रस्त

- ट्रेन का दरवाजा नहीं खुलने से नाराज थे यात्री
- पुलिस ने दो संदिग्धों को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

कुंभ जाने वाले यात्रियों ने एक बार फिर आरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म दो पर कुंभ जाने वाली 12393 संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस को निशाना बनाया है। ट्रेन का दरवाजा नहीं खुलने से नाराज यात्रियों ने एससी -3 कोच के शीशा को क्षतिग्रस्त कर दिया है। दरअसल, प्रयागराज में लगे महाकुंभ मेला अपने अंतिम चरण में है। इसे लेकर महास्नान करने वाले श्रद्धालुओं ने वीकेंड के अवसर पर आरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म दो पर भारी संख्या पर यात्री शनिवार की दोपहर से ही पहुंच रहे है। इस दौरान कुंभ की ओर जाने वाली ट्रेनों पर कुछ यात्री चढ़ पा रहे तो अधिकांश यात्री बाहर प्लेटफार्म पर ही खड़े रहे है। ऐसे में देर शाम होते-होते कुंभ जाने वाले यात्रियों की आरा रेलवे स्टेशन पर खचाखच भीड़ हो गई। प्लेटफार्म पर पैर रखने की जगह नहीं थी। इसी बीच राजेंद्र नगर से चलकर पटना होते हुए दिल्ली जाने वाली अपने निर्धारित समय से 39 मिनट लेट चल रही 12393 सम्पूर्ण क्रांति एक्सप्रेस आरा स्टेशन पर के प्लेटफार्म दो पर पहुंचते ही चढ़ने वाले यात्रियों की होड़ मच गई। फिर क्या दो मिनट के स्टॉपेज पर यात्री नहीं चढ़ पाए और कुछ बोगियों के दरवाजे बंद होने से नाराज यात्रियों द्वारा हाथ में पहने कड़ा, ईंट एवं अन्य नोकीले औजारों से एसी बोगी के बी थ्री कोच के शीशे को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इसके बाद प्लेटफार्म पर मौजूद जीआरपी जवानों ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। वही संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस के जाने के बाद कुंभ एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन के इमरजेंसी विंडो को उखाड़ने का प्रयास किया गया हालांकि समय रहते उपद्रवी यात्री को रोक लिया गया। ट्रेन पर चढ़ने के दौरान कुछ यात्री आपस में ही भीड़ गए,इस दौरान प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी का आलम बना रहा। संपूर्ण क्रांति, एक कुंभ एक्सप्रेस एक साथ दो स्पेशल कुंभ एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनों के जाने के बाद भी आरा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ में कोई कमी नहीं आई है। क्योंकि की आरा से पहले आने वाले स्टेशन से यात्रियों अपना कब्जा पहले की जमा लिए थे,कई बोगियों के दरवाजे बंद कर दिए गए है। जो खुला है उसके गेट पर यात्रियों लटके पड़े है। इस वजह से प्लेटफार्म से चढ़ने वाले यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्नेहा कुशवाहा केस में सीबीआई जांच की मांग के लिए निकली रैली

केटी न्यूज/ रोहतास

रोहतास में नीट की छात्रा स्नेहा कुशवाहा की न्याय के लिए आज विशाल बाइक रैली निकाली गई। बनारस के एक निजी छात्रावास में स्नेहा के साथ रेप और हत्या के 23 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों में रोष है। विशाल कुशवाहा के नेतृत्व में विभिन्न दलों के कार्यकताओं ने गोडारी, नासरीगंज और राजपुर प्रखंड होते हुए 40 किलोमीटर की बाइक रैली निकाली। राजपुर चौक पर प्रदर्शनकारियों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया। रैली का नेतृत्व कर रहे ई विशाल कुशवाहा ने कहा कि पीएम के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बिहार की बेटी के साथ हुई इस घटना में यूपी पुलिस मामले की लीपापोती कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस खुद इस मामले में संलिप्त है मुख्य आरोपी को बचा रही है। एसआईटी गठन के एक सप्ताह बाद भी न तो आरोपी की गिरफ्तारी हुई है और न ही संलिप्त पुलिस प्रशासन पर कोई कार्रवाई की गई है। प्रदर्शनकारियों ने मामले की सीबीआई जांच या सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है।

महाकुंभ से लौट रही कार नियंत्रित होकर अज्ञात वाहन से टकराई

सड़क दुर्घटना में पति की हुई मौत पत्नी, पुत्र व पुत्री समेत चार जख्मी

- जख्मियों का आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है इलाज
- पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम
- शाहपुर थाना क्षेत्र के इटवां गांव के समय रविवार की अगले सुबह घटी घटना

केटी न्यूज/आरा

स्थानीय लोगों के सहयोग से जख्मियों को ले जाया गया अस्पताल

आरा-बक्सर नेशनल हाईवे पर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के इटवां गांव के समीप रविवार की अहले सुबह महाकुंभ से लौट रहे स्विफ्ट डिजायर कार और अनियंत्रित होकर अज्ञात वाहन से टकरा गई। इस हादसे में कार चला रहे पति की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि कार पर सवार पत्नी,पुत्र एवं पुत्री समेत चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। टक्कर इतना जबरदस्त था कि स्विफ्ट डिजायर कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वही घटना की सूचना पाकर शाहपुर थानाध्यक्ष कुमार रजनीकांत पुलिस बल के साथ फौरन वहां पहुंचे और स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी लोगों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतक पटना जिला के मनेर थाना क्षेत्र के दरवेसपुर गांव निवासी स्व.प्रयाग साव के 41 वर्षीय पुत्र संतोष कुमार है एवं वह पेशे से एलआईसी एजेंट थे। जबकि जख्मियों में उनकी पत्नी अंजू गुप्ता,पुत्र सचिन कुमार,पुत्री सानिया कुमारी एवं उसी जिले के मरसलामी थाना क्षेत्र के पटना सिटी निवासी अशोक साव की पत्नी व मृतक की सास मीना देवी शामिल है। इधर मृतक के चाचा सतेन्द्र साह ने बताया कि उनका भतीजा संतोष कुमार गुप्ता,अपनी पत्नी अंजू गुप्तापुत्र सचिन कुमार,पुत्री सानिया कुमारी एवं सास मीना देवी के साथ शुक्रवार को अपने स्विफ्ट डिजायर कार से खुद ड्राइव कर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने के लिए गए थे। शनिवार की रात सभी लोग प्रयागराज से वापस पटना लौट रहे थे। लौटने के क्रम में संतोष कुमार गुप्ता ही कार ड्राइव कर रहे थे। रविवार की अहले सुबह जैसे ही उन लोगों की स्विफ्ट डिजायर कार शाहपुर के इटवां गांव के समीप पहुंची। तभी अचानक उनके कार के सामने मवेशी आ गया। जिसके कारण उनकी उनकी कार अनियंत्रित होकर आगे जा रही अज्ञात वाहन से टकरा गई। जिसमें उनके भतीजे संतोष कुमार गुप्ता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

कार पर सवार उनकी पत्नी अंजू गुप्ता,पुत्र सचिन कुमार,पुत्री सानिया कुमारी एवं सास मीना देवी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। इसके बाद स्थानीय थाना व स्थानीय लोगों के सहयोग से उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस द्वारा फोन कर मृतक के परिजनों को दी गई। सूचना पाकर परिजन आरा सदर अस्पताल पहुंचे। जिसके पश्चात उन्होंने इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदस्य अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी अंजू गुप्ता व दो पुत्र सचिन कुमार,शेरू कुमार एवं एक पुत्री सानिया कुमारी है। घटना के बाद मृतक के घरों में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक पत्नी अंजू गुप्ता एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रो कर बुरा हाल है। वही स्थानीय लोगों का कहना है कि देर रात में ट्रक चालक जहां-तहां सड़क किनारे अपने वाहन लगा दे रहे है। जिससे अधिकत्तर घटनाएं हो रही है।

डेहरी में दस पीडीएस दुकानदारों का लाइसेंस रद्द

रोहतास। रोहतास के डेहरी अनुमंडल में राशन वितरण में गड़बड़ी सामने आई है। एसडीएम सूर्य प्रताप सिंह ने 10 सार्वजनिक वितरण प्रणाली दुकानदारों का लाइसेंस रद्द कर दिया है। जांच में कई गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। दुकानदार निर्धारित समय पर दुकान नहीं खोल रहे थे। लाभार्थियों को खाद्यान्न में कटौती कर वितरण किया जा रहा था। चावल और गेहूं की जगह सिर्फ चावल का वितरण किया जा रहा था। ई-पॉश की पर्ची लाभार्थियों को नहीं दी जा रही थी। दुकानदारों का लाइसेंस रद्द किया गया है, उनमें विजय पासवान, श्याम बिहारी राम, राम बली राम, राजनाथ सिंह, विश्वनाथ सिंह, लक्ष्मण सिंह, किरण बाला जैन, विनोद कुमार, उमेश कुमार और रामधारी सिंह शामिल हैं।

आरा में 12 जमीन मालिकों को लगा झटका, 27 वर्ष बाद रद्द हुई जमाबंदी

केटी न्यूज/आरा

सरकारी जमीन हड़पने के मामले में चाहे जितनी भी फजीर्वाड़ा कर ले समय के साथ इसका खुलासा होगा और आप जरूर बदनाम होने के साथ जेल भी जा सकते हैं। इसी को सत्य साबित करते हुए आरा सदर अंचल में एक ऐतिहासिक फैसला करते हुए भोजपुर एडीएम ने नौ जमाबंदी से जुड़े 12 लोगों की जमाबंदी को 27 वर्षों के बाद रद कर दिया है। करोड़ों की कीमती जमीन होने के कारण हाल के दिनों में इसे बहुत बड़ा फैसला माना जा रहा है।

पूरा मामला आरा सदर अंचल क्षेत्र के गौसगंज से जुड़ा हुआ है।यहां पर सरकरी गैर मजरूआ जमीन जिसका खाता नंबर 166 खेसरा नंबर 267 और रकबा एक एकड़ है कि स्थानीय अंचल कर्मचारियों और पदाधिकारी की मिली भगत से वर्ष 2098-99 में फर्जी ढंग से 12 लोगों के द्वारा निबंधन करा लिया गया था। निबंधन कराने के दौरान इन लोगों ने सरकारी जमीन या प्रतिबंधित खाता होने से बचने के लिए जमीन का खाता बदल दिया खेसरा, चौहदी और रकबा वही रहने दिया। जांच में सामने आया कि सही खाता संख्या 166 खेसर 267 रकबा एक एकड़ के बदले इन सभी ने खेसरा 267 रकबा लगभग एक एकड़ परंतु खाता 166 के बदले 69 व 771 दर्ज कर दिया। तत्कालीन सीओ और राजस्व कर्मचारी के मेल मिलाप से उसका दाखिल खारिज भी करवा लिया। दाखिल खारिज के बाद ऑनलाइन जमाबंदी भी कर ली गई। मामले का खुलासा एक अतिक्रमण की सुनवाई के दौरान वर्तमान सीओ पल्लवी कुमारी गुप्ता ने किया। जांच में मामला सही पाए जाने पर सीओ ने एडीएम को जमाबंदी रद्द करने की अनुशंसा की। सीओ की अनुशंसा को देख विगत माह पूर्व एडीएम ने सभी जमाबंदी को रद करते हुए खाता, खेसरा व रकवा फिर से अपडेट करने का निर्देश दिया है। इन लोगों ने फर्जी ढंग से कराई जमाबंदी में गौसगंज की ललमुनी देवी, शकुंतला कुमारी सिंह, जानकी देवी, किरण देवी, ललिता देवी, फूल कुमारी देवी और मंजू देवी के साथ-साथ रंजीत कुमार चौधरी, दिनेश कुमार चौधरी, शंभूनाथ ओझा, शिवयोगी व हरेंद्र साह शामिल है।

अपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए जूटे थे अपराधी, एक गिरफ्तार

रोहतास। रोहतास पुलिस ने जिले में बड़ी अपराधिक घटना को अंजाम देने के पूर्व ही आर्म्स के साथ दबोच लिया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली एक खेत में 30-40 की संख्या में जुटे अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक है। एसडीपीओ वन दिलीप कुमार की नेतृत्व में टीम बनाकर छापेमारी की गयी। लेकिन पुलिस को देखते ही अपराधी भागने में सफल रहे। जिसमें एक अपराधी को पुलिस दबोच लिया। एसडीपीओ दिलीप कुमार ने बताया कि द30-40 हथियारयुक्त व्यक्ति किसी गंभीर अपराधिक घटना को अंजाम देने एवं योजना बनाने हेतु एकत्रित हुए थे। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक को पकड़ा।

पंजरी गांव में निर्माणाधीन हनुमान मंदिर के गुंबज स्थापना के लिए विशेष पूजन व परिभ्रमण का आयोजन

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

बिक्रमगंज के पंजरी गांव में निमार्णाधीन हनुमान मंदिर के गुंबज स्थापना के अवसर पर विशेष पूजन और परिभ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिनारा विधानसभा के वरिष्ठ भाजपा नेता अखिलेश कुमार, गंज भंडासरा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह तथा ग्रामवासियों की उपस्थिति रही। गुंबज पूजन विधि-विधान से संपन्न हुआ, जिसके पश्चात पूरे गांव में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ परिभ्रमण किया गया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और भव्य मंदिर निर्माण के प्रति अपनी आस्था एवं उत्साह व्यक्त किया। मौके पर अखिलेश कुमार ने कहा कि यह मंदिर क्षेत्र के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विकास का प्रतीक बनेगा। वहीं सत्येंद्र सिंह ने मंदिर निर्माण में सभी ग्रामवासियों के योगदान की सराहना करते हुए इसे सामुदायिक एकता का प्रतीक बताया। ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक जयकारे लगाते हुए पूरे गांव में परिभ्रमण किया और इस पुनीत कार्य में सहयोग देने का संकल्प लिया। आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन के माध्यम से अपनी श्रद्धा प्रकट की। हनुमान मंदिर के निर्माण को लेकर ग्रामवासियों में अपार हर्ष है और सभी इसके शीघ्र पूर्ण होने की कामना कर रहे हैं। मौके पर अजीत सिंह, शंभु सिंह, पिंटू मिश्रा, नीरज कुमार, मोहित सिंह, दिनेश राय, पिंटू कुमार, चंदन कुमार, चुनमुन राय, बबलू राय, बबन सिंह, ओमकार यादव, चुलबुल सिंह सहित अन्य शामिल थे।

सरकार कमजोर वर्ग के साथ के साथ अपना रही है भेदभावपूर्ण रवैया

लोहार आरक्षण के लिए एकजुट होकर लड़ना होगा : शर्मा

- लोहार विकास मंच की एक बैठक जेल रोड में हुई संपन्न
- आरक्षण के लिए लोहार समाज अपने जान की आहुति देगा

केटी न्यूज/आरा

विकास मंच सह जनतंत्र आवाज पार्टी के तत्वावधान में लोहार विकास मंच की एक बैठक हुई। बैठक जेल रोड आरा में आहूत की गई। जिसमें जिले के प्रमुख लोगों ने भाग लिया। बैठक में मुख्य रूप से देश के अंदर बढ़ रहे नफरत महंगाई बेरोजगारी पर भी चिंता की गई।

वहीं कमजोर वर्ग के साथ सरकार के भेदभावपूर्ण रवैया पर भी चिंता व्यक्त की गई। इस अवसर पर मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज किशोर शर्मा अपने संबोधन में कहा की लोहार के आरक्षण के लिए अब तक चार बार रेल जाम किया जा चुका है। दो बार दिल्ली जंतर मंतर पर धरना दिए जा चुके हैं। पाटना गर्दनी बाग तथा बिहार के विभिन्न हिस्सों में धरना प्रदर्शन किए गए। राज भवन मार्च जिसका ज्ञापन सरकार को दिया जाता रहा है। अधिकारिओ से वार्ता की जाती है। वहीं बीजेपी से जुड़े जितने भी बड़े लीडर हैं उनसे संपर्क साधकर लोहार समाज को आगे बढ़ाने के लिए प्रयास किया जाता है। लेकिन, अभी तक इसमें सफलता नहीं मिली है। साथ ही लोहार मामला 15 बार लोकसभा और चार बार बिहार विधानसभा में उठ चुका है इसके बावजूद भी बिहार और केंद्र की सरकार लोहार का आरक्षण क्लियर करना नहीं चाहती है इस मामलों को लेकर लोहार समाज में सरकार और शिष्टम के प्रति नाराजगी व्याप्त है।बैठक में निर्णय लिया गया कि संवैधानिक आरक्षण के लिए हम अपने जान की आहुति देने के लिए तैयार हैं और आने वाले समय में दिल्ली का दौरा कर पुनः फिर आरा में रेलवे ट्रैक जाम किया जाएगा। जो सरकार के लिए बहुत ही मुश्किल होगा। जब तक हमलोगों की मांग पूरी नहीं होगी। तब तक हमलोग चुप बैठने वालों में नहीं है। इसके लिए लगातार संघर्ष जारी रहेगा। बैठक की अध्यक्षता अजय शर्मा व संचालन रजनीश शर्मा ने की। इस बैठक में देव नारायण शर्मा रामजी शर्मा, कृष्णा कुमार शर्मा, जितेन्द्र शर्मा, रामा शंकर शर्मा, नागेंद्र शर्मा, राजेंद्र शर्मा, अमरजीत विश्वकर्मा, पवन कुमार, शिव कुमार पंकज कुमार आदि शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

हेमंत कैबिनेट के मंत्रियों को बंगला आवंटित, सुदिव्य कुमार सोनू को मिला आशियाना नंबर वन

रांची, एजेंसी। देश की आजादी से करीब दस साल पहले यानी 1937 में बनी फिल्म में तब के प्रख्यात गायक के ।एल ।सहगल ने एक गीत गाया था एक बंगला बने न्यारा, रहे कुनबा जिसमें सारा। आज इस गीत को हेमंत कैबिनेट के सभी मंत्री जरूर गुनगुना रहे होंगे। आखिर उनके नाम नया-नवेला भव्य बंगला जो आवंटित हो गया है। 11 बंगलों को बनाने में 70 करोड़ रु खर्च किए गये हैं। स्मार्ट सिटी क्षेत्र में जुड़को द्वारा बनाए गये इन बंगलों में तमाम अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ सुरक्षा का विशेष ख्याल रखा गया है। इसमें बच्चों के खेलने की जगह, बैडमिंटन कोट भी बने हुए हैं। आने वाले दिनों में सभी मंत्री इन बंगलों में नजर आएंगे। यहां बने एक बंगले का क्षेत्रफल 16,321 वर्ग फीट है। इसमें करीब 8000 वर्ग फीट में भवन बना हुआ है। हर बंगले को दो हिस्सों में बनाया गया है। भवन निर्माण विभाग ने झामुमो कोटे के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को बंगला नंबर वन आवंटित किया है। दो नंबर बंगले में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की रहेंगी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर को बंगला नंबर 3 आवंटित किया गया है। बंगला नंबर 4 में मंत्री इरफान अंसारी, बंगला नंबर 5 में मंत्री योगेंद्र प्रसाद, 6 नंबर के बंगला में मंत्री हफीजुल हसन रहेंगे। बंगला नंबर 7 को मंत्री चमरा लिंडा के नाम आवंटित किया गया है ।बंगला नंबर 8 में मंत्री दीपक बिरुआ, बंगला नंबर 9 में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, बंगला नंबर 10 में मंत्री रामदास सोरेन रहेंगे। जबकि राजद कोटे के मंत्री संजय प्रसाद यादव को बंगला नंबर 11 आवंटित किया गया है। जानकारी के मुताबिक कई मंत्री अपने नाम आवंटित बंगला में पूजा पाठ भी कर चुके हैं।

एसआईटी या सीआईडी करेगी जांच, प्रस्ताव तैयार, जैक ने भेजी शिक्षा विभाग को रिपोर्ट

रांची, एजेंसी। मैट्रिक के प्रश्न पत्र आउट होने और अब तक की जांच के संबंध में जैक ने शनिवार को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को अपनी रिपोर्ट भेज दी. जैक ने रिपोर्ट में प्रश्न पत्र आउट होने और इसके बाद की गयी कार्रवाई की जानकारी विभाग को दी है. जिलों में चल रही जांच की स्थिति की जानकारी भी शिक्षा विभाग को दी गयी है.शिक्षा विभाग अब एसआईटी गठित कर या सीआईडी से इसकी जांच कराने की तैयारी कर रहा है. इस संबंध में प्रस्ताव तैयार किया गया है. शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की सहमति के बाद इसे गृह विभाग को भेजा जायेगा. सीएम की सहमति के बाद एसआइटी का गठन किया जायेगा या फिर सीआइडी को मामला सौंपा जायेगा. मैट्रिक में विज्ञान विषय की परीक्षा 20 फरवरी को हुई थी, जबकि प्रश्न पत्र 18 फरवरी की रात से ही वायरल था. विज्ञान विषय का वायरल प्रश्न पत्र जैक के प्रश्न पत्र से पूरी तरह मिल गया था. इसके बाद जैक ने सभी जिलों के उपायुक्त को इसकी जांच के लिए पत्र लिखा था. जैक ने इस संबंध में कोडरमा, गिरिडीह व गढ़वा उपायुक्त को अलग से पत्र लिखा था. इन तीनों जिलों में पहले प्रश्न के वायरल होने की बात सामने आयी थी. तीनों जिलों में इसकी जांच की जा रही है.प्रश्न पत्र आउट होने का मामला राज्य के अलग-अलग जिलों में सामने आया है. सभी जिलों में जिला स्तर पर इसकी जांच की जा रही है. अब तक जांच में पेपर कैसे व कहां से लीक हुआ, इसका खुलासा नहीं हो सका है.

आधे घंटे के अंदर बाइक सवार अपराधियों ने दो लोगों की छीनी चेन

धनबाद, एजेंसी। शहर में कोढ़ा गैंग का आतंक बढ़ गया है। शुक्रवार को आधे घंटे के अंदर गैंग के सदस्यों ने एक महिला और एक पुरुष को शिकार बनाया और दोनों की सोने की चेन छीन कर फरार हो गये। उन्हें न तो पुलिस पकड़ पायी और न ही सड़क पर खड़े ट्रैफिक पुलिस के जवानों को अपराधी नजर आये। घटना के बाद बरटांड़ सिगनोरा सिटी निवासी कमलेश कुमार सिंह ने धनबाद थाना में लिखित शिकायत दर्ज करायी है, जबकि छिनतई के दूसरे मामले में सरायढेला थाना क्षेत्र में रहने वाली पिंकी मंडल ने थाना में लिखित शिकायत की है ।बरटांड़ सिगनोरा सिटी निवासी कमलेश सिंह ने बताया कि शुक्रवार को वह 10 ।45 बजे अपने स्कूटी से घर जा रहे थे। तभी एलसी रोड के पास पीछे से एक बाइक पर सवार दो अपराधी आये और अचानक मेरे पास आकर गाड़ी रोकी और तुरंत गले में पहना हुआ 30 ग्राम का सोने की चेन छीन कर सिटी सेंटर की तरफ भाग गये। जब तक मैं कुछ समझ पाता, वे आंखों से ओझल हो चुके थे।

झारखंड में खेल, खिलाड़ी और कोच पर हर साल 20.39 करोड़ खर्च,

फिर भी खिलाड़ी नेशनल गेम्स में भी नहीं दिला पा रहे हैं मेडल

रांची, एजेंसी। झारखंड में खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार करोड़ों खर्च कर रही है. इसके बावजूद कई खेलों की स्थिति ऐसी, जिनमें खिलाड़ियों का प्रदर्शन जीरो है. इसके बावजूद उन खेलों को सरकार की ओर से अच्छा खासा अनुदान मिलता है. फुटबॉल, हॉकी (पुरुष), एथलेटिक्स जैसे खेलों पर सरकार सालाना लाखों खर्च कर रही है. पर इनमें प्रदर्शन शून्य है. कुछ खेलों को छोड़ दें, तो ज्यादातर खेलों में खिलाड़ी नेशनल गेम्स में भी मेडल नहीं दिला पा रहे हैं. राज्य में महिला हॉकी की स्थिति कुछ हद तक ठीक है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर पुरुष हॉकी की भागीदारी नगण्य है. यही हाल फुटबॉल का भी है. राज्य को उन खेलों में मेडल मिल रहे हैं, जिनमें सरकार की कोई भागीदारी नहीं है. लॉन बॉल, तीरंदाजी, वुशु, मॉडर्न पेंटाथलॉन जैसे खेलों को सरकार अनुदान तक नहीं देती है. इसके बावजूद इन खेलों में प्रदर्शन अन्य खेलों की अपेक्षा बेहतर है. सरकार द्वारा खेल सेंटरों व खिलाड़ियों को तैयार करने में किये जा रहे खर्च के ब्योरे पर नजर डालें, तो पायेंगे कि सेंटरों में रह रहे खेल, खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों पर सरकार सालाना 20.39 करोड़ रु खर्च कर रही है. पूरे राज्य में 108 डे-बोर्डिंग सेंटर हैं, जहां कुल 2700 खिलाड़ी हैं. प्रत्येक खिलाड़ी को सरकार की तरफ से 6000 रुपये वार्षिक छात्रवृत्ति दी जाती है. यानी इन पर 1.62 करोड़ रु खर्च किये जाते हैं. वहीं, 12 क्रीड़ा किसलय केंद्र में खिलाड़ियों पर एक साल में 20.16 लाख रुपये व 24 खेलो इंडिया सेंटर के प्रशिक्षकों पर सालाना 72 लाख रुपये खर्च होता है. इसके बावजूद प्रदर्शन के नाम पर कुछ नहीं है. यही हाल राज्य में चलने वाले सेंटर ऑफ एक्सलेंस की भी है. पूरे राज्य में 10 सेंटर ऑफ एक्सलेंस संचालित हैं. यहां भी खेल,खिलाड़ी, कोच और किट पर सरकार सालाना 4.74 करोड़ खर्च कर रही है. पर रिजल्ट नहीं आ पा रहा. राज्य में कुल 30 आवासीय सेंटर हैं. प्रत्येक सेंटर में 25 यानी कुल 750 एथलीट हैं. इन एथलीटों के केवल भोजन मद में सरकार लगभग 8.66 करोड़ खर्च कर रही है. वहीं, इनके किट पर सरकार 18.75 लाख रुपये सालाना खर्च कर रही है. इसके अलावा 30 प्रशिक्षकों पर सरकार सालाना 2.16 करोड़ खर्च कर रही है. कुल मिला कर सरकार इन सेंटरों पर खिलाड़ियों और कोच पर सालाना 11.01 करोड़ खर्च कर रही है. राज्य में फुटबॉल के करीब 55 आवासीय सेंटर हैं. दोनों वर्गों (महिला-पुरुष) को मिला कर राज्य में 45 से 50 हजार फुटबॉलर हैं, लेकिन दोनों वर्गों की टीमों में से कोई भी नेशनल गेम्स के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी. वहीं, राज्य में साझा की ओर से संचालित 10 और सरकार द्वारा सीधे तौर पर चलाये जा रहे 25 आवासीय प्रशिक्षण केंद्र हैं. इनमें से अधिकतर सेंटरों की हालत ऐसी ही है.

झारखंड में आर्चरी, एथलेटिक्स, हॉकी, रेसलिंग को छोड़ दें, तो यहां अन्य खेलों के लिए खेल प्रशिक्षकों की भारी कमी है. यहां अनट्रेंड खेल प्रशिक्षकों को 15,000 रुपये प्रतिमाह पर नियुक्त किया जा रहा है. बैडमिंटन, बॉक्सिंग, हैंडबॉल, जूडो, स्विमिंग, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग, साइकिलिंग, बास्केटबॉल समेत ऐसे कई खेल हैं, जिनमें प्रशिक्षक नहीं हैं. किसी खेल में प्रशिक्षक रखे भी गये हैं, तो उन्हें अनुबंध पर काफी कम मानदेय देकर उनसे काम लिया जा रहा है. ऐसे खेल प्रशिक्षक स्टेट लेवल खेल कर ही राज्य के नेशनल खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं.लॉन बॉल में झारखंड के खिलाड़ी लगातार मेडल ला रहे हैं.

उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में झारखंड ने लॉन बॉल में पांच स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य समेत कुल नौ पदक जीते. इस मामले में दूसरे नंबर पर तीरंदाज रहे, जिन्होंने दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक जीते. इससे पहले गोवा में हुए 37वें राष्ट्रीय खेलों में भी झारखंड के लॉन बॉल खिलाड़ियों का दबदबा दिखा था. गोवा नेशनल गेम्स में झारखंड के लॉन बॉल खिलाड़ियों ने चार गोल्ड और तीन ब्रांज समेत सबसे अधिक सात पदक जीते थे. वहीं, केरल में हुए 35वें राष्ट्रीय खेलों में लॉन बॉल में झारखंड ने दो गोल्ड, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते थे.

राजगंज सड़क हादसे में मृतकों की संख्या हुई छह, सभी थे हुगली के रहने वाले

धनबाद, एजेंसी। शुक्रवार की देर रात 1.15 बजे बंगाल की ओर से कुंभ स्नान के लिए प्रयागराज जा रही दो गाड़ियां राजगंज में सिक्स लेन स्थित दलुडीह के सामने खड़े एक ट्रक (आरजे 14 जीपी 5425) से टकरा गयी थीं. इस बीच पटना की ओर से आ रही बस ने भी उन्हें टक्कर मार दी. इससे स्कॉर्पियो (डब्ल्यूबी 18टीबी 5672) पर सवार एक ही परिवार के चार लोगों की मौत मौके पर ही हो गयी. वहीं घायल दो बच्चों की मौत शनिवार को इलाज के दौरान धनबाद में हो गयी. इसके अलावा गंभीर रूप से घायल पांच अन्य लोगों का इलाज धनबाद के एक निजी और मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो रहा है. इस हादसे में बाल-बाल बचे कार सवार लोगों को दूसरी गाड़ी से वापस बंगाल भेज दिया गया है. मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को हटा कर देर रात जाम हटाया और यातायात सुचारू हुआ. पूछताछ के बाद बस को कोलकाता के लिए व कार में सवार लोगों को प्रयागराज के लिए रवाना कर दिया गया.

स्कॉर्पियो में सवार लोग सात कुड़िया, हुगली से कुंभ जा रहे थे. सभी एक ही परिवार के थे. इनमें विश्वरूप साहा, आगोमनी साहा, अन्वेषा साहा, श्यामोली साहा, पियाली साहा, प्रणय साहा, नीता साहा, राबुल राय, सायन साहा (बच्चा), सायल साहा (बच्चा), शेख राजभ अली (चालक) सहित 11 लोग शामिल थे. इनमें से चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि दो बच्चों की मौत अस्पताल में हुई.

मृतकों में श्यामोली साहा (33), पियाली साहा (35), प्रणय साहा (45), शेख राजभ अली (चालक), आगोमनी साहा (6) व अन्वेषा साहा (6) शामिल हैं.

मृतक प्रणय के भाई प्रह्लाद साहा ने शनिवार को सरायढेला थाना के पुलिस को फर्द बयान दर्ज कराया. उन्होंने बताया कि 21 फरवरी की शाम सात बजे मेरा भाई प्रणय साहा (45) प्रणय की पत्नी सोमोली साहा (33), प्रणव का पुत्र सुदीप साहा (13) सभी मेदनीपुर पश्चिम बंगाल के अलावा विश्वरुप साहा, विश्वरुप की पत्नी पियाली साहा, सेयान साहा, विश्वरुप साहा की पुत्री आगोमुनी साहा, चारों गोघाट हुगली के अलावा राहुल इल, नीता साहा दोनों सातवेडिया गोघाट हुगली व चालक शेख राजभअली गाड़ी संख्या (डब्लू 18 टीबी-5672) पर सवार होकर कुंभ के लिए चले थे. 22 फरवरी को समय एक बजे रात राजगंज थाना क्षेत्र में एक ट्रक (आरजे 14 जीपी-5425) पर पीछे से चालक द्वारा तेजी लापरवाही से धक्का मारा दिया और गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी और इसमें लोगों को जान गयी और कई लोग गंभीर रूप से घायल है.

राजगंज सिक्सलेन का नाम पूरे देश में है. लेकिन, इसमें लगी लाइट अक्सर बंद रहती है, जिसके कारण रात को दुर्घटनाएं हो जा रही हैं. यहां लगे सीसीटीवी कैमरा भी बंद हैं. शुक्रवार रात को घटित हृदय विदारक सड़क दुर्घटना के समय भी घटनास्थल के अगल-बगल एक दर्जन से अधिक पोल की लाइट बंद थी. बताया जाता है कि लाइट बंद रहने के कारण आये दिन सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ गयी है. रात की घटना के समय स्थानीय पुलिस व लोगों को राहत कार्य में भी परेशानी झेलनी पड़ी. इस संबंध में राजगंज थानेदार अलीशा कुमारी ने संबंधित कंपनी अशोका बिल्डकॉन के अधिकारी से संपर्क स्थापित कर नाराजगी जाहिर की. इधर कंपनी मैनेजर राजकुमार श्रीवास्तव ने माना कि तकनीकी गड़बड़ी के कारण बिजली बंद हो गयी थी. बारिश के कारण पैनल में पानी घुस जाने से कैमरा बंद पड़ा था. हाल ही में दलूडीह के आगे अगलगी के कारण भी व्यवधान उत्पन्न हुई है. संबंधित ठेकेदार को मैनेजर राजकुमार श्रीवास्तव ने बिजली व्यवस्था व सीसीटीवी दुरुस्त करने का निर्देश दिया है. इधर स्थानीय लोगों ने पूरे घटनाक्रम में एनएचएआइ के अधिकारियों की अनदेखी का आरोप लगाया है. बताया कि सड़क पर वाहनों को खराब होने की स्थिति में नियमानुसार इसे संबंधित विभाग द्वारा रोड क्लीयर करने का सिस्टम है. इस पर भी लापरवाही बरती जाती है.

शौचालय की खिड़की तोड़ हावड़ा-बाड़मेर एक्सप्रेस में घुसे यात्री, जमकर चले लात-मुक्के

धनबादधनबाद, एजेंसी। महाकुंभ जाने की बेताबी में शुक्रवार की शाम सात बजे से ही धनबाद स्टेशन पर हजारों यात्री पहुंच गए थे। रेलवे ने प्लेटफॉर्म चार से कुंभ स्पेशल चलने की घोषणा की। घोषणा होते ही यात्रियों का हुजूम प्लेटफॉर्म चार पर उमड़ पड़ा।

लगभग साढ़े तीन घंटे इंतजार के बाद भी कुंभ स्पेशल ट्रेन नहीं आई। इस बीच प्लेटफॉर्म तीन पर रात 10:35 बजे 12323 हावड़ा-बाड़मेर एक्सप्रेस पहुंची। ट्रेन के पहुंचते ही प्लेटफॉर्म चार पर खड़े यात्री दौड़ पड़े। आरक्षित कोचों के दरवाजे बंद होने से यात्रियों का आक्रोश फूट पड़ा।

यात्रियों ने एसी कोच के बंद दरवाजे पर जमकर लात और मुक्के बरसाये। यात्रियों ने ट्रेन के अंदर बैठे यात्रियों को दरवाजा खोलने के लिए कहा। कुछ यात्रियों ने एसी के दरवाजे उखाड़ने की भी कोशिश की।जब वह दरवाजा नहीं उखाड़ सके तो वह शौचालय की खिड़की तोड़ कर अंदर घुस गए। इसी बीच ट्रेन चल दी। इस दौरान शौचालय की खिड़की पर आधा शरीर निकाल कर बैठा एक युवक जय श्रीराम के नारे लगाता रहा।

धनबाद से पिछले कई दिनों से रात 10:40 पर कुंभ स्पेशल ट्रेन चल रही है। शुक्रवार को रैक देर से उपलब्ध होने के कारण सिर्फ कुंभ स्पेशल चलने की घोषणा की गई। समय की घोषणा नहीं की गई थी। शाम से ही हजारों यात्री प्लेटफॉर्म चार पर पहुंच गए थे।देर रात दो बजे के बाद कुंभ स्पेशल ट्रेन प्लेटफॉर्म पर आई और कुछ देर बाद खचाखच भर कर रवाना हो गई। बुधवार की रात स्टेशन पर भगदड़ की स्थिति बन गई थी। प्लेटफॉर्म चार पर खड़े सैंकड़ों यात्री सुरक्षा घेरा तोड़ कर पटरी पर कूद पर प्लेटफॉर्म तीन पर खड़ी स्पेशल ट्रेन पर सवार हुए थे। दोबारा ऐसी स्थिति न आए और यात्री पटरी पर आपाधापी न करे, इसके लिए दो प्लेटफॉर्म के बीच खाली ट्रेन खड़ी कर दी गई।धनबाद से अजमेर के लिए शनिवार की सुबह कुंभ स्पेशल ट्रेन चलेगी। धनबाद से सुबह आठ बजे रवाना होकर गोमो, गया के रास्ते शाम 6:30 पर प्रयागराज पहुंचेगी। अजमेर पहुंचने का समय अगले दिन दोपहर 1:50 है।

शनिवार सुबह की ट्रेन में भी भारी भीड़ उमड़ने के आसार हैं। इसके बाद 23 को कोलकाता-श्रीगंगानगर स्पेशल सुबह नौ बजे रवाना होगी। दोपहर 3:05 पर धनबाद और रात 12:25 पर प्रयागराज पहुंचेगी। मंगलवार दिन 11:45 पर श्रीगंगानगर पहुंचेगी।

बीसीसीएल के ए व बी टाइप आवासों में बनेगा अतिरिक्त रूम

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल के कोयला नगर, जगजीवन नगर समेत अन्य ए व बी टाइप के श्रमिक आवासों में एक अतिरिक्त रूम (कक्ष) बनाया जायेगा. शनिवार को बीसीसीएल मुख्यालय कोयला भवन में आयोजित कल्याण परिषद की बैठक में इस मुद्दे पर यूनियन व प्रबंधन के बीच सहमति बनी. जमसं (कुंती गुट) के संजीत सिंह ने बताया कि जब अधिकारियों के सी व डी टाइप क्वार्टर बन रहे हैं, तो कर्मचारियों के आवास में भी बेहतर सुविधा मुहैया कराने की जरूरत है. इस दौरान यूनियन प्रतिनिधियों ने श्रमिक आवासों में साफ-सफाई, पेयजल की व्यवस्था, हर तीन-माह में गार्वेज व झाड़ियों की कटाई आदि मांग रखी गयी. सेंट्रल अस्पताल समेत अन्य अस्पतालों में दवा खरीद की प्रक्रिया सरल बनाने पर जोर दिया गया. प्रत्येक कॉलोनी में एक-एक खेल मैदान व खेल सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की गयी. प्रबंधन ने इस पर सकारात्मक पहल करने की बात कही. परिषद के अध्यक्ष सह बीसीसीएल के निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैया ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए परिषद के सभी सदस्यों को पौधा प्रदान किया. परिषद के सदस्यों ने डीपी को पौधा देकर स्वागत किया.

कल्याण विभाग के विभागाध्यक्ष सरोज पांडेय ने बीसीसीएल द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियों से सदस्यों को अवगत कराया.

नक्सल इलाकों के सुरक्षा कैंपों की होगी समीक्षा, बदल सकता है पुलिसकर्मियों का लोकेशन

रांचीधनबाद, एजेंसी। झारखंड पुलिस नक्सल क्षेत्रों के सुरक्षा कैंपों की समीक्षा करेगी। जहां से नक्सलियों का सफाया हो चुका है, वहां के सुरक्षा कैंप नक्सल क्षेत्रों में शिफ्ट होंगे।

समीक्षा में इस बात का भी ध्यान रखा जाएगा कि अगर वहां से कैंप शिफ्ट हुआ तो कहीं फिर से उस क्षेत्र में नक्सली गतिविधियां न शुरू हो जाए। इन सभी बिंदुओं पर समीक्षा के बाद ही सुरक्षा कैंप को शिफ्ट किया जाएगा।

वर्तमान में राज्य में नक्सली अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहे हैं। नक्सलियों के लिए कुख्यात रहा बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र नक्सलियों से खाली हो चुका है।लातेहार-लोहरदगा सीमा पर स्थित बुलबुल जंगल भी लगभग नक्सल मुक्त हो चुका है। सरायकेला-खरसांवा, खूंटी व पश्चिमी सिंहभूम के ट्राई जंक्शन क्षेत्र में भी अब नक्सली नहीं हैं।

इसके बावजूद नक्सलियों से खाली हो चुके क्षेत्रों में केंद्रीय बलों, झारखंड जगुआर के जवानों के कैंप संचालित हैं। इन सभी कैंपों की पुलिस मुख्यालय समीक्षा करेगा। जहां जरूरत नहीं होगी, वहां से कैंप हटेंगे।

नक्सलियों से अंतिम लड़ाई अब सिर्फ पश्चिमी सिंहभूम में जारी है। सुरक्षा बलों ने इस क्षेत्र में अपनी ताकत झोंक दी है।

इन्हीं क्षेत्रों में माओवादियों के बड़े नेताओं के होने की सूचना है, जिनमें एक करोड़, 25 लाख, 15 लाख व 10 लाख के सभी बड़े नक्सली छुपे हुए हैं। लगातार आइइडी की बरामदगी हो रही है। पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा क्षेत्र में चाईबासा पुलिस के अलावा सीआरपीएफ की 60, 197, 174, 193, 134 व 26 बटालियन, कोबरा 209 बटालियन व झारखंड जगुआर के जवान नक्सलियों के विरुद्ध लगातार अभियान चला रहे हैं।

297 नक्सलियों की गिरफ्तारी की, 34 को मुठभेड़ में मार गिराया

झारखंड जगुआर के आइजी अनूप बिरथरे ने कहा कि 17 वर्षों के सफर में झारखंड जगुआर ने 297 नक्सलियों की गिरफ्तारी की। इस दौरान विभिन्न अभियानों के दौरान 34 कुख्यात नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है।झारखंड जगुआर के पदाधिकारियों व कर्मियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अब तक दो अति उत्कृष्ट सेवा पदक, 07 उत्कृष्ट सेवा पदक, सराहनीय सेवा के लिए 56 पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

364 करोड़ की 847 योजना के अनुमोदन पर हुआ मंथन

धनबाद, एजेंसी। जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के न्यास परिषद की बैठक शनिवार को न्यू टाउन हॉल में हुई. इसमें जिले के सर्वांगीण विकास के लिए 364.77 करोड़ रुपये की 847 योजनाओं के अनुमोदन के प्रस्ताव पर मंथन किया गया. उपायुक्त माधवी मिश्रा ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजलापूर्ति, समाज कल्याण समेत जिले के चौमुखी विकास पर जिला प्रशासन का ध्यान केंद्रित है.

इस वर्ष गर्मी में पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए प्रशासन पिछले वर्ष से बेहतर व्यवस्था करेगा. जिले में चल रही वृहद जलापूर्ति योजनाओं को पूरी कराकर सभी पंचायत को जलापूर्ति सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है. वहीं सदर अस्पताल एवं शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल को अपग्रेड किया जायेगा.

बैठक में दोनों अस्पतालों में मैनपावर, बुनियादी संरचना के अलावा चिकित्सीय उपकरणों की कमी की समीक्षा की गई है. एएनएम, जीएनएम एवं टेक्नीशियनों के रिक्त पदों को भरा जायेगा. जिन आंगनबाड़ी के पास अपना भवन है, उसे मॉडल आंगनबाड़ी बनाया जायेगा.

उपायुक्त ने झारखंड जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट की सात अक्तूबर 2024 को जारी की गयी नई नियमावली से सभी जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया. इसी नियमावली के तहत योजना के चयन का अनुरोध किया. बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, सिटी एसपी अजीत कुमार, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, वन प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालीवाल, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, डीएमएफटी टीम लीडर शैलेश तिवारी, विभिन्न पंचायतों के मुखिया व जनप्रतिनिधि आदि थे.

बैठक में कार्यकारी एजेंसियों से प्राप्त प्राक्कलनों पर अनुमोदन के लिए पीएचइडी वन की 58.03 करोड़ की 71 योजना, पीएचइडी टू की 8.82 करोड़ की 31 योजना, पेयजल एवं स्वच्छता (यांत्रिक) प्रमंडल की 3.48 करोड़ की छह, जमाडा की 8.39 करोड़ की पांच, भवन प्रमंडल (स्वास्थ्य प्रक्षेत्र) की 99 लाख की एक, भवन प्रमंडल (शिक्षा प्रक्षेत्र) की 36.67 करोड़ की 184, लघु सिंचाई (जल संरक्षण) की 1.57 करोड़ की दो, लघु सिंचाई (आधारभूत संरचना) की 24.61 करोड़ की 77, ग्रामीण कार्य विभाग (आधारभूत संरचना) की 38.88 करोड़ की 26, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल (आधारभूत संरचना) की 12.97 करोड़ की 13 योजना के प्रस्ताव पर चर्चा की गयी. वहीं प्रबंधकीय समिति द्वारा स्वीकृत ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल की 75.67 करोड़ की 167, ग्रामीण कार्य विभाग की 55.73 करोड़ की 65, लघु सिंचाई की 10.50 करोड़ की 24, पेयजल एवं स्वच्छता यांत्रिक प्रमंडल की 2.68 करोड़ की 12, भवन निर्माण विभाग की 23.90 करोड़ की 120, विद्युत कार्य प्रमंडल की 1.10 करोड़ की पांच, सिविल सर्जन की 7.57 लाख की एक, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल की 23.01 लाख की एक, पीएचइडी टू की 42.08 लाख की दो एवं पीएचइडी वन की 6.21 लाख की एक योजना के अनुमोदन प्रस्ताव पर चर्चा की गयी.

धनबाद सांसद ढुलू महतो ने कहा कि डीएमएफटी फंड से जो भी कार्य होते हैं वे ठेकेदार के माध्यम से नहीं, बल्कि स्थानीय जनप्रतिनिधि के माध्यम से हों. सभी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्य का शिलान्यास हो. स्थानीय जनप्रतिनिधि की अवहेलना करने पर ठेकेदार के बिल का भुगतान रोका जाये. उन्होंने कहा कि कुछ वर्षों से कई जलापूर्ति योजनाएं धीमी गति से चल रही हैं. जिला प्रशासन इस पर निगरानी रख दोषियों पर कार्रवाई करे. सांसद ने डीएमएफटी की राशि से धनबाद में हवाईअड्डा निर्माण के लिए जमीन खरीदने का भी प्रस्ताव रखा.

प्रधान आयकर आयुक्त कार्यालय में लगा रक्तदान शिविर

धनबाद, एजेंसी। आयकर कार्यालय धनबाद में शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन आयकर अधिकारी (मुख्य/प्रशासन) अशोक कुमार ने किया। उन्होंने बताया कि देशभर में 25,000 यूनिट रक्त संग्रह करना है। इसलिए आयकर विभाग की ओर से राष्ट्रव्यापी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। हर प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त क्षेत्र के लिए 1,500 यूनिट रक्त एकत्र करने का लक्ष्य है। इस दौरान प्रधान आयकर आयुक्त कार्यालय की ओर से सभी रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए रक्तदान प्रमाण पत्र प्रदान किया। शिविर में आयकर कार्यालय, धनबाद के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ सदर अस्पताल, आयकर बार एसोसिएशन, आइआइटी (आइएसएम), विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, पीके रॉय कॉलेज व एसएसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी व छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस दौरान सदर अस्पताल, धनबाद की ओर से घोषणा की गई कि रक्तदान करने वाले लोगों व उनके परिजनों को जरूरत पड़ने पर आगामी तीन माह तक निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जायेगा।

सुभाषितम्

सफल व्यक्ति वह है जो खुद पर फेंकी गई ईंटों से मजबूत नीव बना ले

- डेविड ब्रीक्ले

अश्लीलता एक बहाना, सोशल मीडिया पर है रोक लगाना

डिजिटल सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर अश्लीलता और हिंसा दिखाए जाने की शिकायतों को लेकर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय जल्द ही सोशल मीडिया पर नकेल कसने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सरकार नया कानून बनाने जा रही है। इस बार सरकार को कोर्ट का भी सहारा मिलने जा रहा है। रैना के यूट्यूब कार्यक्रम इंडियाज गोट लेटेंट में रणवीर इलाहाबदिया की अभद्र टिप्पणियों को लेकर देशभर में इस तरह के कार्यक्रमों पर रोक लगाने की बात की जा रही है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर जिस तरह से अश्लील वीडियो अपलोड किए जा रहे हैं, उसको लेकर भी आम जनता में रोष है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय ने अश्लीलता और हिंसक वीडियो को रोकने के लिए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। सरकार के लिए यह मौका है, जब सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए कानून को अपनी मनमर्जी से पास करा सकती है। इसके पहले भी सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर सेंसरशिप लगाने के प्रयास किए गए थे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नियंत्रण को लेकर विरोध के कारण सरकार को तब सफलता नहीं मिली थी। अब खुद न्यायालय द्वारा सरकार से सोशल मीडिया के इस तरह के प्लेटफार्म पर कानून बनाने और उस पर नियंत्रण करने की बात कही गई है। इससे केंद्र सरकार को एक नया मौका मिल गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यह मामला संसदीय समिति की ओर भेज कर समाज में बढ़ रही हिंसा, यूट्यूब, गूगल, इंस्टाग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया के प्लेटफार्म के लिए कानून बनाने के लिए समिति से सलाह मांगी है। सोशल मीडिया के जरिए किस तरह से संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग किया जा रहा है, इसको रोकने के लिए कानून में क्या प्रावधान किए जाएं? इसको लेकर सरकार का सूचना प्रसारण मंत्रालय सक्रिय हो गया है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म में हो रहीं सरकार की आलोचनाओं तथा सोशल मीडिया में आम नागरिक पत्रकार बनकर वीडियो डालकर जो सत्य उजागर कर रहा है। इससे सरकार और प्रशासन की मुश्किलें बढ़ रही हैं। सरकार सोशल मीडिया पर सबको रोकना चाहती है। हाल ही में महाकुंभ और दिल्ली की रेलवे स्टेशन में जो भगदड़ की घटनाएं हुई हैं। नागरिकों ने घटना के जो वीडियो बनाए थे। वह सोशल मीडिया में डाल दिए। जिसके कारण केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और रेल मंत्रालय को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। जवाबदेही भी तय होने लगी है। पिछले एक दशक में इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया को सरकार ने पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया है। सोशल मीडिया पर सरकार कोई नियंत्रण नहीं बना पा रही है। सरकार को लग रहा है, इससे अच्छा मौका दोबारा नहीं मिलेगा। इस समय सुप्रीम कोर्ट में रणवीर इलाहाबदिया की अवैध टिप्पणियों को लेकर जन मानस में रोष है। सुप्रीम कोर्ट भी नाराज है। ऐसी स्थिति मे सरकार जो कानून बनाने जा रही है, उसके बारे में कहा जा रहा है कि सरकार सोशल मीडिया में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नियंत्रित करने के लिए, इस तरह के प्रावधान लेकर आ रही है। जिसमें नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सरकार के नियम और कानूनो के अधीन हो। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आम नागरिकों को नियंत्रित किया जा सके। सरकार की मर्जी से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वही उपलब्ध हो जो सरकार चाहती है। बहरहाल इस बार रणवीर इलाहाबादियां ने डिजिटल प्लेटफॉर्म को नियंत्रित करने के लिए सरकार के लिए एक नया रास्ता खोल दिया है। सरकार को लगता है कि इस बार डिजिटल बिल को लेकर न्याय पालिका का संरक्षण सरकार को मिलेगा। जिस तरह से मैन स्ट्रीम मीडिया में सरकार के खिलाफ कुछ भी उजागर नहीं किया जाता है। मेन स्ट्रीम मीडिया पर सरकार ने पूरी तरह से नियंत्रण कर चुकी है। वही स्थिति आगे चलकर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म की ना हो जाए। यह आशंका गहराने लगी है। रेल मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स और यूट्यूब पर जो वीडियो दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ के हैं, उन्हें कानून व्यवस्था की स्थिति का आधार बनाकर वीडियो हटाने के निर्देश दिए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नकेल कसने के लिए केंद्र सरकार जो नया कानून लाने जा रही है। उसके लिए सभी को सजग रहने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

दुःखी होने की बजाय दुख का उपचार

लोगों से अपने सुना होगा कि संसार में दुःख ही दुःख है। असफलता मिलने पर कई बार आप भी यही सोचते होंगे, जबकि वास्तविकता इससे भिन्न है। संसार में दुःख इसलिए है क्योंकि संसार में सुख है। अगर सुख नहीं होता तो दुःख का अस्तित्व भी नहीं होता है। ईश्वर हमें दुःख की अनुभूति इसलिए करवाता है ताकि हम सुख का एहसास कर पाएं, सुख के महत्व को समझें। श्रीमद्भागवद् में कहा गया है कि हमारा हर कर्म सुख पाने के लिए होता है। इसके बावजूद भी जीवन में कई बार हमें दुःख और कष्ट की अनुभूति होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सुख और दुःख धूप-छांव एवं दिन और रात की तरह हैं। हम चाहें न चाहें दुःख को आना है। भगवान राम, श्री कृष्ण, बुध और महावीर को भी दुःख उठाना पड़ा। लेकिन इन महापुरूषों ने दुःख को गले लगाकर नहीं रखा बल्कि दुःख का उपचार किया। दुःख रात के समान है। रात के अंधेरे को दूर करने के लिए सूर्य जिस तरह निरंतर प्रयास करता रहता है और नियत समय पर रात के अंधकार को पराजित करके दिन का प्रकाश ले आता है, इसी तरह हमें भी दुःख को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। दुःख से दुःखी होकर बैठने से दुःख और बढ़ता है लेकिन जब हम समाधान के लिए प्रयास करने लगते हैं तो दुःख का अंधेरा छंटने लगता है। दुःख से हम जितना डरते हैं दुःख हमें उतना ही डराता है। अगर कोई यह सोचता है कि मृत्यु के बाद दुःख का अंत हो जाता है तो गरूड़ पुराण उसे जरूर पढ़ना चाहिए। गरूड़ पुराण में मृत्यु के बाद प्राप्त होने वाले कष्टों का वर्णन किया गया है।

भारत बन रहा है ग्लोबल लॉजिस्टिक्स लीडर

- प्रो. मनोज कुमार तिवारी

केंद्रीय बजट 2025-26, भारत के ग्लोबल लॉजिस्टिक्स लीडर बनने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है। बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी पर अधिक ध्यान देने के साथ, इस बार घोषित किया गया केंद्रीय बजट अधिक कुशल, प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम के लिए मंच तैयार करता है। इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सरकार की दीर्घकालिक आर्थिक विकास और वैश्विक व्यापार एकीकरण की नींव रखने वाली प्रतिबद्धता पूरी तरह स्पष्ट है ।

बुनियादी ढांचे का विकास बन रहा लॉजिस्टिक्स का बैकबोन:

एक मजबूत लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर एक बिना किसी रूकावट वाली सप्लाई चेन को बनाये रखने के लिए अहम है। बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1.5 ट्रिलियन रुपये आवंटित करने का सरकार का निर्णय सही दिशा में एक कदम है। आधुनिक परिवहन नेटवर्क और कनेक्टिविटी सिस्टम ट्रांजिट की देरी को कम करने और व्यवसायों के लिए लागत दक्षता में सुधार करने में एक लंबा रास्ता तय करेंगे। बजट का एक उल्लेखनीय पहलू 25,000 करोड़ रुपये का मेरीटाइम डेवलपमेंट फंड(एमडीएफ) है, जो भारत के जहाज निर्माण उद्योग के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण है। यह पहल विदेशी जहाजों पर निर्भरता कम करने और भारत की समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए बनाई गई है। साल 2047 तक भारतीय ध्वज वाले जहाजों के माध्यम से ग्लोबल कार्गो का 20% संभालने का लक्ष्य महत्वाकांक्षी है, लेकिन आधुनिक बंदरगाह बुनियादी ढांचे और शिपिंग टेक्नोलॉजीस में निरंतर निवेश के साथ प्राप्त किया जा सकता है। हालांकि, केवल बुनियादी ढांचा ही पर्याप्त नहीं है। वैश्विक मंच पर वास्तव में प्रतिस्पर्धा करने के लिए, भारत को उन्नत लॉजिस्टिक्स सल्यूशंस और ऑटोमेशन में निवेश में तेजी लानी चाहिए। उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ संचालन को सुव्यवस्थित करने से यह सुनिश्चित होगा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ तालमेल बनाए रखे और प्रतिस्पर्धी बना रहे।

निजी क्षेत्र की भागीदारी और एमएसएमई ग्रोथ:

बजट के सबसे आशाजनक पहलुओं में से एक सरकार और

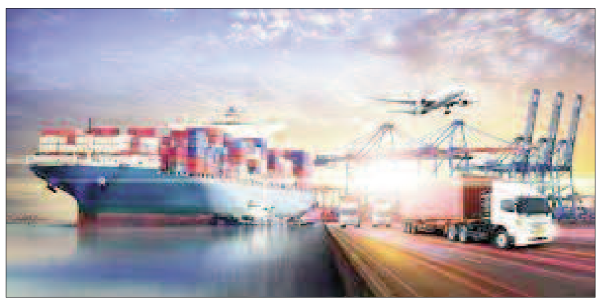

प्राइवेट प्लेयर्स के बीच बढ़ता सहयोग है। निजी उद्यमों को पीएम गति शक्ति डेटा तक पहुंच प्रदान करना एक प्रगतिशील कदम है जो लॉजिस्टिक्स प्रोजेक्ट्स की बेहतर प्लानिंग, क्वार्डिनेशन और एक्जिक्यूशन की सुविधा प्रदान करेगा। यह पहल दक्षता में सुधार करेगी, अड़चनों को कम करेगी और लागत-प्रभावशीलता को बढ़ावा देगी। इसके अतिरिक्त, एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन का उद्देश्य लोन और एक्सपोर्ट क्रेडिट सुविधाओं तक आसान पहुंच प्रदान करके एमएसएमई को बढ़ावा देना है। 20 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध होने से, छोटे और मध्यम उद्यमों को वैश्विक बाजारों में विस्तार और प्रतिस्पर्धा करना आसान हो जाएगा। एमएसएमई को मजबूत करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनमें निर्यात को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन की अपार क्षमता है।

एयर कार्गो और ग्रामीण संपर्क बढ़ाना:

एयर कार्गो त्वरित और कुशल व्यापार को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बेहतर स्क्रीनिंग, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं और कम टर्नअराउंड समय सहित एयर कार्गो इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर बजट का जोर भारत की व्यापार क्षमताओं को मजबूत करेगा। चूंकि ग्लोबल कॉमर्स तेज गति और दक्षता पर निर्भर करता है, इसलिए ये सुधार भारत को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए एक पसंदीदा हब के रूप में उभरने में मदद करेंगे। 120 नए गंतव्यों को शामिल करने के लिए उड़ान योजना का विस्तार एक और महत्वपूर्ण कदम है। दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों को प्रमुख आर्थिक केंद्रों से जोड़कर, छोटे शहरों और गांवों में व्यवसायों को बड़े बाजारों तक बेहतर पहुंच मिलेगी। आर्थिक समावेशन और आपूर्ति श्रृंखलाओं के सुचारू संचालन के लिए ग्रामीण संपर्क को मजबूत करना आवश्यक है।

डिजिटल इनोवेशन से लॉजिस्टिक्स के भविष्य को बदलना:

लॉजिस्टिक्स उद्योग तेजी से डिजिटलीकरण की ओर बढ़ रहा है, और यह बजट नए जमाने की तकनीकों को अपनाने के महत्व को पहचानता है। डिजिटल फ्रेट सल्यूशंस और डेटा-संचालित निर्णय लेने के एकीकरण से कार्गो की आवाजाही में सुधार होगा, दक्षता में सुधार होगा और लागत कम होगी। निजी संस्थाओं को पीएम गति शक्ति डेटा उपलब्ध कराना एक साहसिक कदम है जो लॉजिस्टिक्स संचालन में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देगा। नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी (एनएलपी) और जीएसटी लागू किये जाने ने पहले ही अधिक सुव्यवस्थित लॉजिस्टिक्स ढांचे में योगदान दिया है। लॉजिस्टिक्स को एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा क्षेत्र के रूप में मान्यता देना भारत की आपूर्ति श्रृंखला संचालन को अधिक कुशल और लागत प्रभावी बनाने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए रोडमैप:

2025-26 का केंद्रीय बजट भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए एक स्पष्ट और रणनीतिक रोडमैप प्रस्तुत करता है। बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण, नियमों को सरल बनाने और डिजिटल इनोवेशंस का लाभ उठाकर, भारत खुद को ग्लोबल ट्रेड और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित कर रहा है। ये उपाय देश के मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात-संचालित अर्थव्यवस्था बनने के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। आईआईएम मुंबई में, हम भारत के आर्थिक भविष्य को आकार देने में लॉजिस्टिक्स की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हैं। बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और निजी क्षेत्र के सहयोग में निरंतर निवेश के साथ, भारत लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में ग्लोबल लीडर बनने की राह पर है।

आस्था की डुबकी से ज्यादा जरुरी है ईश्वर की भक्ति

-संजय गोस्वामी

आस्था का पागलपन आदमी को किस कदर अमानुषिक बना सकता है की आप अपनों को कष्ट में छोड़ कर डर से महा कुम्भ में पाप धोने महा कुम्भ जा रहे हैं कुंभ की शुरूआत बहुत पुरानी है और यह उस समय से शुरू हुई जब समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश (अमरता का अमृत कलश) बरामद किया गया था, जिसके लिए देवताओं और असुरों के बीच भयंकर युद्ध हुआ था। देवताओं से ज्यादा शक्तिशाली असुरों द्वारा अमृत कलश को जबरन अपने कब्जे में लेने से रोकने के लिए, इसकी सुरक्षा की ज़िम्मेदारी बृहस्पति, सूर्य, चंद्र और शनि देवताओं को सौंपी गई थी। चारों देवता अमृत कलश को असुरों से छिपाने के लिए उसे लेकर भाग गए। देवताओं की साजिश को जानकर, असुरों ने क्रूर रूप धारण कर लिया और अमृत कलश लेकर भाग रहे चारों देवताओं का पीछा किया। यह पीछा 12 दिन और रात तक चला, जिसके दौरान देवता और असुर पृथ्वी के चारों ओर घूमते रहे और इस पीछा के दौरान देवताओं ने हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन और नासिक में अमृत कलश रखा। अमृत कलश को 4 स्थानों पर रखे जाने की इस पवित्र घटना की याद में, हर 12 साल में कुंभ मनाया जाता है। अन्य पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवताओं और असुरों के बीच वास्तविक लड़ाई हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप अमृत कलश गिर गया था, जिसमें से (अमृत) उपरोक्त 4 स्थानों पर गिरा था ।लेकिन यहाँ सवाल है कि आखिर इतने देवताओं कौन थे और इतने देवता थे तो ईश्वर कौन है ईश्वर एक है और संपूर्ण जगत का मालिक है और अच्छे बुरे का ख्याल रखने वाला परमात्मा भगवान श्री राम हैं जिसे स्वामी विवेकानंद ने उस ईश्वर की ध्यान में डुबकर उसकी अनुभूति हुई उन्होंने जो भी कहा वो ईश्वर के द्वारा बताये गए मार्ग पर चलना है जिसे आप अपने अनुसार उनके फोटो से ही उनका दिव्य रूप दिख जाता है जो व्यक्ति कल क्या होगा ऐ नहीं बता सकता वो कैसे कह सकता है कि 144साल बाद ही महाकुम्भ आएगा दरअसल एक कथा के अनुसार इन्द्र ने अंहकारवश वैजयंतीमाला का अपमान किया था, परिणामस्वरूप महालक्ष्मी उनसे रुष्ट हो गईं और उन्हें दर-दर भटकना पड़ा था। देवराज इन्द्र अपने हाथी ऐरावत पर भ्रमण कर रहे थे। मार्ग में उनकी भेंट महर्षि दुवार्सा से हुई। उन्होंने इन्द्र को अपने गले से पुष्पमाला उतारकर भेंटस्वरूप दे दी। इन्द्र ने अभिमानवश उस पुष्पमाला को ऐरावत के गले में डाल दिया और ऐरावत ने उसे गले से उतारकर अपने पैरों तले रौंद डाला। अपने द्वारा दी हुई भेंट का अपमान देखकर महर्षि दुवार्सा को बहुत क्रोध आया। उन्होंने इन्द्र जो देवताओं के प्रमुख थे उन्होंने असुरो को होने का श्राप दे दिया कहा जाता है दुवार्सा मुनि सतयुग, त्रेता एवं द्वापर तीनों युगों में मौजूद थे। पुराणों के अध्ययन से पता चलता है कि वशिष्ठ, अत्रि, विश्वामित्र, दुवार्सा, अश्वत्थामा, राजा बलि, हनुमान, विभीषण, कृपाचार्य, परशुराम, मार्कण्डेय ऋषि, वेद व्यास और जामवन्त आदि कई ऋषि, मुनि और देवता हुए हैं जिनका जिक्र सभी युगों में पाया जाता है। कहते हैं कि ये आज सशरीर जीवित हैं ।ऋषि दुवार्सा ने इंद्रदेव को विशेष वर्तनी श्राप दिया था, जिसके कारण असुरों ने देवताओं को इतना कमजोर कर दिया की वे सभी भयभीत होकर ब्रम्हा भगवान के पास गए उन्होंने भगवान विष्णु के पास भेज दिया और भगवान विष्णु ने अमृत पाने का लालच देकर असुरों औ? देवताओं के बीच समुद्र मंथन का सुझाव बताया और समुद्र मंथन हुआ था ।जिसमें सबसे पहले हलाहल विष निकला और जिसे भगवान शंकर ने सृष्टि को बचाने के लिए विष को अपने गले में अटका लिया और नीलकंठ भी नाम पड़ा, शास्त्रों के अनुसार ईश्वर एक है और यही गुरू नानकदेवजी ने भी कहा है अतः फिर इतने देवता कहाँ से ईश्वर हो सकते हैं दरअसल भगवान विष्णु और शंकर एक ही हैं जो समय समय पर अपना रूप बदलते हैं जैसा रसायन विज्ञान में आप आइसोटोप का नाम सुना होगा जो एक ही तत्व के कई अलग अलग रूप में होता हैं जैसे कार्बन का आइसोटोप डायमंड और ग्रेफाईट होता है एक विद्युत का चालक है दूसरा नहीं देवताओं का अर्थ है आपको सद्बुद्धि देने वाला और ईश्वर का अर्थ है सही ज्ञान देने बाला अतः सभी ईश्वर के एक ही अंश से बने है और असुरों का अर्थ है गलत शक्ति से किसी का बुरा कर अपने को खुब अच्छा बनाना और लूट मार कर आतंक फैलाना भ्रम में रखना और अपने को ही ईश्वर बताकर लोगों को अज्ञानी बनाकर लूट लेना और ईश्वर आपको सबकुछ आपके सामने रख कर आपकी परीक्षा लेते हैं कि आप विष पिएंगे या अमृत विष का मतलब त्याग से है औ? अमृत का मतलब कभी न मरने वाला पेय पदार्थ है लेकिन मौत इसके बाद भी आती है और जैसा करेंगे वैसा ही भरेंगे ऐ सुन कर हैरान होता हूँ कि माँ बाप, पत्नी, पति बाल बच्चे को अकेले में मरता हुआ छोड़कर अमृत पाने की लालसा में महाकुम्भ जाकर अपना भला के बारे में सोचते है कैसी घटिया विचारों के लोग हैं जो अपनों से दूर रहकर अपनी भलाई का सोचते हैं आप भी इसपर गौर करें मार्च में जब महाकुम्भ खत्म होगा तो आपको भी मालूम होगा क्या ईश्वर मिला ईश्वर ऐसे नहीं मिलता आपका त्याग व तपस्या ही ईश्वर के पास लाता है जो प्रभु राम हैं उनका स्मरण करते रहें हौसला अवश्य मिलेगा. एक समाचार के अनुसार अपने माता पिता को छोड़ कर ताला लगाकर कुम्भ चला गया और बाद में उनके रोने की आवाज सुनकर पड़ोसी वहां जुट गए। देखा कि भूख के कारण घर में रखे प्लास्टिक को चबा रही हैं। उसके गले से आवाज भी नहीं निकल रही थी। बेटी चांदनी को देखकर वह गले से लिपट गई और फफक फफक कर रोने लगीं। पैर में जख्म होने के कारण वह ठीक से चल भी नहीं पा रही थीं लेकिन कुछ ऐसी भी महिला व पुरुष है जो पति या सास ससुर के देखभाल के लिए त्याग का रास्ता अपना कर कर्म का रास्ता अपना रही है जो बिलकुल सही है अब ऐसी नौबत आ गई है कि महिलाओ की अस्मिता ही खत्म हो रही कहीं नहाने का वीडियो वायरल हो रहा कहीं उसपर कार्यवाही भी हो रही है

क्या भारत को केवल हिन्दू सम्हाले हुए हैं?

- राम पुनियानी

दि इंडियन एक्सप्रेस (मुंबई संस्करण) के 17 फरवरी 2025 के अंक में हिंदू समुदाय देश का जिम्मेदार तबका शीर्षक से प्रकाशित एक समाचार में आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत को उद्दत करते हुए कहा गया है कि संघ हिंदू समुदाय को एकजुट करना चाहता है क्योंकि हिंदू समुदाय पर ही इस देश की जिम्मेदारी है। ये बात भागवत ने पश्चिम बंगाल के बर्धमान में आरएसएस के स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कही। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि हिंदू ही देश के गुणधर्मों का मूर्त रूप हैं और देश की विविधतापूर्ण जनता को एकता के सूत्र में बांधकर रखते हैं। भागवत पश्चिम बंगाल के दस दिवसीय दौरे पर थे। यह निरूपण न केवल भारतीय संविधान के मूल्यों के विपरीत है, वरन् इतिहास हमें जो बताता है उसके भी एकदम खिलाफ है। संविधान के अनुसार हम भारत के लोग धर्मों से परे हैं। हमारा धर्म कोई भी हो हम सब इस देश के नागरिक हैं। आरएसएस के नजरिए के विपरीत, संविधान मानता है कि सभी भारतीयों के अधिकार और जिम्मेदारियां एक बराबर हैं। आरएसएस की हिंदू राष्ट्र की विचारधारा के समर्थक भारत में धर्मों की विविधता की संकल्पना को खारिज और कमजोर करने में लगे हुए हैं। आरएसएस समर्थक हमारी मिली-जुली संस्कृति के लिए प्रयुक्त किए जाने वाले सुंदर शब्द गंगा जमुनी तहजीब को नापसंद करते हैं और जोर देकर कहते हैं कि यह शब्द हिंदू संस्कृति को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करता है। उनका दावा है कि हिन्दू संस्कृति यहाँ हमेशा से छाई रही है। पहली बात तो यह है कि हिंदू शब्द को गढ़ा ही उन लोगों ने था जिन्होंने सदियों पहले सिंधु नदी को पार किया था। चूंकि वे स का उच्चारण बहुत कम करते थे इसलिए उसकी जगह ह शब्द ने ली और हिन्दू शब्द बन गया। यह शब्द पहले एक विशिष्ट इलाके में रहने वालों के लिए प्रयुक्त हुआ और बाद में इसे उन सभी धर्मों के अनुयायियों के लिए इस्तेमाल किया जाने लगा जो पैगम्बर-आधारित नहीं थे। 13वीं सदी में मिन्हाज-ए-सिराज नामक एक फारसी इतिहासकार ने पहली बार इस शब्द का इस्तेमाल वर्तमान पंजाब, हरियाणा और गंगा व यमुना नदियों के बीच के क्षेत्र के लिए किया। राजनीतिक दृष्टि से इसका अर्थ था वह इलाका जिस पर दिल्ली सल्तनत का शासन था। 14वीं शताब्दी में निजामुद्दीन औलिया के शागिर्द अमीर खुसरो ने दक्षिण एशिया के लिए इसका इस्तेमाल कर इसका प्रचलन बढ़ाया। सम्राट अशोक, जिन्होंने बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया था, और जो बहुत बड़े साम्राज्य के शासक थे, ने उस समय जितने भी धर्म अस्तित्व में थे - वैदिक (ब्राम्हणवादी), जैन, अजीविक और बौद्ध - के प्रति समानता की नीति अपनाई। उस समय बौद्ध धर्म बहुत बड़े इलाके में फैला और तब तक देश का प्रमुख धर्म बना रहा जब तक पुष्यमित्र शुंग ने अपने साम्राज्य से उसका उन्मूलन करने के लिए बड़े पैमाने पर हिंसा प्रारंभ नहीं की। उसके बाद नाथ, तंत्र, शैव, सिद्धांत और आगे चल कर भक्ति जैसी कई श्रमण परम्पराएं फैलीं। लेकिन वैदिक ब्राम्हणवाद सबसे प्रबल बना रहा। सन् 52 में सेंट थामस द्वारा मलाबार तट पर एक चर्च की स्थापना के साथ देश में ईसाई धर्म का प्रवेश हुआ और धीरे-धीरे यह फैलता गया।

दैनिक पंचांग

24 फरवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

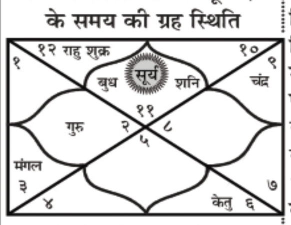

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.26 बजे से
चंद्र	धनु में	मेष	08.56 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	10.36 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.35 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.48 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	17.04 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	19.16 बजे से
राहु	मीन में	तुला	21.27 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.41 ब.से
राहुकाल		धनु	01.57 बजे से
7.30 से 9.00		मकर	04.03 बजे से
बजे तक		कुंभ	05.49 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 55 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** एकादशी 13.45 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 18.59 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 10.05 बजे को समाप्त।
करण बालव 13.45 बजे तदनन्तर कौलव 01.22 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 09° 27'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872265
जूलियन दिन 2460730.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना शाबान **तारीख** 25
विशेष विजया एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

विशेष

दीन हीन की मदद भगवान भी नहीं करते हैं

विपक्ष क्यों नहीं समझता है, दीन हीन की मदद भगवान भी नहीं करते हैं । ऐसे में विपक्ष सरकार से गुहार लगाता है । सरकार विपक्ष की मूर्खता पर हंसती है । सरकार जो चाहती है,वह करती है ।विपक्ष संसद में चिल्लाता है । एकजुट होकर मुकाबले में खड़ा नहीं होता है, अलग-अलग चिल्लाता रहता है । कसाई और पशुओं के बीच यही एक संबंध होता है । वध के समय पशु चिल्लाता है, कसाई अपना काम पूरे मनोयोग से करता है । सरकार सत्ता में बने रहने के लिए अपना काम मनोयोग और पूरी ताकत से कर रही है । विपक्ष के चीखने चिल्लाने का कोई असर सरकार के ऊपर नही पड़ रहा है । सभी संवैधानिक संस्थाएं सरकार के अधीन हो चुकी हैं । सरकार जो चाहेगी, वहीं उन्हें करना पड़ेगा ।राम रावण युद्ध के समय सारे ग्रह रावण की कैद में थे । विपक्ष को यदि अपनी जान बचाना है । तो उसे स्वयं एकजुट होकर सरकार के मुकाबले में खड़ा होना पड़ेगा । रावण वध के लिए किसी विभीषण को खोजना होगा । जंगल के कानून में जिसके पास ताकत होती है, वही जीतता है ।अभी सरकार के पास ताकत है, इसलिए सरकार ही जीतेगी ।
चीन के बाद मोदी को अमेरिका से धोखा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन और अमेरिका के मुखियाओं से बहुत अच्छे संबंध बनाए थे । उन्हें अपना दोस्त बनाया था ।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1542 : इंग्लैंड की रानी कैथरीन हवाई को मौत के घाट उतार दिया गया. 1607 : लंदन में ईस्ट इंडिया कंपनी की पहली यात्रा का नेतृत्व जान लैंकास्टर ने किया. 1633 : इटली के खगोलशास्त्री गैलीलियों को रोम पहुंचने पर गिरफ्तार कर लिया गया. 1673 : दिल्ली के सुल्तान जहांदर शाह की हत्या गला घोंट कर की गई. 1788 : भारत में ज्यादतियों के लिए वारेन हेस्टिंग्स पर इंग्लैंड में मुकदमा चलाया गया. 1820 : फ्रांसीस तख्त के दावेदार डक डी बेरी की हत्या कर दी गई. 1856: ईस्ट इंडिया कंपनी का लखनऊ सहित अवध पर कब्जा। 1886: नेपल्स के फ्रांसिस द्वितीय ने ग्यूसेपी गैरिबाल्डी के आगे हथियार डाले. 1896 : द्वितीय विश्वयुद्ध में मित्र राष्ट्रों ने बुडापेस्ट पर कब्जा किया. 1896 : सुरक्षा परिषद ने कांगो में गृहयुद्ध रोकने के लिए बल प्रयोग की स्वीकृति दी. 1879 : सरोजिनी नायडू का जन्म.

आज का राशिफल

मेष आज दिन सम्मान से भरा होगा और आपको शुभ कार्य के लिए सरकार की तरफ से सम्मान मिल सकता है।

तुला आपको धन का निवेश बड़ा लाभ करवाएगा। आपके अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ आज दिन शुभ है और परिवार के लोगों के साथ आपका वक्त काफी अच्छा बीतेगा।

वृश्चिक आज मन अशांत और परेशान रहेगा। व्यापार बढ़ाने की कोशिशें बेकार हो सकती हैं।

मिथुन आज दिन परेशानियों से भरा हो सकता है और करियर में आपको कोई नुकसान हो सकता है।

धनु आज विद्या, बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होगी। दान-पुण्य और परोपकार की भावना बढ़ेगी।

कर्क दिन भाग्यशाली रहेगा। मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। बच्चों पर आपका विश्वास और मजबूत होगा।

मकर आज कीमती चीजें मिलेंगी, लेकिन कुछ जरूरी खर्चे भी करने पड़ेंगे।

सिंह आज का दिन मिला-जुला रहेगा। मानसिक बेचैनी, उदासी और चिंता आपको परेशान कर सकती है।

कुंभ दिन शुभ है और आपके धन सम्मान में वृद्धि के योग हैं। नई-नई खोज करने में समय बिताएंगे।

कन्या आज परिवार के लोगों के साथ आज प्यार से पेश आएंगे। उनके साथ कहीं शॉपिंग पर जा सकते हैं।

मीन आज दिन अच्छा रहेगा। पुत्र या पुत्री से जुड़े किसी पुराने विवाद का हल निकलेगा।

बेल के कीट - रोग

प्रमुख रोग-

बेल का केंकर - यह रोग जैन्थोमोनास बिल्वी नामक जीवाणु द्वारा होता है। प्रभावित भागों पर जलासिक्त धब्बे बन जाते हैं। जो बाद में आपस में मिलकर बड़े एवं भूरे रंग के हो जाते हैं। रोग की तीव्रता बढ़ने पर रोगग्रसित भाग का ऊतक नष्ट होकर पत्तियों पर छिद्र बन जाते है।

प्रबंधन

रो

● ग की रोकथाम हेतु निम्न प्रबंधन उपाय अपनायें।

● पौधे लगाने हेतु केंकर रहित नर्सरी से पौधों का चयन करें।

● केंकर प्रभावित भागों को मानसून से पूर्व कटाई–छटाई कर जला दें।

● तांब्रयुक्त जीवाणुनाशक जैसे– बोर्डो मिक्शचर इत्यादि का प्रयोग करें।

● स्ट्रेप्टोसाक्लिन (200 पीपीएम) को पानी में घोलकर छिड़काव करें आवश्यकतानुसार छिड़काव पुनः दोहरावें।

छोटे फलों का गिरना

यह रोग फ्यूजेरियम नामक फफूंद द्वारा होता है। इस रोग में बेल के छोटे–छोटे फल (5–8 सेमी) गिरने लगते हैं। इस रोग का संक्रमण सर्वप्रथम डंठल पर होता हैं। तथा छोटे–भूरे रंग के घेरे फल के ऊपरी हिस्से पर बनने लगते है। फल के डंठल व फल के मध्य संक्रमण होने से फल का डंठल से लगा भाग कमजोर हो जाता है जिससे डंठल फल का भार सहन नहीं कर पाते हैं और फल पूर्ण रुप से बढ़वार न लेकर समय से पूर्व ही गिर जाते हैं।

प्रबंधन

● संक्रमित फलों को इकट्ठा कर जला दें।

● अब फल छोटे हो तब कार्बेन्डाजिम 0.1 प्रतिशत का कम छिड़काव करें।

● डाईबैक

इस रोग का प्रकोप लेसियोडिप्लोडिया नामक फंफूद द्वारा होता है। इस रोग में रोगग्रसित टहनियां ऊपर से नीचे की तरफ सूखने लगती हैं। टहनियों व पत्तियों पर भूरे धब्बे दिखाई देते हैं। एवं रोग की तीव्रता बढ़ने से पौधे की पत्तियां गिरने लगती हैं।

प्रबंधन-

● **संक्रमित टहनियों की कटाई–** छंटाई कर इन्हें नष्ट कर दें।

● कॉपर आक्सीक्लोराइड का (0.3 प्रतिशत) छिड़काव करें तथा आवश्यकता पड़ने पर 10–15 के अंतराल पर छिड़काव पुनः दोहरायें।

● **फलों का गिरना/ आंतरिक विगलन–** बेल के बड़े फल अप्रैल–मई में बहुतायत से गिरते हैं। गिरे बेलों में आंतरिक विगलन के लक्षण पाये जाते हैं। साथ ही बाह्य त्वचा में फटन भी पाई जाती है।

प्रबंधन– इस रोग के नियंत्रण के लिए बोरेक्स 300 ग्राम प्रति वृक्ष के हिसाब से प्रयोग करें। साथ ही 1 प्रतिशत बोरेक्स का 2 बार छिड़काव 15 दिनों के अंतराल पर फलों पर छोटी अवस्था में करें।

फल सड़न

बेल के ऐसे फल जो तोड़ते समय गिर जाते हैं, उन फलों की बाह्य त्वचा में हल्की फटन हो जाती है तथा ऐसे फल तेजी से सड़ने लगते हैं। ऐसे फलों के अंदर एस्परजिलस फंफूद विकसित होती है। तथा अंदर का गूदा अधिक मुलायम व तीक्ष्ण गंध वाला हो जाता है।

प्रबंधन–

इसके नियंत्रण हेतु फलों को सावधानी से तोड़े जिससे फल जमीन पर न गिरे एवं फलों की त्वचा पर फटन न होने पाये साथ ही ऐसे फल मृदा के संपर्क में भी नहीं आयें।

प्रमुख कीट-

झंडा तितली

पेपीलिओ डिमोलस के लार्वा की प्रारंभिक अवस्थाएं नई पत्तियों को खाते हैं तथा लार्वा के बाद की अवस्थाएं, परिपक्व पत्तियों को नुकसान पहुंचाती है। पौधों की नर्सरी अवस्था में ही सारी पत्तियां झड़ जाती हैं।

प्रबंधन-

लार्वा को एकत्रित कर नष्ट करें तथा डाइमिथिएट 2 मिली/ ली. के हिसाब से स्प्रे प्रभावी रहेगा।

फल मक्खी-

बेक्ट्रोसीरा जोनाटा लगे फल परिपक्व होने से पहले ही झड़ जाते हैं फल का सड़ना व फटना भी कीट लगे फल में देखा जा सकता है। कुछ दिनों बाद गिरे हुए फल से प्रभावी मेगट पूपेशन के लिए बाहर आता है। 40–50 लार्वा एक फल में देखे जा सकते हैं। फलों का गिरना पिछेती फसल पर अधिक होगा।

प्रबंधन-

गिरे हुए फलां को एकत्रित कर नष्ट कर दें। गर्मियों में प्यूपा को नष्ट करने के लिए पेड़ के तने के चारों ओर की मिट्टी को खुला छोड़ दें। मेलाथियान 50 ग्राम+गुड़ 500 ग्राम+पानी 50 लीटर के मिश्रण का स्प्रे करने पर व्यस्क कीटों को नियंत्रित किया जा सकता है।

पत्तियों का काला धब्बा

बेल की पत्तियों की दोनों सतहों पर काले धब्बे बन जाते है जिनका आकार आमतौर पर 2–3 मिमी का होता है। इन धब्बों पर काली फफूंदी नजर आती है। जिसे इजेरिआप्सिस कहते हैं।

प्रबंधन-

इसकी रोकथाम के लिए जब नई पत्तियां निकल रही हो तब बाविस्टीन (0.1 प्रतिशत) या डाईफोलेटान (2 प्रतिशत) का 2 से 3 छिड़काव 15 दिनों के अंतर पर करें।

नर्सरी में कीट व्याधियों का नियंत्रण

प्रमुख रोग- आर्द्रपतन

बी ज के अंकुरित होने से पहले मिट्टी की सतह पर पहुंचने से पहले ही बीजांकुर मर जाते हैं क्योंकि ऐसा मिट्टी के भीतर ही होता है जिनसे उत्पादक इसको जान नहीं पाता और वह इसे रोग न समझकर बेकार किस्म का बीज समझ बैठता है।

दूसरी अवस्था में पौध नर्सरी में उग जाती है परंतु वह शीघ्र ही गिर जाती है ऐसा कवक मिट्टी तल अथवा इससे नीचे संक्रमण करता है। नर्सरी में रोगग्रस्त बीजांकुरों के बड़े–बड़े क्षेत्र के रुप में दिखाई देते हैं। जब मिट्टी में नमी की मात्रा मध्य से उच्च तक तथा तापमान अधिक होता है तब रोग उग्र रुप धारण कर लेता है।

नियंत्रण हेतु

● बीजों को आर्द्रपतन के प्रथम अवस्था से बचाने के लिए बीजोपचार करें। बीजोपचार के लिये बीजों को कार्बेन्डाजिम या थायरम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।

● मिट्टी उपचार भी अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए एक भाग फार्मलीन को 50 भाग जल में मिलाकर नर्सरी की मिट्टी को चार इंच गहराई तक गीला कर देवे। इसके अतिरिक्त फाइटोलान (0.5 प्रतिशत) अथवा पेरेनाक्स (0.2 प्रतिशत) से भी मिट्टी को उपचारित कर सकते है।

● नर्सरी की क्यारियां जमीन से कुछ ऊंची उठी हुई हो जिससे उचित जल निकास हो सके।

● अच्छी प्रकार से सड़ी हुई खाद प्रयोग करें।

● नर्सरी में मिट्टी तथा बालू की उचित मात्रा हो।

● नर्सरी में अधिक बीज की बुवाई न करें।

प्रमुख कीट

दीमक– छोटे आकार का यह कीट जमीन में रहता है और अंदर से ही पौधों की जड़ों को काटकर खाता है जिससे पौधे मुरझाकर सूख जाते हैं। यह कीट पौधे के तने व टहनियों को नुकसान पहुंचाते हैं।

कातरा

मटमैले रंग की इस कीट की लट रात को निकलकर पौधशाला में पौधों की जमीन की सतह से काटकर गिरा देती है।

चैंपा व हरा तेला

पौधों की कोमल पत्तियों, कोपलों से यह रस चूसता है जिससे उन पर सफेद पीले रंग के धब्बे दिखाई देते हैं व पौधे कमजोर हो जाते हैं। चैंपा पत्तियों व ग्रसित भाग पर चिपचिपा पदार्थ छोड़ता है जिससे कई प्रकार की फफूंदी के संक्रमण का भय रहता है। ये कीट कई फसलों में विषाणु रोगों के वाहक का काम भी करता है।

तम्बाकू की लट

यह कीट अधिकतर खड़ी फसल में नुकसान करते हैं परंतु नर्सरी में टमाटर, गोभीवर्गीय सब्जियों के पौधों को अपने काटने वाले मुखांगों से काटकर नुकसान करते हैं।

सफेद लट

इस कीट के लार्वा नर्सरी व खेत दोनों में पौधों को हानि पहुंचाते हैं। इनकी लटें जमीन में रहती हैं और पौधों की जड़ों को काट देती हैं जिससे पौधे मर जाते हैं।

आरा मक्खी

हरे काले रंग की लटें पौधों की छोटी अवस्था में नुकसान करती है। यह सुबह या शाम के समय पत्तियों को खाती हैं व गोल छेद बना देती है और अधिक उग्र अवस्था में पौधे को खत्म कर देती है।

उपरोक्त कीटों के अतिरिक्त कई प्रकार की भृंग, वीवल्स आदि नर्सरी में पौध को क्षति पहुंचाते है।

नियंत्रण

● नर्सरी की क्यारियां जमीन से कुछ ऊंची उठी हुई हों जिससे उचित जल निकास हो सके।

●नर्सरी में सफाई का ध्यान रखें। समय समय पर निराई गुड़ाई करते रहें। खरपतवारों को उखाड़कर नष्ट कर देवे एवं कूड़ा करकट को एकत्रित कर जला दें।

● नर्सरी में पौध लगाने से पूर्व मिट्टी को मिथाइल पैराथियान से उपचारित करें जिससे उसमें उपस्थित अण्डे व प्यूपा खत्म हो जायें।

● नर्सरी में उपयोग होने वाले बीजों को इमिडाक्लोप्रिड 2 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित करें जिससे रस चूसने वाले कीटों से लम्बे समय तक बचाव होता है।

● नर्सरी में खड़े पौधों को पत्ती काटने वाली सुण्डियों से रोकथाम हेतु क्विनालफास की 2 मिली मात्रा एक लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

● नर्सरी में दीमक की रोकथाम के लिए क्लोरोपायरीफास को सिंचाई के साथ देवे।

● नर्सरी के बाहर प्रकाश प्रपंच लगाकर रात्रि में आकर्षित कीटों को नष्ट कर देवे।

फरवरी में शेयर बाजार से निकले 23,710 करोड़ रुपये

पिछले महीने के मुकाबले संभली स्थिति

मुंबई , एजेंसी। पिछले काफी समय से शेयर बाजार में लगातार गिरावट का दौर जारी है। विशेषज्ञों का मानना है कि, बाजार में लगातार हो रही गिरावट के पीछे की वजह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा लगातार की जा रही पैसे के निकासी है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजार से 23,710 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। इस तरह 2025 में अबतक एफपीआई भारतीय शेयरों से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक निकाल चुके हैं।

पिछले महीने के मुकाबले इस महीने संभली स्थित- डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (21 फरवरी तक) भारतीय शेयरों से 23,710 करोड़ रुपये निकाले हैं। जबकि पिछले जनवरी में उन्होंने 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। साल 2025 में अबतक एफपीआई 1,01,737 करोड़ रुपये की बिकवाली कर चुके हैं। इतनी जबरदस्त बिकवाली के चलते निफ्टी ने भी चार प्रतिशत का नकारात्मक रिटर्न दिया है।

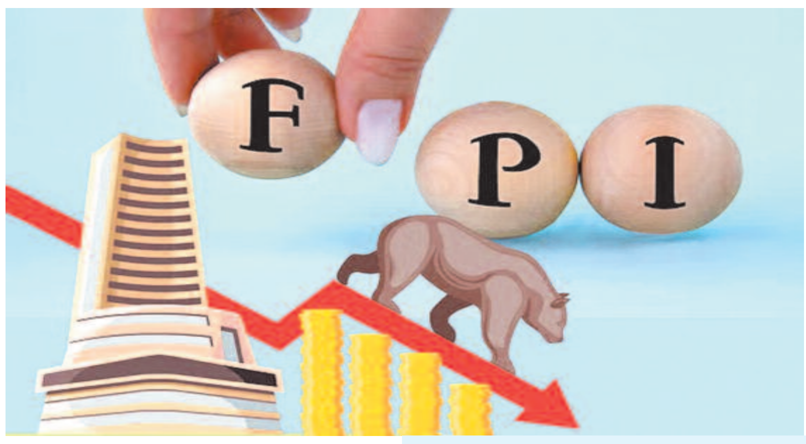

ट्रंप की नीतियों ने डाला असर

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों पर जवाबी शुल्क के साथ-साथ इस्पात और एल्युमीनियम के आयात पर नए शुल्क लगाने पर विचार करने की रिपोर्ट के बाद बाजार की चिंताएं बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि इन घटनाक्रमों ने संभावित वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंकाओं को फिर से जगा दिया है, जिसने एफपीआई को भारत सहित उभरते बाजारों में अपने जोखिम का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया है।

बाजार का रुख- भारत में बेचो और चीन में खरीदो रुख

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के विजयकुमार ने कहा कि ट्रंप की राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद अमेरिका बाजार में शेष दुनिया से भारी पूंजी का प्रवाह हो रहा है। उन्होंने कहा, चूंकि चीन के शेयर सस्ते हैं ऐसे में 'भारत में बेचो और चीन में खरीदो' का रुख अभी जारी रह सकता है। विजयकुमार का मानना है कि भारत में एफपीआई निवेश का पुनरुद्धार तब होगा जब आर्थिक वृद्धि और कंपनियों की आय में सुधार होगा। इसके संकेत दो से तीन माह में मिलने की उम्मीद है।

बॉन्ड बाजार से भी निकासी

समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार से भी निकासी हुई है। उन्होंने बॉन्ड में सामान्य सीमा के तहत 7,352 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 3,822 करोड़ रुपये निकाले हैं। कुल मिलाकर विदेशी निवेशकों सतर्क रुख अपना रहे हैं। एफपीआई का 2024 में भारतीय बाजार में निवेश काफी कम होकर 427 करोड़ रुपये रहा था। इससे पहले 2023 में उन्होंने भारतीय बाजार में 1.71 लाख करोड़ रुपये डाले थे, जबकि 2022 में वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि के बीच 1.21 लाख करोड़ रुपये की निकासी की थी।

विजय माल्या ने अपने खिलाफ दिवालियापन आदेश को गुणवत्ता के आधार पर रद्द करने की मांग की

नई दिल्ली एजेंसी। संकटग्रस्त करोबारी विजय माल्या ने ब्रिटेन में अपने वकीलों को निर्देश दिया है कि वे उनके दिवालियापन आदेश के खिलाफ निरस्तीकरण आवेदन को आगे बढ़ाएं। माल्या के वकीलों ने बताया है कि पिछले साल दिसंबर में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से संसद में दिया गए बयान के बाद उनके खिलाफ दिए गए आदेश की गुणवत्ता सही नहीं है। माल्या ने यह कदम न्यायमूर्ति एंथनी मान की ओर से

दिवालियापन से जुड़े केस में फैसला सुरक्षित रखने के बाद उठाया है। इस सप्ताह लंदन के उच्च न्यायालय में माल्या के दिवालियापन आदेश से संबंधित तीन अपीलों की सुनवाई पूरी हो गई है। न्यायाधीश ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व में बैंकों के एक संघ से संबंधित जटिल दलीलें सुनीं, जिसमें 69 वर्षीय व्यवसायी की अब बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस पर लगभग 1.05 बिलियन पाउंड के अनुमानित ऋण के पुनर्भुगतान की मांग की गई थी। माल्या धोखाधड़ी और धन शोधन के आरोपों में भारत में वांछित है। जायवाला एंड कंपनी के प्रबंध साझेदार लेह क्रेस्टोहल ने पीटीआई को बताया, माल्या के दृष्टिकोण से, ये दिवालियापन कार्यवाही गुणवत्ता पूर्ण नहीं है। क्रेस्टोल ने पिछले साल 17 दिसंबर को संसद में सीतारमण के बयान का हवाला देते हुए कहा, अब ऐसे साक्ष्य सामने आए हैं जो दर्शाते हैं कि बैंकों का न केवल कर्ज चुका दिया गया है, बल्कि इसके अलावा बैंकों ने डॉ. माल्या से बकाया राशि से अधिक राशि वसूल ली है। उन्होंने कहा कि सीतारमण ने संसद में दिए अपने बयान में पुष्टि की है कि 14,131.6 करोड़ रुपये की राशि एकत्र कर ली गई है और बैंकों को वापस कर दी गई है। क्रेस्टोहल ने कहा कि यह मानकर चलना चाहिए कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक संसद में दिए गए मंत्री के बयान की सत्यता को स्वीकार करेंगे।

केन्द्रीय कर्मचारियों को मिलेगा होली का तोहफा! डीए बढ़ोतरी का हो सकता है ऐलान

नई दिल्ली एजेंसी। 8वां वेतन आयोग भले ही अगले साल लागू होने की उम्मीद है, लेकिन केंद्र सरकार के कर्मचारियों को मौजूदा 7वें वेतन आयोग के तहत कम से दो डीए बढ़ोतरी मिलेगी। आगामी डीए बढ़ोतरी, जो 1 जनवरी, 2025 से प्रभावी होगी। मार्च में होली के आसपास घोषित होने की उम्मीद है। हालांकि, इस पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। डीए बढ़ोतरी, जिसे साल में दो बार (जनवरी और जुलाई से प्रभावी) घोषित किया जाता है, महंगाई दर के अनुसार केंद्र सरकार के कर्मचारियों के घर ले जाने वाले वेतन को बढ़ाती है।

कितनी बढ़ सकती है सैलरी – अक्टूबर 2024 में पिछली डीए बढ़ोतरी में, केंद्र सरकार के कर्मचारियों को 1 जुलाई, 2024 से 3 प्रतिशत की डीए बढ़ोतरी मिली थी। बढ़ोतरी के बाद, डीए मूल वेतन के 50 प्रतिशत से बढ़कर 53 प्रतिशत हो गया था। पेंशनभोगियों को भी महंगाई राहत में इतनी ही बढ़ोतरी मिली। कर्मचारी संघ की उम्मीदों के मुताबिक, केंद्र सरकार इस बार मार्च 2025 में होली के आसपास कर्मचारियों के लिए 3-4 फीसदी डीए बढ़ोतरी की घोषणा कर सकती है। इस डीए बढ़ोतरी पर, प्रवेश स्तर के केंद्र सरकार के कर्मचारी का वेतन, जिसका मूल वेतन लगभग 18,000 रुपये प्रति माह है, 1 जनवरी, 2025 से 540-720 रुपये प्रति माह की सीमा में वृद्धि होगी।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पर आरबीआई ने दिया बड़ा अपडेट

निवेशकों को कब मिलेगा भुनाने का मौका

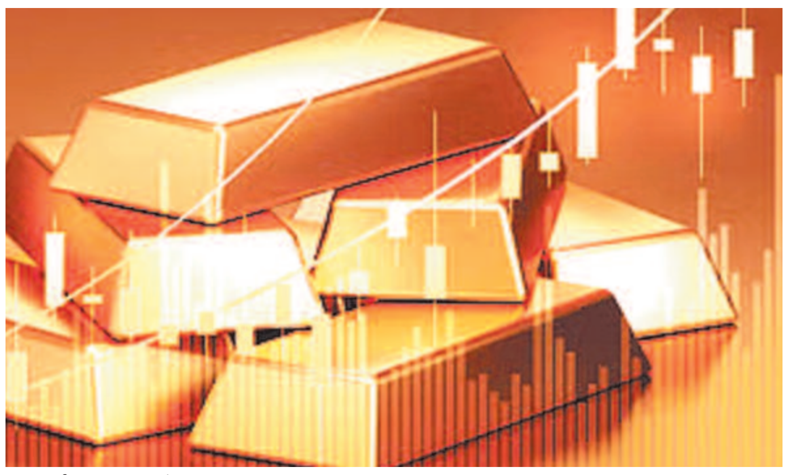

नई दिल्ली एजेंसी। अगर आपने भी सरकार की ओर से जारी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश कर रखा है, तो यह खबर आपके लिए यह बहुत काम की है। आरबीआई ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) से जुड़ी उन तिथियों का ब्यौरा दिया गया है, जिन्हें अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच समय से पहले भुनाया जाना है। केंद्रीय बैंक ने 21 फरवरी, 2025 को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। रिजर्व बैंक ने बताया है कि यदि निवेशक समय से पहले भुनाकर एसजीबी को भुनाना चाहते हैं, तो उन्हें किस समय अवधि में आवेदन करना होगा।

आरबीआई ने अपने बयान में क्या कहा है, आइए जानें – आरबीआई के अनुसार 22 अक्तूबर, 2021 के परिपत्र 1100/14.04.050/2021-22 के तहत जारी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना पर समेकित प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों के पैरा 13 के अनुसार, ऐसे बॉन्ड जारी होने की तारीख से पांच साल के बाद सोने के बांड को समय से पहले भुनाने की अनुमति दी गई है। केंद्रीय बैंक ने 01 अप्रैल, 2025 से 30 सितंबर, 2025 की अवधि के दौरान सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड भुनाने की तिथि का विवरण जारी किया है।

पांच साल पूरे होने के बाद गोल्ड बॉन्ड को भुनाने की दी गई अनुमति – एसजीबी यानी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड डिजिटल तरीके से सोने में निवेश करने और ब्याज कमाने का अवसर प्रदान करते हैं। यह उन निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प है जो सोने से सुरक्षा और स्थिर रिटर्न की तलाश में निवेश करना चाहते हैं। ऐसे बॉन्ड जारी होने की तारीख से पांच साल पूरे होने के बाद गोल्ड बॉन्ड को समय से पहले भुनाने की अनुमति दी गई है। अप्रैल और सितंबर 2025 के बीच समय से पहले भुनाए जा सकते वाले गोल्ड बॉन्ड की जानकारी देते हुए केंद्रीय बैंक ने कहा है कि अनिर्धारित अवकाश/छुट्टियों के मामले में समय से पहले भुनाने की तिथियों में बदलाव हो सकता है। निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे एसजीबी को भुनाने के लिए अनुरोध देने अवधि पर ध्यान दें, यदि वे परिपक्वता से पहले अपनी होल्डिंग्स को भुनाना चुनते हैं।

सॉवरेन गोल्ड बांड क्या हैं क्या इसे बंद कर दिया गया है

भारतीय रिजर्व बैंक भारत सरकार की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड जारी करता है। ये बॉन्ड सोने के ग्राम में अंकित होते हैं और समय-समय पर ब्याज देते हुए भौतिक सोना रखने का विकल्प प्रदान करते हैं। 2015 से शुरू होकर, आरबीआई ने 14.7 करोड़ यूनिट जारी करते हुए 67 एसजीबी ट्रांच लॉन्च किए हैं। वे बीएसई और एनएसई के कैश सेगमेंट में सूचीबद्ध होते और कारोबार किए जाते हैं। खुदरा निवेशक उन्हें डीमैट खातों के माध्यम से खरीद और बेच सकते हैं। एसजीबी आठ साल खरीदे जाते, लेकिन पांच साल का लॉक-इन अवधि पूरा होने के बाद इन्हें भुनाने की सुविधा दी जाती है। एसजीबी स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश का कारोबार बहुत कम होता है। आरबीआई पांचवें, छठे और सातवें साल के अंत में समयपूर्व बायबैक सुविधा प्रदान करता है। घरेलू स्तर पर सोने की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के बीच केंद्र सरकार ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) योजना को बंद कर दिया है। सरकार ने इस योजना से जुड़ी उधारी की उच्च लागत का हवाला दिया है।

बाजार में अधिक तेल होने से ईंधन की कीमतों में कमी संभव

बोले- पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्रीय पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के अनुसार अमेरिका सहित वैश्विक बाजार में तेल की अधिक आवक के कारण ईंधन की कीमतों में कमी आ सकती है, उनका मानना है कि ऐसा होने से महंगाई पर काबू पाने में मदद मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में विश्वास जताया है कि भारत ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले नए प्रशासन के साथ संपर्क स्थापित कर लिया है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के मोर्चे पर भारत-अमेरिका संबंध और मजबूत होंगे। पुरी के अनुसार, भारत अर्जेंटीना सहित 40 देशों से तेल खरीदरता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में पर्याप्त तेल है, इसलिए तेल उत्पादक देश जो कटौती कर रहे हैं, उन्हें भी अपने फैसले पर

पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि तेल खरीद में डॉलर के इस्तेमाल को खत्म करने का इरादा कभी नहीं था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'अधिकांश लेनदेन डॉलर में होते हैं और हमेशा से होते आए हैं।' पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, अमेरिका में, उन्होंने (ट्रंप ने) कहा, ड्रिल, बेबी, ड्रिल। जो अधिक ड्रिलिंग करने और अधिक तेल निकालने का संकेत है। उन्होंने आधिकारिक रूप से कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों को कम करना चाहते हैं। पुरी ने कहा, मुझे लगता है कि आने वाले समय में वैश्विक ऊर्जा की स्थिति में सुधार होगा। बाजार में अधिक ऊर्जा आएगी और उम्मीद है कि इससे कीमतों में कमी लाने में मदद मिलेगी। जब ऊर्जा कम कीमतों पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होती है, तो इससे महंगाई को नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत का प्राथमिक उद्देश्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए 'कम कीमतों पर' पर्याप्त तेल खरीदना है।

21 की उम्र में संभाली कमान, पिता के कारोबार को बुलंदियों पर पहुंचा दिया, आज अरबपति

नई दिल्ली एजेंसी। जयपुर में जन्मे सुनील वासवानी भारतीय मूल के नाइजीरियाई अरबपति हैं। स्टैलियन ग्रुप के चेयरमैन वासवानी को 21 साल की उम्र में अपने पिता सुंदर डी वासवानी का नाइजीरियाई व्यापार विरासत में मिला। नाइजीरिया में कानूनी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद वह 2003 में व्यापार को यूएई ट्रांसफर करने में सफल रहे। फोर्ब्स मिडिल ईस्ट ने उन्हें 2015 और 2016 में लगातार दो साल टॉप इंडियन लीडर इन द अरब वर्ल्ड के खिताब से नवाजा। वर्तमान में वह अपनी पत्नी रीता के साथ दुबई में रहते हैं। उनके पास ब्रिटिश और नाइजीरियाई नागरिकता है। जनवरी 2021 तक उनकी कुल संपत्ति 50 करोड़ डॉलर (लगभग 4,332 करोड़ रुपये) थी। आइए, यहां सुनील वासवानी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

● **नई बुलंदियों पर पहुंचाया बिजनेस** – सुनील वासवानी ने लंदन से इकनॉमिक्स और अकाउंटेंसी में पढ़ाई की। वासवानी का व्यावसायिक दुनिया में महत्वपूर्ण योगदान है। दुबई स्थित स्टैलियन ग्रुप के चेयरमैन के रूप में उन्होंने कंपनी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने इसे कई देशों में काम करने वाला एक बहुराष्ट्रीय समूह बनाया। इसका व्यवसाय ऑटोमोबाइल, कृषि, उर्वरक, भोजन और वितरण सहित कई क्षेत्रों में फैला हुआ है।

परेशानियों से नहीं घबराए

21 साल की कम उम्र में ही सुनील वासवानी को पारिवारिक व्यवसाय की जिम्मेदारी मिल गई थी। नाइजीरिया में कुछ कानूनी परेशानियों के बाद उन्होंने 2003 में अपने व्यवसाय को संयुक्त अरब अमीरात ट्रांसफर कर दिया। यह उनके व्यावसायिक कौशल का प्रमाण है। टॉप इंडियन लीडर इन द अरब वर्ल्ड का खिताब उन्हें लगातार दो वर्षों तक मिला। यह उनकी उपलब्धियों को दर्शाता है।

दुबई में पत्नी के साथ रहते हैं

सुनील वासवानी दुबई में अपनी पत्नी रीता के साथ रहते हैं। उनके पास ब्रिटिश और नाइजीरियाई दोनों नागरिकताएं हैं। वह नाइजीरिया में सबसे अमीर भारतीयों में से एक हैं। सुनील वासवानी की कहानी युवा उद्यमियों के लिए प्रेरणादायक है। यह दिखाती है कि कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से कैसे सफलता हासिल की जा सकती है।

459 से टटू कर 1.58 पर आ गया था रिन्यूएबल एनर्जी शेयर, अब लगातार दे रहा मुनाफा

नई दिल्ली एजेंसी। रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी के शेयरों ने 1.70 रुपये के अपने लाइफ टाइम हाई से 2300 प्रतिशत चढ़ गया है। दिलचस्प बात यह है कि कंपनी का शेयर एक समय 459 रुपये के स्तर पर था, लेकिन लगातार गिरावट के बाद 1.70 रुपये के निचले स्तर तक पहुंच गया था। वर्तमान में कंपनी के शेयर 55 रुपये पर हैं। हम बात कर रहे हैं- सुजलॉन एनर्जी के शेयर की। वर्तमान में यह इंडेक्स पर सबसे अधिक ट्रैक की जाने वाली और सक्रिय सिक्योरिटी में से एक है। 1995 में स्थापित सुजलॉन प्रमुख ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी सॉल्यूशन प्रोवाइडर में से एक है।

क्या है डिटेल – सुजलॉन एनर्जी ने 2005 में आईपीओ के जरिए से एनएसई और बीएसई में अपनी जगह बनाई। इसके इश्यू को 15 गुना अधिक सब्सक्राइब किया गया था। सुजलॉन यह दर्जा हासिल करने वाली भारत की एकमात्र पावर कंपनी, एशिया की एकमात्र रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी और दुनिया की एकमात्र विंड एनर्जी कंपनी बन गई। बता दें कि कंपनी के शेयर 425 रुपये और 510 रुपये की रेंज में पेश किए गए थे। एक्सचेंजों पर स्टॉक को दो दशक हो गए हैं और इन वर्षों के दौरान सुजलॉन के शेयरों में महत्वपूर्ण उतार-चढ़ाव देखा गया है। सुजलॉन एनर्जी का स्टॉक जनवरी 2008 में 459 रुपये के अपने लाइफ टाइम हाई को छू गया था, जिसके बाद मार्च 2020 में यह 1.58 रुपये के अपने लाइफ टाइम लो स्तर तक गिरता रहा।

कंपनी के शेयरों के हाल

बीएसई एनालिटिक्स डेटा के मुताबिक तब से स्टॉक में तेजी आ रही है और पिछले 5 सालों में इसमें 2300 फीसदी का भारी उछाल आया है। सुजलॉन एनर्जी के शेयरों ने 12 सितंबर, 2024 को 86.04 रुपये के अपने नए 52-वीक के हाई को छुआ। यह पिछले कुछ सालों से पेश किए जा रहे रिटर्न के कारण निवेशकों के पसंदीदा में से एक बन गया है। अब मल्टीबैगर सुजलॉन स्टॉक एक बार फिर फोकस में है क्योंकि प्रमुख ब्रोकरेज इन्वेस्टेक ने इस पर कवरेज शुरू की है और इसे खरीदारी की रेटिंग दी है। इन्वेस्टेक ने मार्च 2027 तक वित्तीय वर्षों में सुजलॉन के राजस्व और कर-पश्चात लाभ में क्रमश: 55 प्रतिशत और 66 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। इसके साथ, ब्रोकरेज ने स्टॉक को 70 रुपये का लक्ष्य मूल्य दिया है।

210 के पार जाएगा शेयर, रेखा झुनझुनवाला के पास हैं कंपनी के 6 करोड़ शेयर

नई दिल्ली एजेंसी। रेखा झुनझुनवाला सपोर्टेट पोर्टफोलियो स्टॉक एनसीसी में पिछले छह महीनों में 42 प्रतिशत की गिरावट आई है, फिर भी पब्लिक सेक्टर की कंपनी (पीएसयू) के शेयर की कीमत निवेशकों के लिए मल्टीबैगर पसंदीदा बनी हुई है। दिवंगत बिग बुल समर्थित मल्टीबैगर पीएसयू स्टॉक ने पिछले तीन वर्षों में 193 प्रतिशत और पिछले पांच सालों में 347 प्रतिशत रिटर्न दिया है। बता दें कि पिछले शुक्रवार को यह शेयर कारोबार के दौरान 2.5 प्रतिशतचढ़कर 197.70 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। हालांकि, बाद में इसमें कुछ मुनाफावसूली देखी गई और यह शेयर 3 प्रतिशतसे अधिक गिरकर 186.45 रुपये पर बंद हुए थे। तीन महीनों में स्टॉक में 32 फीसदी और पिछले 30 दिनों में 23 फीसदी की गिरावट आई है।

दिसंबर तिमाही के नतीजे – समेकित आधार पर एनसीसी लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 5,382.86 करोड़ (अन्य आय सहित) का कारोबार दर्ज किया, जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में यह 5,287.74 करोड़ था। पीएसयू ने 540.90 करोड़ का ईबीआईटीडीए और 193.18 करोड़ का शेयरधारकों के कारण नेट मुनाफा दर्ज किया, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 505.41 करोड़ था।

ब्रोकरेज की राय – स्टॉक में झुनझुनवाला की हिस्सेदारी लगभग 10 प्रतिशत है। यह 6,67,33,266 शेयरों के बराबर है। स्टॉक में मौजूदा कमजोरी के बावजूद, घरेलू ब्रोकरेज फर्म एक्सिस सिक्योरिटीज ने स्टॉक पर खरीद रेटिंग दी है और निकट अवधि में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की संभावना देखी है। एक्सिस सिक्योरिटीज के विश्लेषकों ने 213 के टारगेट प्राइस (टीपी) पर स्टॉक को बाय रेटिंग दी है। एनसीसी पर एक्सिस सिक्योरिटीज ने कहा, एनसीसी स्टॉक क्रमशः 1 5 × / 1 3 × / 1 0 ङ्ग स्न ड्ड 2 5 श्च / स्न ड्ड 2 6 श्च / स्न ड्ड 2 7 श्च ईपीएस पर कारोबार कर रहा है। हम 213/शेयर के टीपी के साथ स्टॉक पर खरीदारी रेटिंग की सलाह देते हैं, जो सीएमपी से 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है।

कंपनी का कारोबार – हैदराबाद में स्थित, एनसीसी सबसे विविध निर्माण है और सड़क, भवन, सिंचाई, पानी, बिजली, मेटल, माइनिंग और रेलवे सहित कई क्षेत्रों में संचालित होता है। भारत में परियोजनाओं के अलावा, एनसीसी की मस्कट और दुबई में अपनी सहायक कंपनियों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति है।

80 प्रतिशत तक टूट गया था सन रिटेल कञ्च शेयर, अब खरीदने की है लूट

नई दिल्ली एजेंसी। स्टॉक मार्केट का हाल इस समय बेहाल है। ऐसे में अधिकतर शेयर पस्त चल रहे हैं। इस बीच, बीते शुक्रवार को एक पेनी स्टॉक में जबरदस्त तेजी देखी गई। यह शेयर- सन रिटेल का है। सन रिटेल के शेयर में शुक्रवार को 5 प्रतिशतसे अधिक चढ़कर 0.62 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। कंपनी के शेयर इससे पहले गुरुवार को 0.59 रुपये पर बंद हुए थे। बता दें कि पिछले पांच दिन में इसमें 4 प्रतिशततक की तेजी देखी गई। हालांकि, लंबी अवधि में इसमें गिरावट दर्ज की गई है। बता दें कि पेनी स्टॉक ऐसे स्टॉक होते हैं जिनकी कीमत बहुत कम होती है। इस तरह की कंपनियों के मार्केट कैप भी बेहद कम होते हैं।

● **क्या है डिटेल** – छह महीने में कंपनी के शेयर 26 प्रतिशतऔर इस साल अब तक यह शेयर 17 प्रतिशततक गिर चुका है। सालभर में यह शेयर 30 प्रतिशततक गिर गया और पांच साल में कंपनी के शेयर 60 प्रतिशततक गिर गए हैं। कंपनी के शेयर 14 दिसंबर 2018 को 3.19 रुपये पर थे और अब 0.62 रुपये पर आ गया। इस दौरान इसमें 80 प्रतिशतसे अधिक की गिरावट देखी गई। कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई प्राइस 1.32 रुपये और 52 वीक लो प्राइस 0.54 रुपये है। इसका मार्केट कैप 9.62 करोड़ रुपये है।

ऑस्ट्रेलिया का ऐतिहासिक रनचेज

इंग्लैंड को 5 विकेट से हराया

लाहौर, एजेंसी। क्रिकेट के इतिहास में एक और यादगार रात, जब ऑस्ट्रेलिया ने चैंपियंस ट्रॉफी के सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को 5 विकेट से हरा दिया। 352 रनों का विशाल स्कोर भी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के सामने छोटा पड़ गया। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 351 रन बनाए। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने इसे 47.3 ओवर में ही पूरा कर लिया। जीत का छक्का जोश इंग्लिस ने जड़ा, जिन्होंने 77 गेंदों में शतक लगाकर टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक ठोकने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

- **जोश इंग्लिस की करिश्माई पारी** – ऑस्ट्रेलिया के लिए जोश इंग्लिस ने 86 गेंदों पर नाबाद 120 रन की पारी खेली, जिसमें ताबड़तोड़ शॉट्स देखने को मिले। एलेक्स कैरी (69), मैथ्यू शॉर्ट (63) और मार्नस लाबुशेन (47) ने भी अहम योगदान दिया।
- **इंग्लैंड की बड़ी पारी, लेकिन बेकार गई मेहनत** – इंग्लैंड के लिए बेन डकेट ने 143 गेंदों में 165 रनों की लाजवाब पारी खेली, जिसमें 17 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उनके अलावा जो रूट (68) ने भी अर्धशतक जमाया, लेकिन अंत में यह स्कोर जीत के लिए काफी नहीं रहा।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 2025

नहीं चले तेंदुलकर-अंबाती रायुडू तो यूसुफ पठान ने 20 गेंदों पर ठोका अर्धशतक

मुंबई, एजेंसी। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 2025 के पहले मुकाबले में श्रीलंका मास्टर्स के खिलाफ इंडिया मास्टर्स टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 222 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। भारत को इस स्कोर तक पहुंचाने में यूसुफ पठान और स्टुअर्ट बिन्नी के

युवी ने खेली तेज पारी, बिन्नी का दिखा जलवा

अर्धशतक साथ ही युवराज सिंह की तेज पारी का बड़ा योगदान रहा। इस मुकाबले में टीम के कप्तान सचिन तेंदुलकर नहीं चल पाए तो वहीं अंबाती रायुडू भी रन बनाने में कामयाब नहीं रहे।

इस मैच में कुमार संगकारा ने टॉस जीतकर पहले भारत को बैटिंग करने का न्योता दिया। इसके बाद पहली पारी में भारत की शुरुआत खराब रही और टीम के ओपनर बल्लेबाज अंबाती रायुडू 5 रन बनाकर आउट हो गए जबकि इसके ठीक बाद कप्तान व ओपनर बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी 10 रन बनाकर चलते बने। टीम के दो विकेट सिर्फ 26 रन के स्कोर पर गिर गए। इसके बाद गुरकीरत सिंह मान और स्टुअर्ट बिन्नी ने टीम को संभाला और दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी हुई, लेकिन फिर गुरकीरत सिंह आउट हो गए जिन्होंने 32 गेंदोंपर 7 चौकों की मदद से 44 रन की पारी खेली।

इस मैच में स्टुअर्ट बिन्नी की बल्लेबाजी शानदार रही जिन्होंने 31 गेंदों पर 7 छक्के और 3 चौकों की मदद से 68 रन की पारी 219.35 की स्ट्राइक रेट के साथ खेली। वहीं यूसुफ पठान ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी की और अपना अर्धशतक सिर्फ 20 गेंदों पर पूरा किया। पठान ने इस मैच में 254.55 की स्ट्राइक रेट के साथ 22 गेंदों पर नाबाद 56 रन बनाए और इस दौरान 6 छक्के और 3 चौके भी लगाए। युवराज सिंह ने भी आखिरी समय पर तेज पारी खेली और उन्होंने 2 छक्के व 2 चौकों की मदद से 22 गेंदों पर 31 रन बनाए और नाबाद रहे। श्रीलंका की तरफ से सुरंगा लकमल ने सर्वाधिक 2 विकेट लिए।

वीमेंस प्रीमियर लीग

यूपी की खिलाड़ी ने छक्कों की बारिश कर रचा इतिहास

डब्ल्यूपीएल के इतिहास में दूसरी बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी वॉरियर्स ने वीमेंस प्रीमियर लीग 2025 के आठवें मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 33 रनों से हरा दिया. यूपी ने सीजन में अपनी पहली जीत दर्ज की. उसके लिए चिनले हैनरी ने कमाल का प्रदर्शन किया. उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. यूपी वॉरियर्स ने वीमेंस प्रीमियर लीग 2025 के आठवें मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 33 रनों से हरा दिया. यूपी ने सीजन में अपनी पहली जीत दर्ज की. उसके लिए चिनले हैनरी ने कमाल का प्रदर्शन किया. उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. यूपी ने पहले बैटिंग करते हुए 177 रन बनाए थे. इस दौरान हेनरी ने विस्फोटक बैटिंग करते हुए अर्धशतक जड़ दिया. इसके जवाब में दिल्ली की टीम 144 रनों के स्कोर पर ऑल आउट हो गई.

यूपी ने पहले बैटिंग करते हुए 177 रन बनाए थे. इस दौरान हेनरी ने विस्फोटक बैटिंग करते हुए अर्धशतक जड़ दिया. इसके जवाब में दिल्ली की टीम 144 रनों के स्कोर पर ऑल आउट हो गई. हेनरी ने इतिहास रच दिया. उन्होंने वीमेंस प्रीमियर लीग का सबसे तेज अर्धशतक लगाया. हेनरी ने महज 18 गेंदों में हाफ सेंचुरी पूरी कर ली थी. हेनरी ने इतिहास रच दिया. उन्होंने वीमेंस प्रीमियर लीग का सबसे तेज अर्धशतक लगाया. हेनरी ने महज 18 गेंदों में हाफ सेंचुरी पूरी कर ली थी. हेरनी ने सोफिया डंकली की बराबरी कर ली है. वे भी 2023 में 18 गेंदों में अर्धशतक लगा चुकी हैं. यह वीमेंस प्रीमियर लीग के इतिहास में सिर्फ दो बार हुआ है. हेरनी ने सोफिया डंकली की बराबरी कर ली है. वे भी 2023 में 18 गेंदों में अर्धशतक लगा चुकी हैं. यह वीमेंस प्रीमियर लीग के इतिहास में सिर्फ दो बार हुआ है. हेनरी ने अपनी पारी के दौरान छक्कों की बारिश कर दी. उन्होंने 8 छक्के और 2 चौके लगाए. हेनरी ने 23 गेंदों में कुल 62 रन बनाए. हेनरी ने अपनी पारी के दौरान छक्कों की बारिश कर दी. उन्होंने 8 छक्के और 2 चौके लगाए. हेनरी ने 23 गेंदों में कुल 62 रन बनाए. दिल्ली कैपिटल्स के लिए जेमिमा रोड्रिग्ज ने अर्धशतक लगाया. लेकिन वे टीम को जीत नहीं दिला सकी. जेमिमा ने 35 गेंदों में 56 रन बनाए. दिल्ली कैपिटल्स के लिए जेमिमा रोड्रिग्ज ने अर्धशतक लगाया. लेकिन वे टीम को जीत नहीं दिला सकी. जेमिमा ने 35 गेंदों में 56 रन बनाए.

खेलो इंडिया स्टेट वूमेंस लीग वूशु की धमाकेदार शुरुआत, डिप्टी मेयर मोनालिसा का दिखा अनोखा अंदाज

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के सिकंदरपुर स्थित खेल भवन के प्रांगण में खेलो इंडिया स्टेट लेवल वूमेंस वूशु लीग की शानदार शुरुआत हुई। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में बिहार के विभिन्न जिलों से 300 से अधिक महिला खिलाड़ी भाग ले रही हैं। डिप्टी मेयर डॉ. मोनालिसा ने खुद वूशु खेलकर टूर्नामेंट का औपचारिक शुभारंभ किया। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय वूशु खिलाड़ी ईशा मिश्रा भी मौजूद रहीं।

खिलाड़ियों में दिखा जबरदस्त जोश – प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम की शुरुआत की गई। खिलाड़ियों और दर्शकों में खासा उत्साह देखा गया। विभिन्न जिलों से आई महिला खिलाड़ियों ने अपने जोश और हुनर से माहौल को रोमांचक बना दिया। डिप्टी मेयर डॉ. मोनालिसा ने कहा कि खेलो इंडिया के तहत राज्य स्तर पर इस तरह के आयोजन से खिलाड़ियों में न सिर्फ प्रतिस्पर्धा की भावना जागती है, बल्कि खेल के प्रति उनका समर्पण और जुनून भी बढ़ता है। सरकार की यह पहल सराहनीय है, क्योंकि यह खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का मौका देती है।

बिहार के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन – वूशु बिहार की महासचिव सुमन मिश्रा ने बताया कि इस टूर्नामेंट में बिहार के विभिन्न जिलों के 300 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि वूशु एक चीनी मार्शल आर्ट है, जिसे दो तरह से खेला जाता है और यह तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। बिहार के कई खिलाड़ियों ने इस खेल में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे प्रतियोगिताओं के आयोजन से खिलाड़ियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार होते हैं।

महेश भूपति ने टेनिस के युवा खिलाड़ियों को दिया सफलता का मंत्र

बिहार में खेल विकास को लेकर की अहम चर्चा

पटना, एजेंसी। महेश भूपति ने बिहार में खेलों के प्रति बढ़ती रुचि और उभरते खिलाड़ियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि बिहार में खेलों को लेकर जागरूकता बढ़ी है। यहां के युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन कर सकते हैं।

भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी महेश भूपति ने अपने पटना दौरे के दौरान उभरते टेनिस खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उनके खेल, ट्रेनिंग और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने खिलाड़ियों को लगातार मेहनत और समर्पण के महत्व को समझाते हुए उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने की प्रेरणा दी।

खेल विभाग के अधिकारियों से मुलाकात

पटना दौरे के दौरान महेश भूपति ने बिहार सरकार के खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेंदर और निदेशक महेंद्र कुमार से मुलाकात की। इस दौरान बिहार में खेलों के विकास, खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं और राज्य में टेनिस को लोकप्रिय बनाने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके अलावा उन्होंने बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रन शंकरण से भी भेंट की और राज्य सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बिहार में खेलों को लेकर जो सकारात्मक पहल हो रही है, वह भविष्य में राज्य के खिलाड़ियों के लिए एक उज्ज्वल अवसर प्रदान करेगी।

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद संन्यास ले लेंगे रोहित शर्मा?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर एक बार फिर से अटकलें लगाई जाने लगी हैं. रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने बड़ा बयान दे दिया है. मांजरेकर की माने तो ये रोहित का आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो सकता है. चलिए जानते हैं कि मांजरेकर ने रोहित को लेकर क्या कुछ कहा है.

रोहित शर्मा को लेकर संजय मांजरेकर ने बात करते हुए बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है अगर उन्होंने (रोहित शर्मा) फैसला कर लिया है, तो क्या वो 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में नजर आएंगे? इसकी संभावना नजर नहीं आती है और मुझे ऐसा नहीं लगता है. ऐसा भी हो सकता है कि ये आखिरी टूर्नामेंट हो सकता है. मैं उम्मीद कर रहा हूं कि रोहित शर्मा वहां जाएंगे'.

रोहित के इस अंदाज पर फिदा हुए मांजरेकर – मांजरेकर ने साथ में रोहित शर्मा के बेखौफ और आक्रामक बैटिंग अंदाज की तारीफ भी की. मांजरेकर ने बताया, 'साल 2023 के वनडे वर्ल्ड कप से रोहित शर्मा की पॉपुलैरिटी में इजाफा हो गया. मुझे उनके बारे में ये चीज पसंद आई कि उन्होंने निस्वार्थ क्रिकेट खेला और अपने शतक की परवाह किए बिना टीम को शानदार और तेज शुरुआत दिलाने पर जोर दिया जिससे कि आने वाले खिलाड़ियों के लिए खेलना आसान हो गया.

क्या 2027 का वनडे वर्ल्ड कप खेल सकते हैं रोहित – रोहित शर्मा अभी 37 साल के हैं और अप्रैल में वो 38 साल के हो जाएंगे. जबकि साल 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक रोहित की उम्र 40 साल के पार हो जाएगी. रोहित टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं और अब आईसीसी का अगला टूर्नामेंट उनके लिए 2027 का वनडे वर्ल्ड कप ही होगा. रोहित के मन में क्या है ये तो वो ही जानते हैं, बाकी सब अफवाहें तो उड़ती रही है और उड़ती रहेगी. बात अगर उम्र की है तो उससे कोइ फर्क नहीं पड़ता क्योंकि रोहित की फिटनेस लाजवाब है ।

छक्के-चौके से ही बना डाले 116 रन, ऑस्ट्रेलिया के इस बल्लेबाज ने गेंदबाजों को बनाया खिलौना

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले ही मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जॉश इंग्लिस ने 86 गेंद में 120 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली. इस दौरान उन्होंने 6 छक्के और 8 चौके की बरसात करके इंग्लैंड के गेंदबाजों की हालत खराब कर दी. लेकिन हम आज इंग्लिस की नहीं बल्कि एक ऐसे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसने अभी डेब्यू भी नहीं किया है. इंटरनेशनल क्रिकेट में आने से पहले ही 23 साल के इस खिलाड़ी ने अपनी बल्लेबाजी के तेवर दिखा दिए हैं. हम बात कर रहे हैं मिचेल ओवेन की, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के घरेलू वनडे टूर्नामेंट में साउथ ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों के साथ खिलौने की तरह बर्ताव किया है. उन्होंने 149 रनों की पारी में 10 छक्के और 14 चौके जड़कर ही 116 रन बना दिए हैं.

ऑस्ट्रेलिया में वनडे कप टूर्नामेंट जारी है. इसमें 23 फरवरी को साउथ ऑस्ट्रेलिया और तस्मानिया के बीच मुकाबला खेला गया. इस दौरान तस्मानिया के लिए खेलने वाले मिचेल ओवेन ने ओपनिंग की. उन्होंने 330 रन चेज करते हुए पहले ओवर से ही कूटना शुरू कर दिया और अपनी टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई. उनकी ताबड़तोड़ बैटिंग के कारण तस्मानिया ने 5.1 ओवर में ही 64 रन ठोक दिए. हालांकि, इसके बाद लगातार 2 बल्लेबाज पवेलियन लौट गए. लेकिन ओवेन नहीं रुके और महज 69 गेंदों में ही 149 रन ठोक दिए. इस दौरान उन्होंने मैदान के चारों ओर चौके-छक्के लगाए. लेकिन 197 के स्कोर पर वो भी चलते बने ।

टॉप्स खिलाड़ियों को इस ओलंपिक सत्र में भत्ते में बढ़ोतरी, लेकिन हर छह महीने पर समीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेल प्राधिकरण के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के एक सदस्य ने बताया, कोर समूह अगले ओलंपिक यानी 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का अल्पकालिन लक्ष्य लेकर बनाया गया है जबकि डेवलपमेंटल समूह 2032 ओलंपिक और शायद 2036 को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के लिए चुने गए खिलाड़ियों को इस ओलंपिक चक्र में अभ्यास और विदेश में स्पर्धाओं के दौरान मिलने वाले भत्ते में बढ़ोतरी की जाएगी, लेकिन उन्हें हर छह महीने में समीक्षा की प्रक्रिया के तहत शारीरिक और मनोवैज्ञानिक टेस्ट देने होंगे। टॉप्स का कोर समूह 179 से घटाकर 94 कर दिया गया है और डेवलपमेंटल सूची में 112 खिलाड़ी हैं। एक ओलंपिक चक्र पूरा होने के बाद यह आम रूटीन होता है लेकिन तैराकी, स्क्वॉश, गोल्फ और टेनिस जैसे खेलों का कोर सूची में नाम नहीं है । कोर समूह में 52 पैरा एथलीट और 42 सामान्य एथलीट हैं। पेरिस पैरालम्पिक में भारत ने सात स्वर्ण समेत 29 पदक जीतकर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था। सूची में शामिल खिलाड़ियों को विदेश में अभ्यास या स्पर्धा के दौरान 25 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन और 50000 रूपये (कोर समूह) और 25000 रूपये (डेवलपमेंटल समूह) महीना दिया जाएगा। भारतीय खेल प्राधिकरण के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के एक सदस्य ने

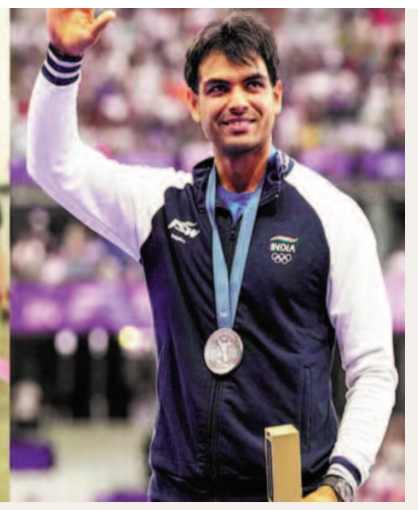

बताया, कोर समूह अगले ओलंपिक यानी 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का अल्पकालिन लक्ष्य लेकर बनाया गया है जबकि डेवलपमेंटल समूह 2032 ओलंपिक और शायद 2036 को ध्यान में रखकर बनाया गया है। सूत्र ने कहा, हम यह भी कोशिश कर रहे हैं कि चोटों में कमी आए। इसके लिए नियमित तौर पर शारीरिक और मनोवैज्ञानिक टेस्ट होंगे। पहले भी टेस्ट होते थे, लेकिन अब हमने अवधि तय कर दी है और ये टेस्ट अनिवार्य होंगे। कोर सूची में कोई पुरूष मुक्केबाज नहीं है और एथलेटिक्स में भी तीन (पिछली बार से 27 कम) ही जगह बना सके हैं। खराब फॉर्म से जूझ रहे बैडमिंटन खिलाड़ी के श्रीकांत और अश्विनी पोनप्पा के अलावा भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले एकल खिलाड़ी सुमित नागल भी इससे बाहर हो गए हैं। रिकर्व तीरंदाज दीपिका कुमारी और भारोत्तोलक मीराबाई चानू इसमें जगह बनाने में कामयाब रही हैं जो हैरानी की बात है। दीपिका कई बार ओलंपिक में नाकाम रह चुकी हैं, जबकि टोक्यो में रजत पदक जीतने के बाद मीराबाई पेरिस में चौथे स्थान पर रही। दोनों 30 पार की हैं। दीपिका का ओलंपिक में भविष्य अनिश्चित है जबकि मीराबाई लगातार चोटों से जूझती रही हैं। सूत्र ने कहा, हमें ऐसा कोई नहीं मिला जो दीपिका को हरा सके तो उसे कैसे हटायें । उसने पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया था और नॉकआउट तक पहुंची थी। मीराबाई की फिटनेस पर नजर रखी जाएगी।

रोहित रॉय ने हिना खान की तारीफ में किया पोस्ट

अभिनेत्री हिना खान ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। इस मुश्किल घड़ी का सामना वह काफी हिम्मत से कर रही हैं। उपचार के बीच वे अपने वर्क फ्रंट पर भी एक्टिव हैं। हाल ही में एक्टर रोहित रॉय ने हिना की तारीफ में पोस्ट लिखा है। हिना खान तीसरी स्टेज के ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। अभिनेत्री का उपचार चल रहा है। हिना अक्सर अपनी हेल्थ को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ जानकारी साझा करती नजर आती हैं। इस मुश्किल वक्त का सामना हिना काफी सकारात्मक तरीके से कर रही हैं। एक तरफ वह अपने घूमने-फिरने के शौक को भी पूरा कर रही हैं तो वर्क फ्रंट पर भी एक्टिव हैं। फैंस और इंडस्ट्री के तमाम सितारे हिना की तारीफ करते नजर आते हैं। हाल ही में रोहित रॉय भी हिना की हिम्मत को सलाम करते दिखे हैं।

रोहित रॉय ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने हिना के साथ अपनी एक फोटो शेयर की है। इसके साथ लिखा है, यह तारीफ भरा पोस्ट मेरी जानकारी में सबसे मजबूत लड़कियों में से एक के लिए है। वह जंग लड़ रही है और मुझे यकीन है कि वह समय के साथ इसे हरा देगी। लेकिन, इस मुश्किल वक्त में और जब वह लड़ रही है, तब भी उसके चेहरे की मुस्कान कभी नहीं जाती। तुम्हें और हिम्मत मिले हिना खान।

हिना ने कहा शुक्रिया

रोहित के पोस्ट के पोस्ट पर हिना खान ने कमेंट किया है और उनका आभार जताया है। हिना ने लिखा है, बहुत बहुत शुक्रिया। जिंदगी ने मुझे नींबू दिए, मैंने उनसे करतब दिखाना सीखा। यह सीख मुझे मेरे पिताजी ने दी। आप मुझे अपनी दुआओं में याद रखिए प्लीज।

प्रेम में डूबे दिलजीत दोसांझ, अदब से बोले लोकां ने की कहणा

अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ को प्यार हो गया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्होंने प्रशंसकों को अपने प्रेम से रूबरू कराया। इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर करते हुए दिलजीत ने एक कप गर्म कॉफी के प्रति अपनी मोहब्बत का इजहार किया है। दोसांझ ने कैप्शन के लिए अपने हालिया रिलीज गाने वाटर के लिरिक्स का सहारा लिया। उन्होंने लिखा, लोकां ने की कहना? मुझे कॉफी से प्यार हो गया है। वीडियो में दिलजीत एक कैफे में बैठे नाश्ता करते नजर आए। इसके बाद वह एक कप गर्म कॉफी का आनंद लेते नजर आए। वीडियो के साथ दिलजीत ने बैकग्राउंड में अपने हालिया रिलीज गाने 'वाटर' को जोड़ा। दिलजीत जिंदगी के हर एक हिस्से की प्रशंसकों को झलक दिखाते हैं। उन्होंने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह कभी डांस तो कभी दोस्तों संग शॉपिंग करते और खास पलों का लुत्फ उठाते नजर आए। इसके साथ ही उन्होंने प्रशंसकों को एक मैसेज भी दिया। इंस्टाग्राम पर एक खास मैसेज वाले वीडियो को शेयर करते हुए दिलजीत ने कैप्शन में लिखा, हम सभी यहां पर एक यात्री हैं। हेलो, यात्रियों। वीडियो में दिलजीत कभी नाश्ता करते तो कभी दोस्तों के साथ मस्ती करते नजर आए। वहीं, वीडियो में उन्होंने 'विजिटर्स' ऑडियो भी जोड़ा। इससे पहले दोसांझ ने एक वीडियो शेयर कर प्रशंसकों को हेल्दी भोजन का फायदा बताया था। दोसांझ की मानें तो टेंशन फ्री रहने का सीक्रेट भी इसमें छुपा है! उन्होंने स्वस्थ भोजन को तनाव से मुक्ति का जरिया बताया था।

शेयर किए गए वीडियो में दिलजीत किसी होटल के रसोई में कुछ स्वादिष्ट और हेल्दी खाना बनाते नजर आए। अभिनेता के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म पंजाब 95 में नजर आएंगे। जसवंत सिंह खालरा के जीवन पर आधारित फिल्म का ट्रेलर हाल ही में निर्माताओं ने जारी किया था। फिल्म 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, जिसकी तारीख अब आगे बढ़ चुकी है। दिलजीत दोसांझ ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'पंजाब 95' का फर्स्ट लुक भी शेयर किया था। अपकमिंग फिल्म के निर्देशक हनी त्रेहान हैं। वहीं, निर्माता रॉनी स्क्रूवाला, अभिषेक चौबे और हनी त्रेहान हैं। दिलजीत दोसांझ फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं, जो जसवंत सिंह खालरा की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज तारीख की अभी घोषणा नहीं की है।

मुझे लगता था कि इंडस्ट्री में कोई एक्टर छोटा-बड़ा नहीं होता

कीर्ति कुल्हारी इन दिनों चर्चा में हैं। पिछली बार उन्हें फिल्म बैडएस रविकुमार में देखा गया था। हाल ही में उन्होंने उस समय को याद किया, जब असल में उन्हें इस बात का अहसास हुआ था कि इंडस्ट्री में जूनियर और सीनियर के हिसाब से काम होता है। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा... जब मेरे पास पिंक का प्रस्ताव आया था, तब तक मेरे दिमाग में कभी ये ख्याल नहीं था कि इंडस्ट्री में बड़े या छोटे स्टार के हिसाब से ट्रीटमेंट मिलता है। मैंने तो बस ये सोचा था कि यह फिल्म 3 लड़कियों की कहानी है। मैंने इस फिल्म को इसी तरह से देखा। मैं एक ऐसी जगह से थी, जहां मैं मानती थी कि हम सभी कलाकार हैं और सब साथ हैं। जब मैंने पिंक में काम किया, तब मुझे छोटे-बड़े कलाकार के बारे में पता चला। दरअसल, आपके आसपास के लोग आपको ऐसा महसूस करवा देते हैं। अमिताभबच्चन के बाद तापसी पन्नू को स्टार ट्रीटमेंट दिया गया था। मेरे लिए यह पहला झटका लगा था, क्योंकि मैं जानती थी कि मैंने फिल्म में क्या किया है। मैंने ये सब अपनी आंखों के सामने होते देखा। मुझे झटका इसलिए लगा, क्योंकि यह मेरा पहला अनुभव था।

मैं डरी हुई हूं.., 'हेमा कमेटी रिपोर्ट' पर भूमि ने दिया रिएक्शन

फीस को लेकर भी उठाए सवाल

'हेमा कमेटी रिपोर्ट' ने मलयालम फिल्म उद्योग में खलबली मचा दी। रिपोर्ट में महिलाओं के साथ होने वाले उत्पीड़न और यौन शोषण को उजागर किया गया। अब कमेटी की रिपोर्ट पर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि एक महिला होने के नाते उन्हें डर लगता है।

हेमा कमेटी को लेकर क्या कहा?

एक इवेंट में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने कहा कि पिछले साल अगस्त में जारी की गई रिपोर्ट दिल दहला देने वाली और भयानक थी। अभिनेत्री ने कहा, यह भारतीय समाज का एक हिस्सा है, जहां उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया था, दिल दहला देने वाले भयानक बातें सामने आईं। आज भारत में एक महिला होने के नाते, मैं डरी हुई हूं।। यह सिर्फ बिरादरी के बारे में नहीं है।

अभिनेत्री ने कहा- मुझे डर लगता है

भूमि पेडनेकर ने आगे कहा, मुझे डर लगता है जब मेरी छोटी चचेरी बहन जो मुंबई में मेरे साथ रहती है, कॉलेज जाती है और जब वह रात 11 बजे तक घर नहीं आती है, तो मैं घबरा जाती हूं। सत्ता की गहरी कंडीशनिंग है। समस्या तब होती है जब पहले पन्ने पर केवल महिलाओं पर होने वाली हिंसा की खबरें छपती हैं। उन्होंने कहा, यह एक बार की बात नहीं है, यह एक नियमित घटना है। भूमि ने बॉलीवुड में वेतन असमानता पर भी चर्चा की और कहा कि यह विश्व स्तर पर सभी इंडस्ट्री में होता है।

'रक्त ब्रह्माण्ड' में घपले के बीच लग रहीं अटकलें

समांथा चली गई अज्ञातवास में रहने

अभिनेत्री समांथा रुथ प्रभु की पहली शादी अभिनेता नागा चैतन्या के साथ लंबी नहीं चली। नागा ने बीते दिनों शोभिता धूलिपाला से दूसरी शादी कर ली और उनके चेहरे की खुशी बताती है कि उनके लिए ये फैसला कितना सही रही। एक विषाक्त रिश्ते से रहने से बेहतर उन्हें लगा अपना नया आसमान चुनना।

नया आसमान अभिनेत्री समांथा को भी तब मिलता दिख रहा था, जब वह अपनी सीरीज 'सिटाडेल- हनी बनी' के निर्देशकों में से एक राज निदिमोरू के साथ दोस्ती बढ़ाती दिखीं। सीरीज के निर्माण के दौरान भी दोनों की निकटता खास चर्चा में रही और सीरीज रिलीज होने के बाद भी दोनों खूब साथ साथ देखे गए। चर्चा यही रही कि समांथा को नया जीवन साथी मिल गया है लेकिन तभी राज और डीके की कंपनी पर फर्जीवाड़े की गाज गिरी और कंपनी में हंगामा मच गया।

समांथा के बारे में जब पता किया गया तो जानकारी मिली कि मुंबई में ये बवाल मचते ही वह दक्षिण के एक ऐसे सुरम्य स्थान पर निकल गई, जहां वह कुछ दिनों तक किसी के संपर्क में नहीं रहेगी। जिस एकांतवास में वह रहने गई हैं, वहां मोबाइल रखने पर पाबंदी है। बताया जा रहा है कि यहां से वह महाशिवरात्रि का पर्व मनाकर ही लौटेंगी। वैसे जहां समाथां हैं वह जगह हिंदी फिल्म अभिनेत्रियों की पसंदीदा जगह रही है। धरती बचाने की मुहिम के साथ शुरू हुए जिस अभियान के लिए ये रिसॉर्ट बना है, उसके बनाने में भी पर्यावरण नष्ट करने के तमाम मामले सामने आते रहे हैं।

हिंदुस्तानी भाऊ ने

फराह खान पर दर्ज करवाई FIR

डायरेक्टर ने दिया था 'होली' को लेकर यह विवादित बयान

टेलीविजन की दुनिया में होस्ट करने से लेकर फिल्म बनाने की दुनिया में विख्यात कोरियाग्राफर फराह खान इन दिनों मुसीबतों में हैं। इस समय फराह मास्टशेफ शो होस्ट कर रही हैं। शो के दौरान की गई टिप्पणी के कारण उनका लोग विरोध कर रहे हैं। अब इस मामले मे विकास फातक उर्फ हिंदुस्तानी भाऊ ने उन पर कानूनी शिकायत की है, जिसमें फराह पर हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप है।

फराह खान के खिलाफ कानूनी शिकायत दर्ज

फराह खान के विवादित टिप्पणी पर बिग बॉस 13 के प्रतियोगी रहे विकास फातक, जिन्हें हिंदुस्तानी भाऊ नाम से जाना जाता है ने उनके नाम पर पुलिस से शिकायत दर्ज कराई। इसकी शिकायत बीते 21 फरवरी को उन्होंने मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई थी। इस मामले को अधिवक्ता अली काशिफ खान देशमुख देख रहे हैं।

हिंदुस्तानी भाऊ के वकील ने क्या कहा?

रिपोर्ट के अनुसार, हिंदुस्तानी भाऊ के वकील अली काशिफ खान देशमुख ने कहा, मेरे मुवक्किल का मानना है कि फराह खान की टिप्पणी न केवल अपमानजनक थी, बल्कि धार्मिक भावनाओं को ठेंस पहुंचाने वाली भी थी। एक पवित्र त्योहार का वर्णन करने के लिए छपरी शब्द का उपयोग करना बेहद अनुचित है।

कावेरी कपूर की डेब्यू फिल्म बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी, JIOHOTSTAR पर नंबर 1 बनी

कावेरी कपूर की पहली फिल्म बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी 11 फरवरी को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई। कुणाल कोहली द्वारा निर्देशित लव स्टोरी में कावेरी और उनके सह-कलाकार वर्धन पुरी ने क्रमशः प्रमुख पात्रों की भूमिका निभाई है, एक युवा और उन्हें बॉलीवुड की पर्दे पर एक युवा और मासूम लव स्टोरी को वापस लाने के लिए सराहा गया। अब, यह फिल्म एक बार फिर चर्चा में है, क्योंकि इसने स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म की शीर्ष 10 सूची में स1 स्थान हासिल किया है। यह फिल्म निश्चित रूप से बहुत से युवा जोड़ों से जुड़ी है, क्योंकि इसमें युवा प्रेम के सभी तत्व हैं और बॉबी और ऋषि द्वारा पूछे गए ऐसे सवाल हैं जो असल जीवन में युवा जोड़े आमतौर पर महसूस करते हैं, जो वास्तविक जीवन में युवा जोड़ों द्वारा सामना किए जाने वाले परीक्षणों और कठिनाइयों से गुजरते हैं। कावेरी की मां सुचित्रा कृष्णमूर्ति ने अपनी बेटी की उपलब्धि को सोशल मीडिया पर साझा किया। हालांकि यह कावेरी की पहली फिल्म है, लेकिन इसके साथ मिलने वाला स्टारडम और पहचान उनके लिए नई बात नहीं है। कावेरी बहुत कम उम्र से ही एक संगीत प्रतिभा के रूप में उभरी हैं। उनके पास पहले से ही 4 म्यूजिक वीडियो (डिड यू नो, अगेन, हाफ ए हार्ट और स्मेल ऑफ द रेन) हैं। उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म से एक धागा तोड़ा मैंने गाया और संगीतबद्ध भी किया।

श्रुति हासन ने बताया, कैसे उनकी...

संगीत यात्रा पर रहा है पिता कमल हासन का प्रभाव

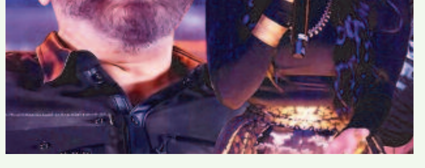

अभिनेत्री श्रुति हासन ने हाल ही में अपने पिता और एक्टर कमल हासन के साथ एक भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस पोस्ट में श्रुति ने अपने म्युजिक के प्रति प्यार और अपनी संगीत यात्रा पर अपने पिता कमल हासन के प्रभाव के बारे में बताया। पिता के साथ स्टेज पर बिताए खास पलों का वीडियो शेयर करते हुए श्रुति ने कैप्शन में लिखा, जब से मुझे याद है, मुझे गाना बहुत पसंद है। मेरी मां ने मुझे संगीत सिखाया, लेकिन बचपन से ही मेरे पसंदीदा गायन साथी मेरे अप्पा कमल हसन रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि कैसे कमल हासन ने उन्हें मंच पर प्रदर्शन करने का आत्मविश्वास दिया और अब वह मंच को अपना दूसरा घर मानती हैं। श्रुति ने अपने पिता से जीवनभर में सीखे गए महत्वपूर्ण पाठों को याद करते हुए कहा, उन्होंने मुझे सिखाया कि मंच हमारा घर है। हमें निडर रहना चाहिए और अपनी सभी भावनाओं को व्यक्त करना चाहिए। इस दिल को छूने वाले वीडियो में पिता और बेटी के बीच एक प्यार भरे और मजबूत पल को दिखाया गया है, जो उनके बीच संगीत के प्रति साझा प्रेम और उनके संबंध को और भी खास बनाता है। इस बीच, श्रुति हासन महिला प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस के मुकाबले के दौरान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में परफॉर्म करेंगी।

साभार एजेंसी